कूर्मि चन्दूलाल चन्द्राकर

जन्म : 1 जनवरी 1921, निर्वाण : 2 फरवरी 1995

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

माघ प्रारंभ ता. 11 से	विक्रम संवत् 2076 शक संवत् 1941	**जनवरी - 2020**	कुरमी अर्थात वह व्यक्ति या जाति; जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है।	शिशिर ऋतु

जन्मदिवस	गृह प्रवेश	पंचक	मूल
1 जनवरी	29 जनवरी 12.14 दोप. से	30 दिसम्बर 2019, सोमवार - 9.36 सुबह से	3 जनवरी, शुक्रवार 07.20 सुबह से 5 जनवरी, रविवार 12.28 दोपहर तक
कूर्मि एल.पी.पटेल राष्ट्रीय अध्यक्ष-अ.भा. कूर्मि क्ष.महा.	30 जनवरी 6.42 बजे सुबह तक	4 जनवरी 2020, शनिवार - 10.06 सुबह तक	12 जनवरी, रविवार 11.50 सुबह से 14 जनवरी, मंगलवार 07.55 सुबह तक
कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	30 जनवरी 6.42 सुबह से 1.19 बजे दोप	26 जनवरी 2020, शनिवार - 5.40 शाम से	20 जनवरी, सोमवार 11.30 रात्रि से 23 जनवरी, गुरुवार 12.20 रात्रि तक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि क्ष. चेतना मंच	**विवाह मुहूर्त** -15,16,17,18,20,29,30,31	31 जनवरी 2020, शुक्रवार - 6.10 शाम तक	30 जनवरी, गुरुवार 3.13 दोपहर से 1 फरवरी, शनिवार 8.54 रात्रि तक

ऐच्छिक अवकाश

- 1 नववर्ष दिवस
- 4 लुई ब्रेल का जन्म दिवस
- 7 रजिम भक्तिन माता जयंती
- 10 विश्व हिन्दी दिवस
- छेरछेरा/माता शाकंभरी जयंती
- 15 मकर संक्रांति/पोंगल
- 23 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती
- 30 बसंत पंचमी/परमेश्वरी जयंती

वार					
सोम MONDAY		पौष शुक्ल 11 **6** पुत्रदा एकादशी भरणी	माघ कृष्ण 3 **13** सकट अश्लेषा	माघ कृष्ण 11 **20** षटतिला एकादशी अनुराधा	माघ शुक्ल 3 **27** अं. रा. प्रलय स्मृति दिवस धनिष्ठा
मंगल TUESDAY		पौष शुक्ल 12 **7** राजिम भक्तिन माता जयंती कृतिका	माघ कृष्ण 4 **14** मघा	माघ कृष्ण 12 **21** ज्येष्ठा	माघ शुक्ल 3 **28** डाटा संरक्षण दिवस लाला लाजपतराय जयंती शतभिषा
बुध WEDNESDAY	पौष शुक्ल 6 **1** नववर्ष दिवस चन्दूलाल चन्द्राकर जयंती पू.भा	पौष शुक्ल 13 **8** प्रदोष व्रत रोहिणी	माघ कृष्ण 5 **15** मकर संक्रांति/पोंगल/खिचड़ी थल सेना दिवस उ. फा.	माघ कृष्ण 13 **22** प्रदोष व्रत मूल	माघ शुक्ल 4 **29** पू.भा.
गुरु THURSDAY	पौष शुक्ल 7 **2** उ.भा	पौष शुक्ल 14 **9** प्रवासी भारतीय दिवस मृगशिरा	माघ कृष्ण 6 **16** हस्त	माघ कृष्ण 14 **23** नेता जी सुभाषचन्द्र बोस जयंती पू.आ.	माघ शुक्ल 5 **30** महात्मा गांधी शहीद दिवस विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस बसंत पंचमी उ.भा.
शुक्र FRIDAY	पौष शुक्ल 8 **3** सावित्री बाई फुले जयंती उ.भा	पौष शुक्ल 15 शा. पूर्णिमा **10** विश्व हिन्दी दिवस विश्व हास्य दिवस छेरछेरा आर्द्रा	माघ कृष्ण 7/8 **17** चित्रा	माघ कृष्ण 15 **24** राष्ट्रीय बालिका दिवस मौनी अमावस उ.आ.	माघ शुक्ल 6 **31** रेवती
शनि SATURDAY	पौष शुक्ल 9 **4** लुई ब्रेल जयंती रेवती	माघ कृष्ण 1 **11** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश चन्द्र ग्रहण पुनर्वसु	माघ कृष्ण 9 **18** कार्यालयीन अवकाश राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस स्वाति	माघ शुक्ल 1 **25** राष्ट्रीय मतदाता दिवस बैंक अवकाश माघ नवरात्री श्रवण	यादादाश्त
रवि SUNDAY	पौष शुक्ल 10 **5** गुरु गोविन्द सिंह जयंती अश्विनी	माघ कृष्ण 2 **12** स्वामी विवेकानन्द जयंती पुष्य	माघ कृष्ण 10 **19** विशाखा	माघ शुक्ल 2 **26** गणतंत्र दिवस धनिष्ठा	

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं सादर अभिनंदन...

कूर्मि भूपेश बघेल

मुख्य मंत्री-छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज

(अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा से सम्बद्ध) स्थापना वर्ष 1894

कूर्मि विजय बघेल — प्रदेशाध्यक्ष
कूर्मि श्याम बैस — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि कमल वर्मा — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि ललित बघेल — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि के. एल. वर्मा — कोरग्रुप सदस्य
कूर्मि मोरध्वज चन्द्राकर — कोरग्रुप सदस्य

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन् ...

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल

प्रदेश महासचिव

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

PhD., M.Sc.(IT), M.B.A.(HR), MPH, PGDDHM

PG Diploma in Epidemiology, DAFE

Winner : I National Youth Award 2007-08
I Indira Gandhi NSS Award 2000-01
(Ministry of Youth & Sports Affairs, Govt. of India)

Cell +91-94255-22629
+91-83198-68746

E-mail: jkumar001@gmail.com

बाबू लाल कौशिक — गनेशिया बाई कौशिक

मातृ-पितृ चरण कमलेभ्यो नमः ।।

शुभकामनाएँ ...

कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक -श्रीमती रूखमणि कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)

कूर्मि श्रीमती शैल कौशिक पति स्व. दीपक प्रकाश कौशिक

कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक -श्रीमती पार्वती कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)

कूर्मि रामानन्द कौशिक- श्रीमती महेश्वरी कौशिक
(सहायक मत्स्य अधिकारी) (प्रदेश संयुक्त सचिव-चेतना मंच)

कूर्मि योगेन्द्र कौशिक- श्रीमती आशा कौशिक
(कर सलाहकार, जगदलपुर)

कौशिक परिवार बावली वाले, वि. ख. पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिनंदन...

कूर्मि डॉ. देवेन्द्र कौशिक
(एम.डी. आयुर्वेद)

कूर्मि डॉ. पुष्पेन्द्र कौशिक
(एम.बी.बी.एस.)

कूर्मि धरमलाल कौशिक

नेता प्रतिपक्ष - छ.ग. विधानसभा

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष-छ.ग. विधानसभा

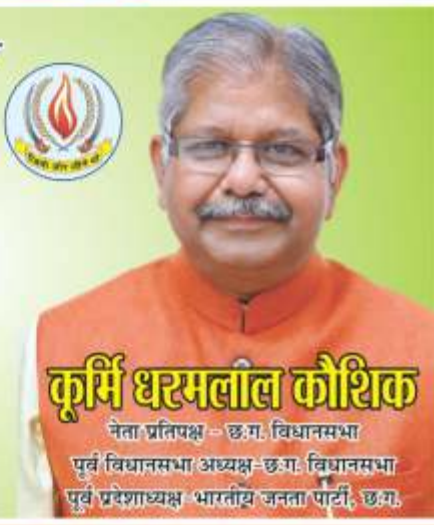

पूर्व प्रदेशाध्यक्ष- भारतीय जनता पार्टी, छ.ग.

आशीर्वाद

लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया

मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जनवरी -2020

कूर्मि समाज का गौरवमयी इतिहास

कूर्मि जाति की उत्पत्ति एवं ऐतिहाससिक पृष्ठभूमि निरंतर... (पूर्व अंक 5 से आगे)

प्राचीन इतिहास :-

जाति की व्याख्या :-

मूल रूप से मनुष्यों में केवल एक ही जाति है और वह जाति है 'मनुष्य' जाति, अन्य 'जाति' नहीं है। जाति का अर्थ है उद्भव के आधार पर किया गया वर्गीकरण। न्याय सूत्र यही कहता है 'समान प्रसवात्मिका जाति:' अथवा जिनके जन्म का मूल स्त्रोत सामान हो (उत्पत्ति का प्रकार एक जैसा हो) वह एक जाति बनाते हैं। ऋषियों द्वारा प्राथमिक तौर पर जन्म-जातियों को चार स्थूल विभागों में बांटा गया था । **1. उद्भिज:**-धरती में से उगने वाले जैसे पेड़, पौधे, लता आदि। **2. अंडज:**-अंडे से निकलने वाले जैसे पक्षी, सर्प आदि। **3. पिंडज:**-स्तनधारी-मनुष्य और पशु आदि। **4. उष्मज:**-तापमान तथा परिवेशीय स्थितियों की अनुकूलता के योग से उत्तपन्न होने वाले जैसे सूक्ष्म जीवाणु, कीटाणु व बैक्टेरिया आदि। इस प्रकार हर जाति विशेष के प्राणियों में शारीरिक अंगों की समानता पाई जाती है। एक जन्म-जाति दूसरी जाति में कभी भी परिवर्तित नहीं हो सकती है और न ही भिन्न जातियां आपस में संतान उत्तपन्न कर सकती हैं। अत: प्राकृतिक रूप से जाति प्रकृति निर्मित है (वर्तमान जाति का विकृत रूप अर्थात् वर्ण व्यवस्था मानव निर्मित है)। जैसे विविध प्राणी हाथी, सिंह, खरगोश इत्यादि भिन्न-भिन्न जातियां हैं। इसी प्रकार संपूर्ण मानव समाज एक जाति है। ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र किसी भी तरह भिन्न जातियां नहीं हो सकती हैं क्योंकि न तो उनमें परस्पर शारीरिक बनावट (इन्द्रियादी) का भेद है और न ही उनके जन्म स्त्रोत में भिन्नता पाई जाती है। कालान्तर में जाति शब्द का प्रयोग किसी भी प्रकार के वर्गीकरण के लिए प्रयुक्त होने लगा और इसीलिए हम सामान्यतया विभिन्न समुदायों को ही अलग जाति कहने लगे; जबकि यह मात्र व्यवहार में सहूलियत के लिए प्रयोग किया जाता था। सनातन सत्य यह है कि सभी मनुष्य एक ही जाति के हैं।

समाजिक विघटन व गोत्र प्रणाली / परंपरा का इतिहास:-

धरती के मूल मनुष्य तो आज भी वानर, चिंपाजी और वनमानुष की श्रेणी में ही आते हैं। माना जाता है कि उनमें से भी कई जातियां तो लुप्त हो गई है; जो अर्धमान जैसी थी। एक विशेष रंग और रूप के मनुष्यों ने अपनी रंग और सौंदर्यता को बरकरार रखने के लिए दूसरे मनुष्यों से रोटी-बेटी के कभी संबंध नहीं बनाए। यह संबंध नहीं बनाना ही समाज में फर्क पैदा करते गया। इस तरह समाज दो भागों में विभक्त हो गया। फिर जिन मनुष्यों ने अपने समूह से निकलकर दूसरे समूह से संबंध बनाए, उनको समाज और क्षेत्र से बहिष्कृत कर दिया गया। इस तरह समाज में तीन भाग हो गए। इससे समाज में फर्क बढ़ता रहा तो संघर्ष भी बढ़ता गया। एक तरफ वे लोग थे, जो खुद को श्रेष्ठ मानते थे और दूसरी तरफ वे लोग थे, जो खुद को अश्रेष्ठ मानने वालों के खिलाफ लड़ते थे और तीसरी ओर वे लोग थे; जिन्होंने श्रेष्ठ और अश्रेष्ठ की दीवार को तोड़कर एक नए समाज की रचना की और इस तरह क्षेत्र विशेष में तीन तरह की सत्ता अस्तित्व में आई। मजेदार बात यह कि जिन्होंने दीवार को तोड़कर एक नए समाज की रचना की थी उन्होंने भी अपने नियम बनाए कि वे समाज से बाहर जाकर कोई तथाकथित किसी श्रेष्ठ या अश्रेष्ठ से संबंध न बनाएं। बस, इसी तरह 3 से 30 और फिर 1530 होते गए (भारत वर्ष में कूर्मियों के 1530 उपजातियाँ हैं)। ऐसे समय में शुद्धता के प्रति समाजों में और कट्टरता बढ़ने लगी। लेकिन इन सबके बीच एक नियम काम का और वह था 'गोत्रज' प्रणाली ।

गोत्र रखने का पहला कारण :- गोत्र पहले सामाजिक एकता का आधार था, लेकिन अब धीरे-धीरे विलुप्त हो रहा है। गोत्र क्यों जरूरी है? यह इसलिए कि एक ही कुल से कोई ब्राम्हणी कार्य करता था तो कोई क्षत्रिय, तो कोई वैश्य और कोई शूद्र कर्म करता था। ऐसे में गोत्र से ही उसकी पहचान होती थी। अब आप स्वयं चिन्तन कीजिए कि क्या कौरव और पांडव क्षत्रिय थे? क्या वाल्मीकि ब्राम्हण थे? वर्तमान युग के हिसाब से कृष्ण कौन थे? यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि हमारे ऋषि-मुनि वर्तमान में प्रचलित किसी भी वर्ण या जाति के नहीं थे। पुराण तब लिखे गए जबकि जाति और वर्ण का बोलबाला था। पहले तो ऐसा था कि क्षत्रिय और ब्राम्हण आपस में विवाह करते थे, लेकिन गोत्र देखकरऔर यदि क्षत्रिय का गोत्र भी भारद्वाज और ब्राम्हण का गोत्र भी भारद्वाज होता था तो यह विवाह नहीं होता था, क्योंकि ये दोनों ही भारद्वाज ऋषि की संतानें थी। पहले ये चार वर्ण रंग पर आधारित थे फिर कर्म पर और बौद्धकाल में ये जाति पर आधारित हो गए। जब से ये जाति पर आधारित हुए हैं समाज का पतन होना शुरू हो गया।

गोत्र रखने का दूसरा कारण :- गोत्र को शुरुआत से ही बहुत महत्व दिया जाता रहा है। बहुत से समाज ऐसे हैं, जो गोत्र देखकर ही विवाह करते हैं। आपने विज्ञान गुणसूत्र (Chromosome) के बारे में पढ़ा ही होगा। गुणसूत्र का अर्थ है; वह सूत्र जैसी संरचना, जो संतति में माता-पिता के गुण पहुंचाने का कार्य करती है। गुणसूत्र की संरचना में दो पदार्थ विशेषत: सम्मिलित रहते हैं-(1) डी-आक्सीराईबोन्यूक्लिइक अम्ल (De-oxryibonucleic acid) या डीएनए (DNA), तथा (2) हिस्टोन (Histone) नामक एक प्रकार का प्रोटीन; जिसकी व्याख्या बहुत विस्तृत है। सामान्यत: प्रत्येक जोड़े में एक गुणसूत्र माता से तथा एक गुणसूत्र पिता से आता है। इस तरह प्रत्येक कोशिका में कुल 46 गुणसूत्र होते हैं; जिसमें 23 माता व 23 पिता से आते हैं। अत: कुल जोड़े 23 है। इन 23 में से एक जोड़ा लिंग गुणसूत्र कहलाता है; जो होने वाली संतान का लिंग निर्धारण करता है अर्थात 'पुत्र' होगा या 'पुत्री'। यदि इस एक जोड़े में गुणसूत्र XX हो तो संतान 'पुत्री' होगी और यदि XY हो तो संतान 'पुत्र' होगा। यदि दोनों में X समान है, जो माता द्वारा मिलता है और शेष रहा वो पिता से मिलता है। अब यदि पिता से प्राप्त गुणसूत्र X तो XX मिलकर 'स्त्रीलिंग' निर्धारित करेंगे और यदि पिता से प्राप्त Yहो तो 'पुल्लिंग' निर्धारित करेंगे। इस प्रकार X पुत्री के लिए व Yपुत्र के लिए होता है। अत: पुत्र-पुत्री का उत्पन्न होना माता पर नहीं, पूर्णतया पिता से प्राप्त होने वाले X अथवा Y गुणसूत्र पर निर्भर होता है अर्थात महत्वपूर्ण Y गुणसूत्र हुआ, क्योंकि Y गुणसूत्र के विषय में हम निश्चिंत हैं कि यह पुत्र में केवल पिता से ही आया है। बस इसी गुणसूत्र का पता लगाना ही 'गौत्र प्रणाली' का एकमात्र उदेश्य था । हमारे ऋषियों ने इस वैज्ञानिक पद्धति को पूर्व में ही जान लिये थे। वैज्ञानिक कहते हैं कि गुणसूत्रों के बदलाव से कई तरह की बीमारियों का विकास होता है। इसलिए विवाह के दौरान जहां गोत्र देखा जाता है; वहीं ज्योतिष पद्धति अनुसार गुणों का मिलान भी होता है। आज भी समगोत्री विवाह वर्जित माना गया है। इसके अलावा पुराणों में स्त्रियों की कोई जाति या वर्ण नहीं होने की व्याख्या मिलते है।

कूर्मि शब्द का अर्थ एवं व्याख्या : -

1. कूर्मि शब्द संस्कृत के कूर्म धातु से बना है; जिसका अर्थ कू+रमी। कू अर्थात् भूमि, पृथ्वी तथा रमी अर्थात् रमन करने वाला अथवा भूमिपति/राजा। कूर्मि वह जाति का द्योतक है, जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है। कूर्मि समुदाय द्वारा लिखे जाने वाले शब्द के संबंध में निम्नानुसार तथ्य परख बाते है:-

2. कूर्मि- कु अर्थात पृथ्वी और उर्मि अर्थात गोद। इस प्रकार कूर्मि शब्द से तात्पर्य है पृथ्वी की गोद में पलने वाला या पृथ्वीपुत्र। कहा भी गया है- भूमि मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। कूरम-कू अर्थात पृथ्वी और रम अर्थात पति या बल्लभ। अत: कूरम शब्द का अर्थ है भूपति या पृथ्वीपति जो कि क्षत्रिय शब्द का पर्यायवाची है। तात्पर्य है- क्षेत्रात् रमेत स: क्षत्रिय:।

3. व्याकरण की दृष्टि से कूर्मि शब्द में इनि (इन्) प्रत्यय लगाने से ''कूर्मिन'' शब्द बनता है। कूर्मिन से प्रथमा विभक्ति के एक वचन में पुल्लिंग कूर्मि शब्द बनता है, जो कि अत्यंत प्राचिन तत्सम रूप है। कालान्तर में कूर्मि का अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडमी, कालबी होता गया। बोलचाल व प्रचलन में आने के कारण शासकीय दस्तावेज में भी कुरमी, कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडमी, कालबी आदि शब्द प्रयोग होने लगा।

अत: कूर्मि शब्द व्याकरण सम्यक तत्सम रूप है और उसका अपभ्रंश अर्थात् तद्भव रूप या बोलचाल में कुर्मी, कुरमी, कुण्बी, कुनबी, कुडमी, कालबी शब्द है। कूर्मि का शाब्दिक अर्थ है- कर्मशील, पराक्रमी। तुवि कूर्मि कार अर्थात अत्यन्त कार्यकुशल, महान पराक्रमी, महान कर्मयोगी। इस प्रकार महान कूर्मि कर्मयोगी है और वह स्तुति, सत्कार तथा आह्वान के योग्य है।

जाति विभाजन पश्चात कूर्मि जाति/समाज से संबंधित प्रमुख अवधारणाएँ :-

कुरमी जाति अति प्राचीन जाति है। दरअसल यह सभी भारतीय जातियों की जननी है, जैसे संस्कृत को सभी भारतीय भाषाओं की जननी कहा गया है। कुरमी समुदाय आदिकाल से चला आ रहा वह कृषक समाज है, जो भिन्न-भिन्न दौर से गुजरता हुआ, काल-चक्र के अनगिनत उतार-चढ़ाव देखता हुआ तथा परिस्थितियों से अनवरत जूझता रहा। इन आदि कृषकों ने क्षत्रित्व/राजसी जीवन प्रणाली तजकर अपने कुटुम्ब परिवारों के साथ ग्राम बसाकर एक स्थान पर जम कर रहना प्रारम्भ किये। इन परिवारों को कुटुम्ब कहा जाता था और परिवार के सदस्यों की जाति-बोधक संज्ञा कुटुम्बिन बन गयी। कालान्तर में कुनबी समुदाय देश में अन्यान्य क्षेत्रों में जहाँ अन्य लोग बसे, पहुंचे व कृषि कार्य को अपनाये रखा और स्थानान्तरण के कारण भाषा भेद से प्रभावित होकर उनका जाति-बोधक नाम कूर्मि, कुर्मी, कुरमी, कुनवी, कण्वी, कणयी, कुरमी, कुलमी, कुलवी, कुम्मा, कावु, कूर्मा, कोमरी, आदि होता चला गया। वर्तमान कुरमी और कुनवी शब्द प्राचीन कुटम्बिन शब्द के अपभ्रंश है। हिन्दी भाषी क्षेत्र के प्रमुख कुर्मी कुल:-चन्देल, चन्द्रनाहु, धमैला, अवधिया, पाटनवार, कोचैसा, मनवा, दिल्लीवार, बैसवार, गंगवार, तेलंग, घोड़चढ़े, दोजवार, क्षत्रिय, सवान, सोनवान, सैंभवार, कनुक, कटियार, रमैया, गौहाई, समसवार, जयसवार, बड़गैहा, सिंगरौल, गभेल, गहवई, तिरहुती, चन्द्रौल, कनौजिया, राजवाड़े, सराठे, श्रेष्ठी, मतालिया, देशहा, कुड़मी, मधुरवार, बड़वार, शंखवार, टिंडवार, सतवाड़ा, गौर, उसरेटे, सिंगौर, सनोढ़िया, निरंजन, कैवर्त, अथरिया, खरेविन्द, गुजराती, यदुवंशी, पटेल, ठाकुर, राठौर, परिहार, गहरवार, शिरंगा, चन्द्रा इत्यादि है।

कूर्मि क्षत्रिय वे लोग थे जो आम समय में किसान के रूप कृषि कार्य करते थे तथा वे प्रजापालक ही थे क्योंकि वे अन्न उपजाते थे; जिससे सभी का भरण-पोषण होता था। कृषि कार्य के कारण इनकी शारीरिक मेहनत अधिक होती थी और शरीर बलशाली होता था तथा किसी आक्रमण के समय ये सेना में भूमिका निभा कर अपने राज्य की रक्षा करते थे। इनका ही सरदार राजा हुआ करते थे। ये किसी भी जगह कुनबा बना कर एक साथ रहते थे इसलिए कुनबी कहलाते थे; जो कालान्तर में अपभ्रंषित होकर कुर्मी/ कूर्मि कहलाए । वर्ण व्यवस्था के समय जो छत्र (हथियार) उठाकर लड़ाई किए वो स्वाभविक रूप से छत्रिय (लड़ाका, राजा के सेना का हिस्सा) कहलाता था। हमारे पूर्वज वर्ण काल में सेना के हिस्सा थे अर्थात राजाओं के सेना में योग्यतानुसार विभिन्न पदों पर सेना के कमान सम्हालते थे बाद में शांति काल में उनका कार्यकुशलता मेहनत, ईमानदारी, जांबाजी, जुझारूपन से प्रभावित होकर उनको महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपा गया; वो है अन्न उत्पादन का। इस प्रकार विश्राम के समय में राजा के सरहद के अंदर तमाम कृषि भूमि पर कृषि कार्य का संचालन हमारे पूर्वजों के द्वारा होते थे और जो अन्न पैदा करके, राजकोष में जमा करते थे।

अत: भिन्न भाषा क्षेत्रो में किसान जातियों के पुंज में अलग-अलग जातिया हैं। एक जाति पुंज के अंतर्गत आने वाली इन जातियों की भिन्न-भिन्न उत्पत्ति हैं तथा इनमे अधिकांश के किसी क्षेत्र में आबाद होने के काल भी भिन्न-भिन्न हैं। कुनबी अथवा कुर्मी जाति पुंज के अंतर्गत आने वाली अधिकांश जातिया भारतीय अनुसूचित जनजातिया की तरह प्रोटो-ओस्ट्रोलोइड नस्ल की हैं। प्रोटो-ओस्ट्रोलोइड मूल के लोग मध्य कद काठी के श्याम वर्ण के लोग हैं। अधिकांश भारतीय अनुसूचित जनजातिया भी प्रोटो-ओस्ट्रोलोइड नस्ल की हैं, जैसे- भील, शबर, संथाल आदि।

मध्ययुगीन इतिहास

कृषि के आविष्कार के साथ ही कुटुम्ब या परिवार नामक संस्था का आविर्भाव और विकास हुआ; जो आज भी सामाजिक जीवन की महत्वपूर्ण इकाई के रूप में स्थापित है। कुटुम्ब के सदस्य को कुटुम्बिक कहा जाता था। धीरे-धीरे बोलचाल की भाषा में जिस प्रकार ब्राम्हण से बाभन, बम्भन, बाभन आदि शब्द बनते गये, लक्ष्मण से लखन, स्वर्णकार से सोनार, कुम्भकार से कुम्हार शब्द बने। वैसे ही लोक प्रचलन में कुटुम्बी का टु गायब हो गया और कुम्बी, कुरमी, कुणबी, कणवी आदि शब्द प्रचलन में आने लगे। कुटुम्ब को कुल भी कहा जाता था। कुल से कुलम्बी, कुलवदी, कुलमी, कुरमी, कूर्मा, कापू, कम्मा, कूर्मि क्षत्रिय आदि शब्द भारत के विभिन्न क्षेत्रों/ भागों में उच्चारण और प्रयोग भेद से प्रचलित होते गये।

कूर्मि या कुणबी; जिसे हिंदी में 'कूर्मि' व बोल-चाल में कुर्मी कहते है। गुजराती मे कणबी कहते है व झारखंड मे कुडमी कहते है तथा कन्नड/तमिल मे कुडुंबी, कुडुंबर कहते है। कुण का मतलब खेती और बी का मतलब बीज। खेती में बीज बोकर अनाज पैदा करनेवाला समाज कुणबी और धन के अथाह संग्रहाक बनने के कारण धनगर पहचान मिली। गर का मतलब गोदाम नियंत्रक (Store Incharge) छत्रपती शाहूजी महाराज के खुद की दो लडकियों की शादी धनगर समाज में की गई। कूर्मि समुदाय का मुख्यत: व्यवसाय कृषि है; जो अनाज पैदावार कर समाज का भरण-पोषण कर पूरे मानव समुदाय की रक्षा करते है। कृषि कार्य में पशु के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है । अत: कूर्मि समाज सबसे बड़े पशु पालक समाज के रूप में भी जाना जाता है। हम जानते ही है कि समाज में संख्या बढ़ने के साथ अपने- अपने परिवार का भी बटवारा और पहचान भी अलग-अलग हो जाता है। अगर परिवार में सात आठ भाई है और सबकी शादी हो गई तो घर परिवार पृथक-पृथक में बट जाता है; किन्तु वे एक ही पिता के पुत्र है। उसी प्रकार कूर्मि समुदाय के विभिन्न फिरके या उपगोत्र समय के साथ-साथ पृथक-पृथक पहचान से जाने लगे। कूर्मि समाज एक जाति न होकर जीवन जीने की एक वृहद कुनबा या जीवन शैली का व्यापक रूप है। कृषि या जीवन अथवा समाज और राष्ट्र की जरुरत पूरी करने के लिए कूर्मि समाज ने आवश्कतानुसार तथा अपनी कुशलतानुसार व्यवसाय क्षेत्र चुना। किसी को बीज से तेल निकालने की महारत थी तो तेल निकालने का काम किया वह: तेली' कहलाने लगे। किसी ने फुल बागान का काम किया तो वह माली, किसीने पशुपालन का काम किया तो वह धनगर/गडरिया। किसी ने चमड़े का काम किया तो वह चमार, किसीने कपड़ा सिलाई की कुशलता दिखाई व कार्य किया तो वह दर्जी, किसी ने कपड़ा धोने का काम पसंद किया तो वह धोबी, किसी ने इन सारे समाज को धार्मिक कार्यक्रम में सहयोग दिया तो वह पुरोहित, किसी ने धातु से अलंकार की कुशलता दिखाई व काम किया तो सुनार, किसी ने लोहे के औजार बनाने का काम किया तो लुहार/लोहार, किसी ने लकड़ी के औजार बनाने का काम किया तो सुनार/विश्वकर्मा, किसीने भोजनार्थ

(शेष अंश माह फरवरी में....)

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

फागुन प्रारंभ ता. 10 से

विक्रम संवत् 2076
शक संवत् 1941

फरवरी - 2020

खुद को अगर अभी जिंदा समझते हो तो 'गलत' का विरोध करना सीखो क्योंकि 'लहर' के साथ लाशें बहा करती हैं 'तैराक' नहीं
— स्वामीविवेकानंद

शिशिर ऋतु ता. 19 से बसंत ऋतु

जो समाज अपना इतिहास नहीं जानता; उस समाज का विकास होने में समय लगता है ।
— चेतना मंच

गृह प्रवेश	पंचक	मूल
3 फर. 00.52 रात्रि से 4 फर. 6.40 सुबह तक	23 फरवरी, रविवार – 00.29 रात्रि से	30 जनवरी, गुरुवार 3.13 दोप से 1 फरवरी, शनिवार 8.54 रात्रि तक
5 फर. 6.39 सुबह से 9.30 रात्रि तक	28 फरवरी, शुक्रवार – 01.08 रात्रि तक	8 फरवरी, शनिवार 10.05 रात्रि से 10 फरवरी, सोमवार 05.06 संध्या तक
13 फर. 9.25 सुबह से 8.46 रात्रि तक	**विवाह मुहूर्त**	17 फरवरी, सोमवार 04.54 सुबह से 19 फरवरी, बुधवार 06.07 सुबह तक
26 फर. 6.27 सुबह से 27 फर 4.11 सुबह तक	3, 9, 10, 12, 16, 18, 25, 26, 27,	26 फरवरी, बुधवार 10.08 रात्रि से 29 फरवरी, शनिवार 04.03 सुबह तक

Mahindra Rise

मदन महिन्द्रा

कूर्मि राजा नायक

पथरिया मोड़ के पास बरेला ब्रांच, एनएच-130, मोहभट्ठा चौक, सरगांव, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001 2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

शासकीय अवकाश
21 महाशिवरात्रि

ऐच्छिक अवकाश
9 माघ पूर्णिमा राजिम मेला
18 महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्म दिवस
19 छत्रपति शिवाजी जयंती

याददाश्त

सोम MONDAY		माघ शुक्ल 9 **3** कृत्तिका	फाल्गुन कृष्ण 1/2 **10** मघा विश्व दलहन दिवस	फाल्गुन कृष्ण 9 **17** ज्येष्ठा	फाल्गुन शुक्ल 1 **24** शतभिषा चन्द्र दर्शन
मंगल TUESDAY		माघ शुक्ल 10 **4** रोहिणी विश्व कैंसर दिवस	फाल्गुन कृष्ण 3 **11** पू.फा. विश्व बीमार दिवस	फाल्गुन कृष्ण 10 **18** मूल महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म दिवस	फाल्गुन शुक्ल 2 **25** पू.भा. फुलेरा दूज
बुध WEDNESDAY		माघ शुक्ल 11 **5** मृगशिरा जया एकादशी	फाल्गुन कृष्ण 4 **12** उ.फा. द्विजप्रिय संकष्टी चतुर्थी राष्ट्रीय गुलाब दिवस	फाल्गुन कृष्ण 11 **19** पू.आ. विजया एकादशी छत्रपति शिवाजी जयंती	फाल्गुन शुक्ल 3 **26** उ.भा. सीता माता प्रगटोत्सव
गुरु THURSDAY		माघ शुक्ल 12 **6** आर्द्रा	फाल्गुन कृष्ण 5 **13** कुम्भी संक्रान्ति हस्त विश्व रेडियो दिवस डॉ. सरोजनी नायडू जयंती	फाल्गुन कृष्ण 12 **20** प्रदोष व्रत पू. आ. विश्व सामाजिक न्याय दिवस विश्व खुशी दिवस	फाल्गुन शुक्ल 4 **27** रेवती विश्व स्काउट गाईड दिवस चन्द्रशेखर आजाद जयंती
शुक्र FRIDAY		माघ शुक्ल 13 **7** पुनर्वसु प्रदोष व्रत	फाल्गुन कृष्ण 6 **14** चित्रा मातृ-पितृ दिवस सेंट वेलेनटाईन डे	फाल्गुन कृष्ण 13 **21** उ. आ. महाशिवरात्रि विश्व मातृ-भाषा दिवस	फाल्गुन शुक्ल 4 **28** अश्विनी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
शनि SATURDAY	माघ शुक्ल 7 **1** अश्विनी रथ सप्तमी	माघ शुक्ल 14 **8** पुष्य बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	फाल्गुन कृष्ण 7 **15** विशाखा युवा कूर्मि मित्र मण्डल स्थापना दिवस (1987) कार्यालयीन अवकाश	फाल्गुन कृष्ण 14 **22** श्रवण छ.ग. प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच स्थापना दिवस (2008) बैंक अवकाश	फाल्गुन शुक्ल 5 **29** भरणी
रवि SUNDAY	माघ शुक्ल 8 **2** भरणी भीष्म अष्टमी	माघ शुक्ल 15 **9** अश्लेषा माघ पूर्णिमा राजिम मेला संत रविदास जयंती	फाल्गुन कृष्ण 8 **16** अनुराधा	फाल्गुन कृष्ण 15 **23** घनिष्ठा फाल्गुन अमावस्या	छत्तीसगढ़ में महाशिवरात्रि को मड़ई उत्सव का समापन

समस्त स्वजाति बंधुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ.....

जय कूर्मि जय मातृभूमि

कूर्मि विजय बघेल
सांसद - दुर्ग लोकसभा
प्रदेशाध्यक्ष-छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज
निवास : बी-7, सड़क -38, सेक्टर-5, भिलाई, मो. : 9425561150

आपके लिए बनाया गया
Cat® 424B2 बैकहो लोडर
पाईये बेहतर उत्पादन, बेहद कम ईंधन खपत में

Gmmco Limited
CK Birla Group
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
Toll Free 1800 425 2546
Mo. : 08305060674
Web : www.gmmco.in
कूर्मि चम्मन लाल चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी (GCI & BCP Sales)

समस्त स्वजातीय बन्धुओं को नववर्ष की हार्दिक बधाईयाँ एवं शुभकामनाएँ...

कूर्मि दौलत राम कश्यप
अध्यक्ष -आस्था समिति
कबीरधाम (छ.ग.)
मो. : 9893182263

कूर्मि क्षमा कश्यप
कार्यकारिणी सदस्य
(महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

समस्त स्वजातीय बंधुओं को नववर्ष की मंगल कामनाओं सहित....

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

प्रदेश पदाधिकारी / कार्यकारिणी सदस्यगण

महिला प्रकोष्ठ, युवा प्रकोष्ठ, संभागीय / जिला के पदाधिकारी

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आशीर्वाद लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

आई.जी. ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल में नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो. 9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

फरवरी-2020

समाज द्वारा अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नों का शंका-समाधान

क्रमशः अंक 4 व 5 से आगे....

शंका:-38. कूर्मि समाज के पिछड़ने के क्या-क्या कारण है?

उत्तर:- कूर्मि समाज के पिछड़ने के संभावित प्रमुख कारण निम्नानुसार है:-

1. अशिक्षा । 2. दूरदर्शित सोच का अभाव। 3. परिस्थितिजन्य अनुकूलन/समय अनुसार परिवर्तन नहीं होना। 4. अपनों का सम्मान नहीं करना। 5. अपनों का पहचान व सहयोग का अभाव। 6. एक-एक ग्यारह के गुण का अभाव । 7. झूठ/ फरेब/ भ्रम पर अंधभक्ति। 8. दूसरे की भ्रम का शिकार।

शंका:-39क्या समाज संचालन का मुख्य स्रोत दण्ड का पैसा ही है अथवा कोई विकल्प है?

उत्तर:- वर्तमान के दण्ड तरीका से बहुत कम पैसा मिलता है.....

नया व बेहतरीन कार्य:-

उदाहरण:- यदि समाज के कुछ लोग लगभग 100 व्यवसायिक/ डॉक्टर/ अधिकारियों का चिन्हांकन करके नियमित सहयोग लिया जावे तो 12 लाख 1 वर्ष में न्यूनतम राशि जमा हो सकता है।

उदाहरण:- प्रतिमाह कम से कम 1000/- के हिसाब से 100 लोगों के द्वारा 12 माह में 1000x100x12= 12लाख प्रतिवर्ष समाज के कोष में जमा हो सकता है। इसके अलावा अन्य निम्नानुसार वैकल्पिक व्यवस्था से भी समाज में वित्तीय व्यवस्था को सुदृण कर सकते है।

जैसे: • समाज विकास हेतु विभागीय संयुक्त आयोजन कार्य। • समर्थ लोगों से सीधे अनुदान। • विभाग से समन्वय कर विभागीय अनुदान। • जन प्रतिनिधियों द्वारा अनुदान। • मंगल व व्यवसायिक भवन का संचालन।

वर्तमान समय को देखते हुए समाज को उपरोक्त तरीकों का चिन्हांकन करते हुए समाज के संगठन में आर्थिक व्यवस्था को सुदृण कर सकते है।

शंका:-40. कूर्मि समाज द्वारा अधिकतर समानता हेतु 'कूर्मि ' अथवा 'पटेल' शब्द को नाम के पूर्व जोड़े जाने पर चर्चा होता है। दोनों शब्द में कौन सा शब्द उपयुक्त/ प्रासंगिक है?

उत्तर:- कूर्मि समाज द्वारा एकीककरण व एक रूपता को ध्यान में रखते हुए अधिकतर स्थानों में 'कूर्मि' अथवा 'पटेल' शब्द नाम के आगे जोड़नें का आह्वान किया जाता है। 'कूर्मि' शब्द जाति का बोधक होने से ज्यादा उपयुक्त है; जबकि 'पटेल' शब्द उपनाम का द्योतक है। पटेल उपनाम कई जातियों में प्रचलन में है।

जैसे • पटेल-ग्राम प्रमुखकी उपाधि के लिए भी पटेल शब्द का प्रयोग होता है। अत: पटेल शब्द जातिबंधन से परे प्रमुख हेतु इस्तेमाल होता है। • पटेल-मरार जाति अर्थात् सब्जी व्यवसाय जुड़े लोग भी पटेल उपनाम का प्रयोग करते है। • पटेल- मुसलमानों में भी प्रयोग किया जाता है। जैसे:- अहमद भाई पटेल। • पटेल -अनुसुचित जाति के उपनाम में भी प्रचलन है।

राष्ट्रीय स्तर के कई बैठकों एवं आयोजनों में देशभर के कूर्मि अपने नाम के साथ उपनाम के रूप में पटेल लिखें इस पर काफी विचार-विमर्श हुआ। देश के कई क्षेत्रों में जैसे कि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्से में पटेल उपनाम का अभी भी प्रयोग करते हैं। किंतु कुछ क्षेत्र में काछी, मुसलमान और अन्य जाति के ग्राम प्रमुख लोग भी पटेल का प्रयोग करते हैं, जिससे एक भ्रम की स्थिति बन सकती है। फ्लत: पटेल उपनाम लिखने में सहमति नहीं बन सकी। छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच ने नाम के पूर्व कूर्मि लिखने का विकल्प रखा और साथ ही इसे प्रचलन में भी लाया है जैसे -'कूर्मि रामभरोस कौशिक' । इससे उपनाम को विलोपित किये बिना ही समाधान मिल गया। समाज के सभी लोगों से आग्रह है कि आप भी अपने नाम के आगे 'कूर्मि' लिखना प्रारंभ कर अपने जातीय-अस्तित्व का बोध कराएँ।

उपरोक्त उदाहरण से स्पष्ट है कि 'पटेल' शब्द उपनाम है न कि जाति। इसलिए समाज एकीकरण हेतु नाम के आगे 'कूर्मि' शब्द लगाना ज्यादा प्रासंगिक व उपयुक्त है।

शंका:-41. उन्नत समाज के प्रगति और कूर्मि समाज के पिछड़ापन में अंतर है?

उत्तर:- उन्नत समाज के प्रगति और कूर्मि समाज के पिछड़ापन के संभावित प्रमुख अंतर निम्नानुसार है:-

1. उन्नत समाज शिक्षा पर जोर देकर उसका सामयिक व आधुनिक प्रयोग पर जोर देता है; जबकि पिछड़ा समाज शिक्षा के प्रति ज्यादा सजग नहीं होते हैं और न ही उसका सम्यक प्रयोग कर पाते है।
2. उन्नत समाज दूरदर्शित सोच रखते हुए वर्तमान के कार्यों में प्राथमिकता का निर्धारण करते है; जबकि इसके विपरीत पिछड़ा समाज न ही वर्तमान के प्रति और नही भविष्य के प्रति दूरगामी सोच रखते है।
3. उन्नत समाज परिस्थितिजन्य अनुकूलन/समय अनुसार परिवर्तन को ध्यान रखकर अपने सभी व्यवहार व व्यवसाय को अग्रेसित करते है जबकि इसके विपरीत पिछड़ा समाज पुराना रूढ़िवादी/ दकियानुकसी सोच में ही आनंदित होते रहता हैं।
4. उन्नत समाज परिस्थितिजन्य अनुकूलन/समय अनुसार परिवर्तन को ध्यान रखकर अपने सभी व्यवहार व व्यवसाय को अग्रेसित करते है जबकि इसके विपरीत पिछड़ा समाज पुराना रूढ़िवादी/ दकियानुकसी सोच में ही आनंदित होते रहते है।
5. उन्नत समाज हमेशा अपनों को सम्मान का विशेष ध्यान रखते है; किन्तु इसके विपरीत पिछड़ा समाज अपने लोगों को अपमानित करने का अवसर तलाश करते रहते है।
6. उन्नत समाज हमेशा अपनों का पहचान करते हुए एक दूसरे को मदद करते है; जबकि पिछड़ा समाज अपनी पहचान छुपाते हुए अपने लोगों के मदद में कतराते है और समय पर साथ भी छोड़ देते है।
7. उन्नत समाज हमेशा अपनों की मदद करते हुए अपने व्यवसाय व कार्यप्रणालीमें व्यापक सुधार लाते है; जबकि पिछड़ा समाज एक दूसरे के व्यवसाय व कार्य में हानि के लिए उतारू रहते है।
8. उन्नत समाज झूठ/ फरेब/ भ्रम से दृगभ्रमित नहीं होते साथ ही शीघ्र चाल को पहचान जाते है; जबकि पिछड़ा समाज हमेशा झूठ/ फरेब/ भ्रम से दृगभ्रमित होते हुए भ्रमजाल में फंसकर अवनति को प्राप्त करते है अर्थात् दूसरे के भ्रमजाल में जल्दी फंस जाते है।

शंका:-42 जातीय संगठन रूपी समाज से क्यों जुड़ें इसका क्या प्रयोजन है?

समाधान-समाज के आवरण को बनाना , घर का प्रबंध करना तथा कोमलता, प्रेम, सहनशीलता से जीवन की विषम यात्रा को सरल और सुखद बनाना एक मॉ का कार्य होता है। मॉ परिवार को समाज के अभिन्न अंग के रूप में पल्लवित करती है। संस्कार, व्यक्तिव का निर्माण एवं सम्बल परिवार समाज से ही पोषित होता है। जिस जाति समाज में हमने जन्म पाया, जिससे हमारा अस्तित्व है, उसकी रक्षा के लिए समाजिक संगठन से जुड़ें। हम अपने आत्म कल्याणार्थ अपने इस जाति- संगठन को सशक्त करने के लिए और फिर बृहद समाज को पुष्ट करने के लिए हमें समाज कल्याण के विभिन्न गतिशील कार्यों को विकसित करना होगा और यही हमारा सामाजिक दायित्व है। समाज की अदम्य शक्ति के विवरण, साहित्य एवं इतिहास में अनेक जगह प्रचुर मात्रा में मिलते हैं । सिद्धांत है कि समाज की शक्ति संगठन में है तथा अशक्ति का कारण बिखराव है। समाज के संगठित स्तर पर अनेक प्रयास चल रहे हैं जिसे आप अनुभव भी कर रहे होंगे। प्राचीन परंपरा तथा वर्तमान गतिशीलता दोनों में सामंजस्य बैठाना होगा । रूढ़िवादी जनित प्रतिबंध एवं आत्महीनता अथवा गतिशीलता के नाम पर स्वच्छंदता एवं अहंकार परिवार एवं समाज के मूल रूप में परिवर्तित होने के कारण बाधक है। इन बाधाओं को दूर करते हुए परिवार एवं समाज को सशक्त इकाई के रूप में खड़ा करना ही समाज निर्माण का मुख्य आधार बन सकता है। इसी में सब की भलाई भी निहित है।

शंका43- समाज से हमें क्या मिलेगा, तथा समाज को समय एवं अपनी कमाई का हिस्सा क्यों दें?

समाधान-जाति ,समाज, देश की आन- बान- शान के लिए अपना सर्वस्व लगा देने वाले छत्रपति शिवाजी, लौह पुरुष सरदार पटेल, डॉ खूबचंद बघेल आदि को सम्मान देने वाला तो समाज ही है! प्रश्न तो यह है कि हमने समाज को क्या दिया? अपने एवं अपने परिवार की सुरक्षा के लिए, बच्चों के सुखद भविष्य के लिए समाज के अपनों ने साथ देकर संरक्षित किया। हम समय देकर अपना भविष्य सुखद करें। आप समाज को दोगे तो समाज आपको कई गुना अधिक लौटाता है। समाज के जरूरत मंदों के उपकार हेतु क्रियाशील संगठनों को पहचाने और उन्हें सहयोग करें। किसी बेसहारा का भविष्य आपके लेश मात्र अंश से सुधर सकता है। वह अंतर्मन से दुआएं देगा और तब आपको आत्मिक संतुष्टि मिलेगी फिर हिचक क्यों?

■■■

(माह जनवरी का शेष.....)

मछली एवं पानी में नाव चलाने का काम किया तो वह कोली/काधी/नाविक, किसीने मिट्टी के बर्तन औजार बनाने की कुशलता दिखाई व काम किया तो वह कुम्हार/कुंभार/कसार, किसी ने जंगल में प्रकृति के साथ रहना व संवर्धन का काम किया तो वह आदिवासी, किसी ने ग्रामस्वच्छता को ही राष्ट्रसेवा मानकर कार्य कुशलता व समर्पण दिखाई वह महार / वाल्मिकी समाज बन गया। यह बात अलग है की चालाक लोगों ने इस कार्य को सामाजिक उत्पीडन/अपमानित करने का माध्यम/ जरिया बना दिया।

इस व्यावसायिक निपूणता वाले वर्ग को आर्यो ने जैसे ही सत्ता पर कब्जा किया वैसे इन्हें व्यवसाय के अनुरुप इस व्यवसायिक वर्ग को 'जात' का दर्जा पहचान देकर बड़े पैमाने पर सामाजिक विभाजन कर दिया जिससे माली, तेली का नहीं रहा, धनगर, धोबी का नहीं रहा, कोली, सुनार का नहीं रहा, कुम्हार, लुहार का नहीं रहा इत्यादि। परंतु वस्तुत: यह सारा व्यावसायिक वर्ग मुलत: कुणबी/मराठा या कूर्मि का ही पृथक-पुथक स्वरूप है जो राष्ट्र और समाज की जरुरत पूरी करने के लिए अपनी कुशलता के अनुरुप कार्यक्षेत्र चुना और बाहरी आक्रांताओ ने सतत सत्ता मे नियंत्रण के लिए इन्हें विभाजन के साथ उत्पीड़न के सागर मे डुबो दिए और अब सभी कार्य / व्यवसायिक पहचान के कारण एक दूसरे से अलग-अलग हो गए है तथा अब वे सभी आपस में ऊंच-नीच, छुआ-छूत, फिरका-परस्ती में फसे हुए है। आश्चर्य देखिए कि यह सारा कुलंबीज का कुणबा एक होने के बावजूद परिस्थितियों के चलते आज सुनार, लुहार, चमार, तेली, माली कहलाता है परंतु आपस में एक पहचान, एक जमात मानने को तैयार नहीं....? क्योंकि अनंत पीढ़ियों से जानकारी के अभाव, अज्ञानता, शिक्षा का अभाव के कारण जैसे पेड़ की विभिन्न शाखाएं अपने जड़े ही भूल गये और आंकलन के लिए नजरों की क्षमता तो केवल पेड़ की शाखाओं तक सिमित रह गई एवं जड़ों तक नजरे जा ही नहीं पाती?

इन सारी खेतीहर विभिन्न शाखाओं /जातियों/बिरादरियों को चालाकों ने हजारों जातियों के समूह में विभक्त कर दिया। इन खेतिहर बिरादियों को मुख्यधारा की प्रतिष्ठा से वंचित रखा। अब मानव समाज को तंदुरुस्त करने के लिए धर्म चादर की गुलामी से निकलना होगा। जहॉ-जहॉ इन्सान नहीं पहुंचा, वहॉ-वहॉ कोई मंदिर, मस्जिद तथा देवी-देवता, अल्लाह नहीं पहुंचा और ना उनके प्रतीक/ संकेत/ मूर्ति पहुँची। जहॉ इन्सान पहुँचा वहॉ- वहॉ इन्सान ने जैसा चाहा वैसा ईश्वर भगवान के रुप संकेत प्रतीक/ प्रतिमा/मूर्ति बना डाला और आखिर इन्सान ही अपने हाथों से बनी इन प्रतिमाओं/मूर्तिओं पर माथा रखकर पूर्ण अज्ञान पुरुष का साकार दर्शन साबित करने लग गया। मतलब ईश्वर एक नहीं, मानव ने जैसा चाहा वैसा बना दिया। जैसा चाहा, वैसा उसके भोजन और कपड़े, दर्शन, निवास तैयार हो गये और जहॉ इन्सान नहीं पहुंचा वहां इन सबका कोई घर नहीं और ना मूर्तिकार ना पंडे ना पुजारी ना दलाल ना कर्मकांड।

भारत कृषि प्रधान देश है और भारत की किसानी जमात ही असली भारत है। यही कुणबा/ कुणबावा/ कुलंबीज/ कुर्मी/ कूर्मि समाज ही भारत का असली समाज है। सिर्फ इन्हें अपना वजूद, अपनी पहचान का एहसास दिलाने की जरुरत है और इन सब काम के लिए पढ़े-लिखे वर्ग को आगे आना होगा। जब पढ़े- लिखे लोग, शेष समाज को देवालय, धर्मालय के बजाए ग्रंथालय या योगशाला की तरफ भक्तों को मोड़ेंगे वह दिन भारत का शुभ दिन या अच्छे दिन वाला शुभ संकेत माना जायेगा।

दक्षिण भारतीय कूर्मि : -

कई कम्मा कुलनाम जो 'नेनी' निरूपण के साथ पूरे होते हैं। नायाकुडु/नायडू/नायूनी उपनाम वाले कूर्मि पूर्वज के वंश से हैं। उदाहरण के लिए कुलनाम 'वीरमाचानेनी' की उत्पत्ति 'वीरामाचा नायडू' से हुई थी। अन्य कुलनामों से उन गांवों का संकेत मिलता है; जिनसे उन व्यक्यिों का मूलत: संबंध था। कम्मा समुदाय विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग उपनामों का उपयोग करते थे जैसे कि चौधरी, नायडू, राव और नायकर. तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश में सामान्यत: नायडू का प्रयोग किया जाता है। नायकर उपनाम का प्रयोग कोयम्बटूर जिले के दक्षिणी क्षेत्रों में किया जाता है। हालाकि तेलुगु भाषी कापू, वेलामा और अन्य समुदाय भी तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में क्रमश: नायडू और नायकर उपनामों का उपयोग करते हैं।

प्रमुख राज्यों के पतन के बाद कूर्मि कम्मा समुदायों ने अपने मार्शल अतीत को विरासत के रूप में आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के बड़े उपजाऊ क्षेत्रों को नियंत्रित किया। अंग्रेजों ने उनकी शोहरत को मान्यता दी और उन्हें ग्राम प्रमुख (तलारी) बना दिया; जिसे कर संग्रह करने वाले चौधरियों के रूप में भी जाना जाता था। भूमि और कृषि के साथ कम्मा समुदायों का संबंध सुविख्यात है। कम्मा समुदायों की मार्शल संबंधी दिलेरी को आधुनिक समय में जमीनों को अनुकूल बनाने के अच्छे कामों में उपयोग के लिए रखा गया था। तेलुगु भाषा में कई ऐसी कहावतें हैं जो कम्मा समुदाय की कृषि के क्षेत्र में अनुकूलता और मिट्टी से उनके भावनात्मक लगाव के बारे में बताते हैं।

उदाहरण के लिए:- కమ్మావాణి చేతులు కట్టినానిలవడు (तेलुगु కమ్మవానిచేతులుకట్టినానిలవడు) (आप भले ही कम्मा के हाथों को बाँध दें वह शांत नहीं बैठेगा)

కమ్మావారికి భూమి భయపడుతుంది (तेलुगु-కమ్మవారికిభూమిభయపడుతుంది) (धरती कम्मा से डरती है)

एडगर थर्सटन जैसे अंग्रेजी इतिहासकारों और एम.एस. रंधावा जैसे विख्यात कृषि वैज्ञानिकों ने कम्मा किसानों की भावना को सराहा है। त्रिपुरानेनी गोपीचंद द्वारा लिखित एक लघु कथा मामकरम में जमीन और मिट्टी के साथ कम्मा किसानों के भावनात्मक लगाव का गहराई से चित्रण किया गया है।

■■■

कूर्मि कपिल नाथ कश्यप
जन्म : 6 मार्च 1906, निर्वाण : 2 मार्च 1985

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

चैत प्रारंभ ता. 10 से

विक्रम संवत् 2076/2077
शक संवत् 1941/1942

मार्च - 2020

अज्ञानता ना पूजापाठ से दूर हो सकती है ना किसी चढ़ावे से दूर हो सकती है; अज्ञानता केवल जागृत अवस्था और ध्यान से दूर कर सकती है
-तथागतबुद्ध

बसंत ऋतु

जन्मदिन

स्वामी वेदानंद सरस्वती
28 मार्च 1941
प्रेरणा स्रोत-चेतना मंच

1 मार्च -कूर्मि नीतिश कुमार मुख्यमंत्री, बिहार
5 मार्च-कूर्मि लक्ष्मी प्रसाद चन्द्राकर-पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि चेतना मंच
13 मार्च-कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर-महिला अध्यक्ष-अ.भा.कूर्मि क्ष.महा.
15 मार्च- कूर्मि विजय बघेल-प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. प्र.कूर्मि-क्ष. समाज

गृह प्रवेश

9 मार्च 1.09 रात्रि से 10 मार्च 6.18 सुबह तक
11 मार्च 7.00 संध्या से 12 मार्च 6.15 सुबह तक
12 मार्च 6.15 सुबह से 11.58 तक
18 मार्च 1.01 दोप. से 19 मार्च 6.08 सुबह तक
19 मार्च 6.08 सुबह से 2.50 दोप.

पंचक

21 मार्च, शनिवार - 06.21 सुबह से
26 मार्च, गुरुवार - 7.17 सुबह तक

विवाह मुहूर्त

2, 3, 4, 8, 11, 12

मूल

7 मार्च, शनिवार 9.05 सुबह से 9 मार्च, सोमवार 4.10 सुबह तक
15 मार्च, रविवार 11.24 सुबह से 17 मार्च, मंगलवार 11.46 सुबह तक
25 मार्च, बुधवार 4.19 सुबह से 27 मार्च, शुक्रवार 11.10 सुबह तक

सोम MONDAY	चैत्र शुक्ल 6 **30** यमुना छठ रोहिणी	फाल्गुन शुक्ल 7 **2** कृत्तिका	फाल्गुन शुक्ल 15 **9** होलिका दहन बसंत पूर्णिमा पू.फा.	चैत्र कृष्ण 8 **16** राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस शीतलाष्टमी ज्येष्ठा	चैत्र कृष्ण 14 **23** विश्व मौसम विज्ञान दिवस राममनोहर लोहिया जयंती दर्श अमावस्या पू.भा.
मंगल TUESDAY	चैत्र शुक्ल 7 **31** मृगशिरा	फाल्गुन शुक्ल 8 **3** अंतर्राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस रोहिणी	चैत्र कृष्ण 1 **10** होली / फाल्गोत्सव / धुरेड़ी उ.फा.	चैत्र कृष्ण 9 **17** मूल	चैत्र कृष्ण 15 **24** विश्व क्षय दिवस चैत्र अमावस्या उ.भा.
बुध WEDNESDAY		फाल्गुन शुक्ल 9 **4** मृगशिरा	चैत्र कृष्ण 2 **11** भाई दूज हस्त	चैत्र कृष्ण 10 **18** राष्ट्रीय आयुध निर्माण दिवस पू. आ.	चैत्र शुक्ल 1 **25** चन्द्र दर्शन, नवरात्रि प्रारंभ गुड़ी पड़वा, चेटीचंड रेवती
गुरु THURSDAY		फाल्गुन शुक्ल 10 **5** आर्द्रा	चैत्र कृष्ण 3 **12** संकष्टी चतुर्थी चित्रा	चैत्र कृष्ण 11 **19** पापमोचनी एकादशी पू. आ.	चैत्र शुक्ल 2 **26** रेवती
शुक्र FRIDAY		पौष शुक्ल 11 **6** आमलकी एकादशी पुनर्वसु	चैत्र कृष्ण 4 **13** विश्व गुर्दा दिवस स्वाति	चैत्र कृष्ण 12 **20** भक्तमाता कर्मा जयंती वैष्णव पाप. एकादशी श्रवण	चैत्र शुक्ल 3 **27** विश्व रंग-मंच दिवस अश्विनी
शनि SATURDAY		फाल्गुन शुक्ल 12 **7** प्रदोष व्रत पुष्य	चैत्र कृष्ण 5/6 **14** विशाखा	चैत्र कृष्ण 12 **21** प्रदोष व्रत घनिष्ठा	चैत्र शुक्ल 4 **28** भरणी
रवि SUNDAY	फाल्गुन शुक्ल 6 **1** भरणी	फाल्गुन शुक्ल 13/14 **8** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस अश्लेषा	चैत्र कृष्ण 7 **15** शीतला सप्तमी अनुराधा	चैत्र कृष्ण 13 **22** बिहार दिवस शतभिषा	चैत्र शुक्ल 5 **29** लक्ष्मी पंचमी कृत्तिका

ऐच्छिक अवकाश

9 हजरत अली का जन्म दिवस
9 होलिका दहन
11 भाई दूज
20 वीरांगना अवंति बाई का बलिदान दिवस
25 गुड़ी पड़वा/चेटीचंड
29 गुह निषाद जयंती

शासकीय अवकाश

10 होली
20 भक्तमाता कर्मा जयंती

याददाश्त

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं.क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

मार्च-2020

कूर्मि समाज के प्रमुख संस्कार पद्धति व पुरोहित प्रशिक्षण

कूर्मि समाज हेतु पुरोहित प्रशिक्षण कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय:-

अखिल भारतीय कूर्मि महासभा बंगलौर के अधिवेशन में यह प्रस्ताव पारित किया गया है कि विभिन्न कर्मकाण्डों को सम्पन्न कराने कूर्मि समाज के लोगों को ही पुरोहित प्रशिक्षण से प्रशिक्षित किया जाए इन्हीं को मद्देनजर छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच ने ''वयं राष्ट्रे जागृयाम् पुरोहिता:'' का शंखनाद कर इस क्रांतिकारी कदम का बीड़ा उठाया है।

मानव समाज को गुण व कर्म के हिसाब से चार वर्णों में विभक्त किया है न कि जन्म से; किन्तु चालाक लोगों ने अपने जाति को ही वर्ण बनाकर अन्य समाज का शोषण करना शुरू कर दिया और धर्म को व्यवसाय बनाकर अन्य पिछड़ा वर्ग, अनु.जाति व जनजातियों को आगे बढ़ने का अवसर ही नहीं दिए तथा हम मानसिक गुलाम बने रहे फल स्वरूप, सारी मलाई उन चालाक व चतुर लोग ही खाते रहे। शास्त्रों में उल्लेखित हैं कि ''जन्मना जायते शुद्र:, संस्कारात् द्विजोच्यते'' अर्थात् जन्म से सभी शुद्र होते हैं और संस्कार याने योग्यता प्राप्त करने अथवा कर्म से उच्च वर्ण को प्राप्त किया जा सकता है याने कोई भी व्यक्ति श्रम करते हुए धनी होकर शुद्र से वैश्य वर्ण तथा क्रमश: ताकतवर बनकर क्षत्रिय वर्ण एवं ज्ञान प्राप्त कर ब्राम्हण वर्ण में प्रवेश कर सकता है।

आज पूरे समाज में समस्त पूजा पाठ हवन संस्कार, मंदिर के पुजारी का एकाधिकार केवल इन तथाकथित ब्राम्हण जाति के पास ही आरक्षित है; भले ही उसमें ज्ञान शिक्षा कुछ भी हो और हम लोग इनके गुलाम बने हुए हैं, हमारा आर्थिक शोषण कर वे ऐशोआराम की जिंदगी जी रहे हैं और हम पर राज कर रहे हैं। इन्हीं रूढ़ीवादी परंपरा एवं दकीयानूसा की सोच को दूर करने तथा समाज के लोगों को मानसिक गुलामी से मुक्ति दिलाने तथा आर्थिक शोषण से बचाने के हेतु स्वजातियों को ही पुरोहित कर्म में प्रशिक्षित करने का फैसला छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा लिया है; ताकि समाज के ही लोग अपने बीच समाज में जाकर सभी प्रकार के पूजा पाठ, हवन, संस्कार, पर्व पूजन, गृह प्रवेश आदि कार्यक्रम सम्पन्न करा कर प्राप्त धनराशि का समाज हित में ही उपयोग कर समाज को आगे बढ़ाने में भी अपनी भूमिका निभा सकें।

हमारे कूर्मि पुरोहित का परिचय:-

छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा इस अभिनव क्रांतिकारी योजना ''कूर्मि पुरोहित प्रशिक्षण'' कार्यक्रम अंतर्गत प्रथम बैच का प्रशिक्षण दिनांक 05 जून 2019 से 09 जून 2019 तक बिलासपुर में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में समाज के नवरत्न नौ प्रतिभावान बुद्धिजीवियों ने पुरोहित कर्म का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किए एवं चेतना मंच के विचार योजना को धरातल पर उतारने का बीड़ा उठाया है। यह प्रशिक्षण कूर्मि डॉ. निर्मल नायक (प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कू.-क्ष. चेतना मंच) के मार्गदर्शन में प्रशिक्षक- कूर्मि प्रहलाद कौशिक, संयोजक -डॉ. हेमन्त कौशिक, कूर्मि नंदिनी पाटनवार, कूर्मि शत्रुहन कश्यप द्वारा सम्पन्न कराया गया। प्रशिक्षित पुरोहितों का नाम व पता की जानकारी निम्नानुसार है:-

कूर्मि पुरुषोतम कश्यप
आत्मज कूर्मि तुलसीराम कश्यप
निवासी -संजय नगर, मेला पारा, चांटीडीह, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9926597266, 9340099660

कूर्मि गिरिश मयाराम कश्यप
आत्मज : कूर्मि स्व. तेखराम कश्यप
निवासी-कश्यप ऋषि कुटीर, सरदार पटेल वार्ड नं. 01, मु. पो., थाना - तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो.: 7974835279, 9302566969

कूर्मि देवदत्त कश्यप
आत्मज कूर्मि स्व. बधाराम कश्यप
निवासी ग्राम- कपसिया कला, पो. टांडा, व्हाया-गनियारी, तखतपुर जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9981167854[1]

कूर्मि लक्ष्मी नारायण कश्यप
आत्मज कूर्मि स्व. शंकर लाल कश्यप
निवासी-वार्ड नं.14, टाकर पारा, (नया बस स्टेण्ड) पाली, जिला-कोरबा (छ.ग.)
मो. : 7804990408

कूर्मि केजा राम कौशिक
आत्मज : कूर्मि रामेलाल कौशिक
निवासी - ग्राम - बिचिरदा, पो. - सैदा, तह. - तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 8120190070

कूर्मि भरतलाल कश्यप
आत्मज : कूर्मि स्व. धनीराम कश्यप
निवासी -अटल व्यावसायिक परिसर के सामने, मेन रोड, नया बस स्टेण्ड, पाली, जिला कोरबा (छ.ग.)
मो. : 9111173293

कूर्मि हरप्रसाद सिंगरौल
आत्मज : कूर्मि स्व. जे. आर. सिंगरौल
निवासी : ग्राम-मोछ, पोस्ट-मोछ, वि.ख.-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 6264675899, 8462826328

कूर्मि अनिल कश्यप
आत्मज कूर्मि स्व. जगदीश प्रसाद कश्यप
निवासी एचआईजी-23, परिजात कालोनी, राजकिशोर नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9893567335

कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप
आत्मज : कूर्मि रामाधार कश्यप
निवासी म.नं. 44, रोहिणी विहार, ग्रीन पार्क कालोनी, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9425220680

कूर्मि समाज में प्रमुख प्रचलित संस्कार:-

आज समाज में जिन संस्कारों का प्रचलन है; उनकी संख्या मुख्यत: 16 मानी गई है।

गर्भाधानं पुंसवनं सीमन्तो जातकर्म च, नामक्रिया निष्कमोऽन्न-प्राशनं वपनक्रिया ।।
कर्णवेधों व्रतादेशो वेदारम्भक्रियाविधि:, केशान्त: स्नानमुद्वाहो विवाहाग्निपरिग्रह: ।।
त्रेताग्निसंग्रहश्चैव संस्कारा: षोडशस्मृता: ।

अर्थात् (1) गर्भाधान (2) पुंसवन (3) सीमन्तोन्नयन (4) जातकर्म (5) नामकरण (6) निष्कमण (7) अन्नप्राशन (8) चूणाकर्म (9) कर्णवेध (10) उपनयन (11) विद्यारंभ (12) समावर्तन (13) विवाह (14) अग्निअधान (15) वानप्रस्थ (16) अंत्येष्टि एवं मरणोत्तर संस्कार

उपरोक्त सोलह प्रकार के अध्यात्मिक उपचार का नाम ही संस्कार है, जिन्हें ''षोडश संस्कार'' कहते हैं। माता के गर्भ में आने के दिन से लेकर मृत्यु तक की अवधि में समय-समय पर प्रत्येक भारतीय धर्मावलंबी की सोलह बार संस्कारित करके एक प्रकार का आध्यात्मिक रसायन बनाया जाता है। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए युग महर्षि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के द्वारा संस्कारों की संख्या सोलह से घटाकर दस करके दो उपयोगी संस्कार को जोड़कर उनकी संख्या बारह कर दी है जो कमोवेश हमारे समाज में भी प्रचलित है। हमारे कूर्मि समाज में निम्नांकित संस्कारों को प्रमुख रूप से परम्परागत रूप में किया जाता है। इन्हीं परंपरा को सुव्यवस्थित करने का बीड़ा छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच ने उठाया है; ताकि इन संस्कारों के माध्यम से समाज को एक नई स्वस्थ व वैज्ञानिक दिशा दे सकें, गलत परम्पराओं, कुरीतियों को त्यागें व स्वस्थ वैज्ञानिक क्रिया कलापों को समाज में स्थापित करें हमारे समाज के प्रमुख संस्कार निम्न हैं:-

(1) पुंसवन (सीमंत) संस्कार:-

इसे स्थानीय भाषा में सधौरी या गोदभराई भी कहते हैं। जैसे ही महिला को गर्भ स्थापित हो जाता है, यह संस्कार किया जाता है। बच्चे के सर्वांगीण विकास व दीर्घायुष्य जीवन के लिए इस संस्कार के माध्यम से शिक्षण दिया जाता है एवं गर्भिणी माता के साथ ही पूरे परिवार की मानसिकता को नवांगतुक शिशु के स्वागत की तैयारी हेतु तैयार किया जाता है। इसके माध्यम से बेहतर स्वस्थ, खान-पान व माता की देखभाल एवं वातावरण तैयार किया जाता है; ताकि नवजात बच्चे का सम्यक विकास हो सके। वर्तमान विज्ञान सम्मत व्याख्या अनुसार गर्भवती की उचित देखभाल, सही खानपान से एनीमिया एवं शिशु को कुपोषण से मुक्ति हेतु प्रयास ही गोदभराई संस्कार का प्रमुख भाव है।

(2) नामकरण संस्कार:- शिशु के जन्म होने के बाद पांचवे या छठवें दिन ''छट्ठी'' के रूप में यह परम्परा मनाई जाती है उसी दिन उस बच्चे का नामकरण संस्कार संपन्न किया जाता है।

(3) अन्नप्राशन संस्कार:- शिशु के छ: माह पूर्ण होने पर माँ के दूध के अलावा ऊपरी आहार देना प्रारंभ करते हैं, उसे ''मुँह जुठाई'' अथवा अन्नप्रासन कहते हैं। पूरे परिवार के सदस्यों विशेष रूप से शिशु के बुआ की उपस्थिति में काजल लगाने की परम्परा के साथ बड़े बुजुर्ग द्वारा खीर खिलाई जाती है इसे ही ''अन्नप्राशनसंस्कार'' कहते हैं। वर्तमान में छत्तीसगढ़ महिला बाल विकास विभाग द्वारा इसे आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी किया जा रहा है।

(4) मुण्डन संस्कार:- चौथे संस्कार के रूप में जब शिशु एक वर्ष का हो जाता है तब ''झालर उतराई'' के रूप 'मुण्डन संस्कार' क्रिया सम्पन्न की जाती है। इस प्रकार शिशु के सिर के बालों की सफाई की जाती है एवं कर्मकाण्डों के माध्यम से दिव्य संदेश दिया जाता है।

(5) शिखा स्थापना संस्कार:- शिशु जब थोड़ा बड़ा व योग्य हो जाता है, तो सिर के ऊपर स्थान में शिखा-चोटी रखने की क्रिया सम्पन्न कराई जाती है; जिसके माध्यम से भारतीय संस्कृति से परिचय कराते हुए धर्म ध्वजा के रूप स्थापित किया जाता है ताकि अपने मानव धर्म के प्रति श्रद्धा व निष्ठा रखते हुए समाज के प्रति कर्त्तव्यनिष्ठ बनाने का मार्ग प्रशस्त हो सके।

(6) विद्यारम्भ संस्कार:- शिशु जब छ: वर्ष का हो जाता है तो उसे शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने के लिए ''गुरूकुल'' विद्यालय भेजा जाता है, तो विद्यालय प्रवेश के प्रथम दिन ज्ञान का महत्व बताने के लिए विद्यारंभ संस्कार के माध्यम से ज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न की जाती है। ज्ञान शिक्षा प्राप्त करके कैसे हम न केवल अपना, अपने परिवार तथा समाज के लिए उपयोगी साबित होंगे? विशेषकर यह संदेश दिया जाता है। सम्यक् रूप से यह संस्कार नहीं होने के कारण ही आज युवा वर्ग में सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करने में रूचि की कमी दृष्टिगोचर होती है।

(7) यज्ञोपवीत-दीक्षा संस्कार:-

हमारे समाज में इसे ''कान फुंकाने या गुरू बनाने'' के रूप में यह संस्कार करायी जाती है। जिसने गुरू नहीं बनाया उसे ''निगुरा'' कहते हैं। वास्तव में आवश्यकता एक सद्गुरू की है; जिसके संरक्षक व मार्गदर्शन में हमारा सम्यक विकास हो तथा परम्परा के रूप में कान फुंकाने की जरूरत नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि सम्यक मार्गदर्शन देने योग्य अनुभवी व्यक्ति के संरक्षण में हमारा व हमारे समाज का सम्यक विकास होगा। अत: हम जागरूक होकर सही व्यक्ति का चयन कर उसके संरक्षण में अपना व अपने समाज का विकास करें। कहा भी गया है कि ''पानी पीओ छान के और गुरू बनाओ जान के''। इसी दिशा में कूर्मि समाज ने पुरोहित बनाने की प्रशिक्षण का सूत्रपात किया है; ताकि समाज को सही दिशा बिना किसी व्यवसायिक लाभ लिए अपने लोग ही समाज को उन्नत दिशा की ओर ले जा सके।

(8) विवाह संस्कार:- लड़के-लड़की जब विवाह के योग्य याने युवक 21 वर्ष एवं युवति 18 वर्ष की हो जाती है; तो परिवार वाले उनकी की सहमति से विवाह संस्कार के माध्यम से गृहस्थ जीवन में प्रवेश कराते हैं। यह ब्रम्हचर्य आश्रम से गृहस्थ आश्रम में प्रवेश करने की अभूतपूर्व घटना होती है; जिसके लिए दोनों को इस नई जिम्मेदारियों को संभालने विशेष रूप से दिशा-निर्देश विवाह संस्कार के माध्यम से दी जाती है।

(9) वानप्रस्थ संस्कार:- जब हमारा संतान ब्रम्हचर्य आश्रम से गृहस्थ आश्रम में प्रवेश के योग्य हो जाए तो हमें गृहस्थ आश्रम से अगले आश्रम में प्रवेश कर लेना चाहिए। उसी प्रक्रिया का नाम 'वानप्रस्थ संस्कार'' है। इसके पीछे प्रमुख उद्देश्य यही होता है कि घर-गृहस्थी की सम्पूर्ण जिम्मेदारियों को संतान को हस्तांतरित कर स्वयं को सामाजिक उत्थान के कार्यों के लिए समर्पित कर देना चाहिए। अपने जीवन के अनुभवों के दायरा को घर परिवार से बाहर निकालकर समाज में विस्तारित करें, ज्यादा से ज्यादा समय सामाजिक कार्यों में लगाने की परम्परा ही वानप्रस्थ संस्कार है। समाज में आज इसकी अत्यंत कमी है, योग्य, अनुभवी, बुद्धिजीवियों बुजुर्गों को सेवानिवृत्ति के पश्चात् ज्यादा से ज्यादा समय समाज हित में लगाना चाहिए तभी समाज का सम्यक विकास होगा।

(10) मरणोत्तर संस्कार (श्राद्ध कर्म):- जब किसी की मृत्यु हो जाती है अर्थात् इस स्थूल शरीर को जो पंचतत्वों से बना है, अंतिम आहुति के रूप से यज्ञ में समर्पित करने की प्रक्रिया ही अंतिम संस्कार है। मृत्यु के दसवें दिन दशगात्र व मरणोत्तर कार्य में पिण्डदान व श्राद्धकर्म कर मृत व्यक्ति के शांति व सद्गति के लिए यह संस्कार किया जाता है।

(11) जन्म दिवसोत्सव (नवीन संस्कार):-

अपना जन्मदिन भी किसी व्यक्ति के लिए उसके अवतरण की सुखद स्मृति का सबसे आनन्ददायक दिन हो सकता है, उसे हर्षोल्लास के रूप में मनाते हुए भला किसको प्रसन्नता नहीं होगी। बच्चों का जन्मदिन मनाने की प्रथा तो हमारे देश में प्रचलित ही है। हमें भी अपना जन्मदिन, जीवन समस्या पर विचार करने, शेष जीवन को अधिक परिष्कृत करने, मानव जीवन के उपलब्ध सौभाग्य पर संतोष अनुभव करने, स्वजन-संबंधियों, ईष्ट मित्रों के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। इस आयोजन के माध्यम से समाज के सभी लोगों से मेल मिलाप का अवसर भी होता है।

(12) विवाह दिवसोत्सव (नवीन संस्कार):- इसी प्रकार विवाह दिवस भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमारे जीवन की विशिष्ट घटना है। विवाह से ही हर व्यक्ति अपने नये परिवार एवं समाज का निर्माण करते है। वह दिन हर गृहस्थ के लिये महत्वपूर्ण होता है। अनेक सामाजिक उत्तरदायित्व गृहस्थ के कंधे पर आ जाते हैं। उन्हें गाड़ी के दो पहियों की तरह स्त्री-पुरूष दोनों मिलकर अग्रसर करते हैं। ऐसा शुभ दिन एक हर्षोल्लास के रूप में मनाया ही जाना चाहिए।

आप कैसे समाज को मददगार साबित हो सकते है:-

जैसे कि हमारे पुरोहितों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज में संस्कार, पूजन, हवन आदि का कार्य प्रारंभ कर दिया है एवं इन्हें समाज का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है, न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि इस टीम के द्वारा मध्यप्रदेश, जाकर, सिवनी निवासी श्री प्रशांत पटेल (राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी, अ.भा. कूर्मि महासभा युवा प्रकोष्ठ) का विवाह संस्कार भी सम्पन्न कराया गया। इसी प्रकार सामाजिक कार्यों में समाज के लोगों के द्वारा ही प्रशिक्षित लोगों से संस्कार कराकर एक ओर आप धार्मिक व्यवसाय को समाप्त करेंगें, वहीं सामाजिक योग्य व्यक्ति को समाज विकास हेतु तैयार करके समाज को उन्मुख दिशा की ओर ले जा सकते है।

■■■

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

वैशाख प्रारंभ ता. 8 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

अप्रैल - 2020

जो समाज अपना इतिहास नहीं जानता; उस समाज का विकास होने में समय लगता है।

बसंत ऋतु ता. 19 से ग्रीष्म ऋतु

20 अप्रैल
कूर्मि चन्द्रबाबू नायडू पूर्व मुख्यमंत्री, आन्ध्रप्रदेश
24 अप्रैल
कूर्मि प्रमोद सांवत मुख्यमंत्री, गोवा
28 अप्रैल
कूर्मि अनुप्रिया पटेल-पूर्व केन्द्रीय मंत्री

समाज के लिए समय दान महादान

पंचक
17 अप्रैल, शुक्रवार 12.18 बजे दोप. से
22 अप्रैल, बुधवार 1.18 बजे दोप. तक

गृह प्रवेश
25 अप्रैल 8.58 रात्रि से 26 अप्रैल 5.36 सुबह तक
27 अप्रैल 2.29 दोप. से 28 अप्रैल 00.30 रात्रि तक

मूल
3 अप्रैल, शुक्रवार 6.41 संध्या से 5 अप्रैल, रविवार 2.57 दोप तक
11 अप्रैल, शनिवार 8.12 रात्रि से 13 अप्रैल, सोमवार 7.03 संध्या तक
21 अप्रैल, मंगलवार 10.23 सुबह से 23 अप्रैल, गुरुवार 4.05 संध्या तक

विवाह मुहूर्त - 14, 15, 25, 26

ऐच्छिक अवकाश
7 हटकेश्वर जयंती
8 शब-ए-बारात
8 धरती पूजा (खद्दी पर्व)
13 वैशाखी
18 श्री वल्लभाचार्य जयंती
19 सेन जयंती
26 परशुराम जयंती
28 शंकराचार्य जयंती

शासकीय अवकाश
1 बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी
2 राम नवमी
6 महावीर जयंती
10 गुड फ्राइडे
14 डॉ. अम्बेडकर जयंती

सोम MONDAY		चैत्र शुक्ल 13 **6** पु.फा. — महावीर जयंती	वैशाख कृष्ण 6 **13** वैशाखी मूल — मेष संक्रांति; जलियांवाला बाग नरसंहार दिवस	वैशाख कृष्ण 13 **20** पू.भा. — प्रदोष व्रत	वैशाख शुक्ल 4 **27** मृगशिरा
मंगल TUESDAY		चैत्र शुक्ल 14 **7** उ.फा. — विश्व स्वास्थ्य दिवस; हटकेश्वर जयंती	वैशाख कृष्ण 7 **14** पू.आ. — तमिल/बंगाली नव वर्ष; डॉ. अम्बेडकर जयंती; अग्निशमन दिवस	वैशाख कृष्ण 14 **21** उ.भा. — भारतीय सिविल सेवा दिवस	वैशाख शुक्ल 5 **28** आर्द्रा — शंकराचार्य जयंती; छत्रपति शिवाजी जयंती
बुध WEDNESDAY	चैत्र शुक्ल 8 **1** आर्द्रा — बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी; उड़ीसा दिवस	चैत्र शुक्ल 15/1 **8** हस्त — शब-ए-बारात; चैत्र पूर्णिमा हनुमान जयंती; धरती पूजा (खद्दी पर्व)	वैशाख कृष्ण 8 **15** उ.आ. — हिमाचल दिवस	वैशाख कृष्ण 15 **22** रेवती — वैशाख अमावस्या; विश्व पृथ्वी दिवस	वैशाख शुक्ल 6 **29** पुनर्वसु — विश्व नृत्य दिवस
गुरु THURSDAY	चैत्र शुक्ल 9 **2** पुनर्वसु — राम नवमी; स्वामीनारायण जयन्ती	वैशाख कृष्ण 2 **9** स्वाति	वैशाख कृष्ण 9 **16** श्रवण	वैशाख कृष्ण15 **23** अश्विनी — इष्टि; विश्व पुस्तक/कॉपीराइट दिवस	वैशाख शुक्ल 7 **30** पुष्य — गंगा सप्तमी
शुक्र FRIDAY	चैत्र शुक्ल 10 **3** पुष्य	वैशाख कृष्ण 3 **10** विशाखा — गुड फ्राइडे	वैशाख कृष्ण 10 **17** धनिष्ठा	वैशाख शुक्ल 1 **24** भरणी — चन्द्र दर्शन	याददाश्त
शनि SATURDAY	चैत्र शुक्ल11 **4** अश्लेषा — कामदा एकादशी; अंतर्राष्ट्रीय खान सुरक्षा दिवस	वैशाख कृष्ण 4 **11** अनुराधा — बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; ज्योतिराव फुले जयंती	वैशाख कृष्ण 11 **18** शतभिषा — वरूथिनी एकादशी; श्री वल्लभाचार्य जयंती	वैशाख शुक्ल 2 **25** कृत्तिका — विश्व मलेरिया दिवस; पशु चिकित्सा दिवस; बैंक अवकाश	
रवि SUNDAY	चैत्र शुक्ल 12 **5** मघा — राष्ट्रीय समुद्री दिवस; प्रदोष व्रत; बाबू जगजीवन राम जन्म दिवस	वैशाख कृष्ण 5 **12** ज्येष्ठा — राष्ट्रीय विमानन दिवस	वैशाख कृष्ण 12 **19** पू. भा. — सेन जयंती	वैशाख शुक्ल 3 **26** रोहिणी — विश्व बौद्धिक संपदा दिवस; अक्षय तृतीया/परशुराम जयंती	

GAYATRI
Home Planner & Consultancy
- Plan-According to Vastu
- 2d & 3d Design
- Design - Exterior & Interior
- Building Estimate
- Structure Design
- Lay-out, Location Plan
- Submission Drawing
- Supervision
- Nagar Palika Mungeli Registered

Kurmi ER. ROMESH SINGROUL
Mo. 8817677727, 7999796869
Address - Near Bajaj Showroom, Banjari Chowk, Block Road Pathriya, Mungeli (C.G.)

प्रबंध संपादक- कूर्मि भुवन वर्मा
9827124304, 9826704304
आर.एन.आई. पंजीयन क्र. CHHHIN/2009/42664
डाक पंजीयन क्र. जी 2-112/सी.जी.सी.एल.पी./69/2013-2015
2007 से लगातार
छत्तीसगढ़ की मासिक पत्रिका
अस्मिता और स्वाभिमान
web. : www.ashmitanews.in सामाजिक चेतना का संदेश वाहक
98267-04304, e-mail: ashmitanews@gmail.com
बिलासपुर • रायपुर • दुर्ग • कोरबा • जांजगीर-चांपा • राजनांदगांव • दंतेवाड़ा • बस्तर • कबीरधाम • कांकेर • रायगढ़ • सरगुजा • धमतरी • बीजापुर • नारायणपुर • महासमुंद • कोरिया • जशपुर • बलौदाबाजार • गरियाबंद • बेमेतरा • बालोद • कोंडागांव • सुकमा • मुंगेली • सूरजपुर • बलरामपुर में प्रसारित

कूर्मि चेतना पंचांग के प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएँ

कूर्मि रामाधार कश्यप
पूर्व सांसद (राज्यसभा)
संरक्षक
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर

कूर्मि डॉ. शारदा कश्यप
से. नि. वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी
उच्च शिक्षा विभाग, छ.ग. शासन
प्रदेश उपाध्यक्ष - महिला प्रकोष्ठ
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, बिलासपुर
मो. : 9425220680

समस्त स्वजातिय बंधुओं को हार्दिक अभिवादन

बेबी आरवी गहवई

इंजी. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
संस्थापक सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि- क्षत्रिय चेतना मंच

कूर्मि श्रीमती रूखमणी गहवई
आजीवन सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच

डॉ. आशीष गहवई
डॉ. प्रीति गहवई
डॉ. अतीन गहवई

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नमन...
एक रहें - संगठित रहें

कूर्मि भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री छ.ग. शासन

कूर्मि दिलीप कौशिक
सदस्य
छ.ग. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग
एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच

कूर्मि धरमलाल कौशिक
नेता प्रतिपक्ष, छ.ग. विधानसभा

स्थायी निवास : ग्राम व पोस्ट बावली (सरगांव) तह. पथरिया, विधानसभा क्षेत्र बिल्हा (छ.ग.)
वर्तमान निवास : देवनंदन नगर फेस-1, सीपत रोड, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9098987513, 8463000033, Email : dileepkaushik9@gmail.com

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो. 9669979123

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

कूर्मि समाज से प्रमुख संवैधानिक पदों में सुशोभित होने वाले व्यक्तित्व की सूची

कूर्मि समुदाय से राष्ट्रपति :

1. महामहिम कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी (गृह राज्य-आंध्रप्रदेश) कार्यकाल-1977-1982 तक।
2. महामहिम कूर्मि प्रतिभा पाटिल (गृह राज्य-महाराष्ट्र) कार्यकाल -25 जुलाई 2007-25 जुलाई 2012 तक।

कूर्मि समुदाय से प्रधानमंत्री :

1. कूर्मि एच.डी. देवेगौड़ा (गृह राज्य-कर्नाटक) कार्यकाल-1 जून 1996-21 अप्रैल 1997।

कूर्मि समुदाय से उप प्रधानमंत्री :

1. कूर्मि सरदार वल्लभ भाई पटेल (गृह राज्य-गुजरात) कार्यकाल - 15 अगस्त 1947 से 15 दिसम्बर 1950।

कूर्मि समुदाय से राज्यपाल

1. महा. कूर्मि के.वी. रघुनाथ रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल -त्रिपुरा 1990-1993, पश्चिम बंगाल 14 अग.1993-27 अप्रैल 1998, उड़ीसा 31 जन. 1997-12 फर. 1997, उड़ीसा 31 दिस. 1997-27 अप्रैल 1998।
2. महा. कूर्मि बी. सत्यनारायण रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल- उत्तर प्रदेश 12 फर. 1990-25 मई 1993, उड़ीसा 1 जून 1993-17 जून 1995, पश्चिम बंगाल 13 जुलाई 1993-14 अगस्त 1993।
3. महा. कूर्मि बेजावाड़ा गोपाल रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-उत्तर प्रदेश 1 मई 1967-1 जुलाई 1972।
4. महा. कूर्मि डॉ. एम.चेन्ना रेड्डी (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-उत्तर प्रदेश 1974-1977, पंजाब 1982-1993, राजस्थान फर. 1992- मई 1993, तामिलनाडू 1993-2 दिस.1996 (निधन तक)।
5. महा.प्रो. सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह (गृह राज्य-बिहार)कार्यकाल -त्रिपुरा 16 जून 1995 से 22 जून 2000 तक।
6. महा. कूर्मि प्रतिभा पाटिल (गृह राज्य-महाराष्ट्र) कार्यकाल-राजस्थान 8 नव. 2004 से 21 जून 2007।
7. महा. कूर्मि सी.विद्यासागर राव, (गृह राज्य-आन्ध्रप्रदेश) कार्यकाल-महाराष्ट्र 30 अगस्त 2014 से 4 सितम्बर 2019 तक, तमिलनाडु 31 अगस्त 2016 से 6 अक्टूबर 2017 (अति.प्रभार)।
8. महा. कूर्मि एस.एम. कृष्णा (गृह राज्य-कर्नाटक) कार्यकाल-महाराष्ट्र 12 दिसम्बर 2004 से 5 मार्च 2008।
9. महा. कूर्मि आनन्दी बेन पटेल, (गृह राज्य-गुजरात) कार्यकाल-म.प्र. 23जन.2018 एवं छ.ग. 15 अग.2018 से29 जुलाई 2019 (अति प्रभार) उ.प्र.29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।
10. महा.कूर्मि रमेश बैस (गृह राज्य-छत्तीसगढ़) कार्यकाल-त्रिपुरा29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।
11. महा.कूर्मि विस्वभूषण हरिचंदन (गृह राज्य-उड़िसा) कार्यकाल-आंध्रप्रदेश 29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।

कूर्मि समुदाय से राज्यवार मुख्यमंत्रियों की सूची :

आंध्रप्रदेश राज्य -

1. कूर्मि बेजावाड़ा गोपाल रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल -28 मार्च 1955- 1 नव. 1956 राज्यपाल-उत्तर प्रदेश 1 मई 1967-1 जुलाई 1972।
2. कूर्मि नीलम संजीव रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल -1 नव.1956-11 जन. 1960, 12 मार्च 1962-20 फर.1964 , राष्ट्रपति -1977-1982
3. कूर्मि के. ब्रम्हानंद रेड्डी मुख्यमंत्री कार्यकाल -29 फर. 1964-30 सित. 1971
4. कूर्मि जालागाम वेंगल राव मुख्यमंत्री कार्यकाल - 10 दिस. 1973 -6 मार्च 1978
5. कूर्मि टी.रामाराव रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल -अक्टू..1980- फर.1982
6. कूर्मि भवनम् वेंकटरमी रेड्डी मुख्यमंत्री कार्यकाल -फर. 1982-सित.1982
7. कूर्मि डॉ. एम.चेन्ना रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल -6 मार्च 1978-11 अक्टू.1980, 3 दिस.1989-17 दिस.1990 राज्यपाल-उत्तर प्रदेश 1974-1977, पंजाब 1982-1993, राजस्थान फर. 1992- मई 1993, तमिलनाडू 1993-2 दिस.1996 (निधन तक)
8. कूर्मि कोटला विजय भास्कर रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 20 सित.1982-9 जन 1983, 9 अक्टू.1992-12 दिस.1994
9. कूर्मि नन्दमुरी तारक रामाराव -मुख्यमंत्री कार्यकाल - 9 जन.1983-16 अग.1984, 16 सित.1984-2 दिस. 1989, 12 दिस.1994-1 सित. 1995
10. कूर्मि जर्नादन रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल-1990-1992
11. कूर्मि वाय.एस.राजेश्वर रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल -14 मई 2004 -2 सित. 2009
12. कूर्मि एन.के.किरण कुमार रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 25 नव.2010-1 मार्च 2014
13. कूर्मि एन.चन्द्रबाबू नायडु, मुख्यमंत्री कार्यकाल -14 सित.1995-14 मई 2004, 8 जून 2014 से 29 मई 2019
14. कूर्मि वाय.एस. जगनमोहन रेड्डी, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 30 मई 2019 से वर्तमान तक

कर्नाटक राज्य -

1. कूर्मि क्यासाम्बाल्ली चेन्गालार्या रेड्डी, (प्रथम मुख्यमंत्री कर्नाटक) मुख्यमंत्री कार्यकाल - 25 अक्टू.1947-30 मार्च 1952 (मैसुर राज्य)।
2. कूर्मि केंगल हनुमंथैहा, मुख्यमंत्री कार्यकाल -30 मार्च 1952 से 19 अगस्त 1956।
3. कूर्मि एच.डी.देवगौड़ा, मुख्यमंत्री कार्यकाल -11 दिस.1994-31 मई 1996, प्रधानमंत्री-1 जून 1996-21 अप्रैल 1997
4. कूर्मि एस.एम. कृष्णा मुख्यमंत्री कार्यकाल - 11 अक्टूबर 1999 से 28 मई 2004 राज्यपाल - कार्यकाल-महाराष्ट्र - 12 दिसम्बर 2004 से 5 मार्च 2008।
5. कूर्मि डी.व्ही. सदानंद गौड़ा, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 5 अग.2011-11 जुलाई 2012।
6. कूर्मि एच.डी.कुमार स्वामी, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 3 फर. 2006-8 अक्टू. 2007, 23 मार्च 2018 से 23 जुलाई 2019 तक।

तेलंगाना-

1. कूर्मि के.चन्द्रशेखर राव मुख्यमंत्री कार्यकाल -2 जून 2014-6 सित.2018

बिहार-

1. कूर्मि दीप नारायण सिंह, मुख्यमंत्री कार्यकाल -1 फर. 1961-18 फर. 1961
2. कूर्मि नितीश कुमार, मुख्यमंत्री कार्यकाल 3 मार्च 2000 -10 मार्च 2000, 24 नव.2005-26 नव. 2010, 26 नव. 2010-20 मई 2014, 20 नव.2015- 26 जुलाई 2017, 27 जुलाई 2017-वर्तमान तक।

छत्तीसगढ़-

1. कूर्मि भूपेश बघेल, मुख्यमंत्री कार्यकाल - 17 दिसम्बर 2018 से वर्तमान तक।

उड़ीसा

1. कूर्मि हरेकृष्णा मेहताब, मुख्यमंत्री कार्यकाल 19 अक्टू.1956-6 अप्रैल 1957, 6 अप्रैल 1957-22 मई 1959, 22 मई 1959-25 फर. 1961

महाराष्ट्र

1. कूर्मि यशवंत चाव्हाण, मुख्यमंत्री कार्यकाल -1 नव.1956-5 अप्रैल 1957,1 मई 1960-19 नव.1962
2. कूर्मि शंकरराव चव्हाण, मुख्यमंत्री कार्यकाल -21 फर. 1975-16 मई 1977
3. कूर्मि शरद पवार मुख्यमंत्री कार्यकाल 18 जुलाई 1978-17 फर. 1980, 26 जून 1988-3 मार्च 1990, 4 मार्च 1990-25 जून 1991, 6 मार्च 1993-14 मार्च.1995
4. कूर्मि विलास राव देशमख, मुख्यमंत्री कार्यकाल18 अक्टू.. 1999-16 जन.2003, 1 नव.2004- 4 दिस.2008
5. कूर्मि अशोक चव्हाण, मुख्यमंत्री कार्यकाल -8 दिस.2008-15 अक्टू..2009
6. कूर्मि पृथ्वीराज चव्हाण, मुख्यमंत्री कार्यकाल -11नव.2010-26 सित.2014

गुजरात

1. कूर्मि चिमन भाई पटेल, मुख्यमंत्री कार्यकाल 17 जुलाई 1973-9 फर. 1974, 4 मार्च 1990-25 अक्टू 1990, 25 अक्टू 1990-17 फर. 1994
2. कूर्मि बाबू भाई जे. पटेल, मुख्यमंत्री कार्यकाल 18 जून 1975 -12 मार्च 1976, 11 अप्रैल 1977-17 फर. 1980
3. कूर्मि केशुभाई पटेल मुख्यमंत्री कार्यकाल 14 मार्च 1995-21 अक्टू.1995, 4 मार्च 1998-अक्टू. 2001
4. कूर्मि आनन्दी बेन पटेल, मुख्यमंत्री कार्यकाल 22 मई 1914- 7 अग. 2016, राज्यपाल-म.प्र.23 जन. 2018 एवं छत्तीसगढ़ 15 अग.2018 से 29 जुलाई 2019 (अति प्रभार) उ.प्र. 29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।

केरल

1. कूर्मि पट्टम ए.थानू. पिल्लई मुख्यमंत्री कार्यकाल-22 फर. 1960-26 सित. 1962।
2. कूर्मि वासुदेवन नायर, मुख्यमंत्री कार्यकाल-29 अक्टू.1978-7 अक्टू. 1979।

गोवा

1. कूर्मि प्रमोद सावंत, मुख्यमंत्री कार्यकाल-19 मार्च 2019 से वर्तमान तक।

वर्तमान अर्थात अक्टूबर 2019 की स्थिति में कार्यरत कूर्मि समाज के केन्द्रीय मंत्रियों की सूची :-

1. **कूर्मि धर्मेन्द्र प्रधान,** (गृह राज्य-उड़िसा) केन्द्रीय मंत्री-पेट्रोलिय प्राकृतिक, गैस एवं इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
2. **कूर्मि डी.वी. सदानंद गौड़ा** (गृह राज्य-कर्नाटक) केन्द्रीय मंत्री-रसायन एवं खाद्य उर्वरक, मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
3. **कूर्मि अरविंद गणपत सावंत** (पटेल) (गृह राज्य-महाराष्ट्र) केन्द्रीय मंत्री-भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
4. **कूर्मि संतोष गंगावर** (गृह राज्य-उत्तरप्रदेश) राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रम एवं रोजगार, मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
5. **कूर्मि मनसुख माडविया** (गृह राज्य-गुजरात) राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जहाजरानी एवं रसायन मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
6. **कूर्मि जी.कृष्णा रेड्डी** (गृह राज्य-तेलंगाना) राज्यमंत्री गृह मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।
7. **कूर्मि पुरुषोत्तम रूपाला** (गृह राज्य-गुजरात) राज्यमंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, कार्यकाल- 30 मई 2019 से वर्तमान तक।

वर्तमान अर्थात अक्टूबर 2019 की स्थिति में कार्यरत कूर्मि समाज के राज्यपालों की सूची :-

1. महामहिम कूर्मि आनन्दी बेन पटेल, (गृह राज्य-गुजरात) कार्यकाल-म.प्र.23 जन. 2018 एवं छत्तीसगढ़ 15 अग.2018 से 29 जुलाई 2019 (अति प्रभार)उ.प्र.29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।
2. महामहिम कूर्मि रमेश बैस (गृह राज्य-छत्तीसगढ़)कार्यकाल-त्रिपुरा 29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।
3. महामहिम कूर्मि विस्वभूषण हरिचंदन (गृह राज्य-उड़िसा) कार्यकाल-आंध्रप्रदेश 29 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।

वर्तमान अर्थात अक्टूबर 2019 की स्थिति में कार्यरत कूर्मि समाज के मुख्यमंत्रियों की सूची :-

1. **कूर्मि भूपेश बघेल,** मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़, कार्यकाल – 17 दिसम्बर 2018 से वर्तमान तक।
2. **कूर्मि नितीश कुमार,** मुख्यमंत्री बिहार, कार्यकाल–27 जुलाई 2017–वर्तमान तक।
3. **कूर्मि वाय.एस.जगनमोहन रेड्डी,** मुख्यमंत्री आंध्रप्रदेश, कार्यकाल–30 मई 2019 से वर्तमान तक
4. **कूर्मि प्रमोद सावंत,** मुख्यमंत्री गोवा, कार्यकाल–19 मार्च 2019 से वर्तमान तक।

वर्तमान अर्थात अक्टूबर 2019 की स्थिति में कार्यरत कूर्मि समाज के उपमुख्य मंत्रियों की सूची :-

1. **कूर्मि डॉ आश्वस्थ नारायण,** उपमुख्यमंत्री कर्नाटक, कार्यकाल -26 जुलाई 2019 से वर्तमान तक।
2. **कूर्मि नितिन भाई पटेल,** उप मुख्यमंत्री गुजरात, कार्यकाल-6 अगस्त 2016 से वर्तमान तक।

कूर्मि समाज की उपलब्धियाँ एक नजर में (वर्तमान तक संख्यात्मक जानकारी)

राष्ट्रपति - 2 प्रधानमंत्री - 1 उप प्रधानमंत्री - 1 राज्यपाल - 11 मुख्यमंत्री - 38

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

ज्येष्ठ प्रारंभ ता. 8 से	विक्रम संवत् 2077 शक संवत् 1942	**मई - 2020**	बाल काटना नाई का धर्म नहीं, धंधा है। चमड़े की सिलाई करना मोची का धर्म नहीं, धंधा है। इसी प्रकार पूजा-पाठ करना करवाना ब्राम्हण का धर्म नहीं है, धंधा है -महात्मा फुले	ग्रीष्म ऋतु

जन्मदिन

8 मई — कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

18 मई — कूर्मि एच.डी देवेगौड़ा, पूर्व प्रधानमंत्री

गृह प्रवेश

8 मई 8.38 सुबह से 9 मई 5.28 सुबह तक
18 मई 5.24 सुबह से 3.08 दोपहर तक
23 मई 00.17 रात्रि से 24 मई 5.22 सुबह तक

विवाह मुहूर्त

2, 4, 5, 6, 8, 10, 12, 17, 18, 19, 23, 24,

पंचक

14 मई, गुरुवार 07.22 संध्या से
19 मई, मंगलवार 07.54 संध्या तक

मूल

1 मई, शुक्रवार 1.53 रात्रि से 2 मई, शनिवार 11.40 रात्रि तक
9 मई, शनिवार 6.33 सुबह से 11 मई सोमवार 4.13 सुबह तक
18 मई, सोमवार 4.58 संध्या से 20 मई बुधवार 10.37 रात्रि तक
28 मई, गुरुवार, 7.27 सुबह से 30 मई शनिवार 6.03 सुबह तक

ऐच्छिक अवकाश
22 जमात-उल-विदा
25 छत्रसाल जयंती / महाराणा प्रताप जयंती
26 महेश जयंती

शासकीय अवकाश
7 बुद्ध पूर्णिमा
25 ईद-उल-फितर

याददाश्त

सोम MONDAY		वैशाख शुक्ल 11/12 **4** उ.फा. गौण मोहिनी एकादशी वैष्णव एकादशी	ज्येष्ठ कृष्ण 4 **11** पू.आ. विश्व खगोल दिवस विश्व प्रौद्योगिकी दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 11 **18** उ.भा. अपरा एकादशी डॉ. रामलाल कश्यप जयंति	ज्येष्ठ शुक्ल 3 **25** मृगशिरा विश्व थॉयराइड दिवस ईद-उल-फितर छत्रसाल/महाराणा प्रताप जयंती
मंगल TUESDAY		वैशाख शुक्ल 13 **5** हस्त प्रदोष व्रत विश्व एथलिटिक्स दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 5 **12** उ.आ.	ज्येष्ठ कृष्ण 12 **19** रेवती प्रदोष व्रत	ज्येष्ठ शुक्ल 4 **26** आर्द्रा महेश जयंती
बुध WEDNESDAY		वैशाख शुक्ल 14 **6** चित्रा नरसिंह जयन्ती	ज्येष्ठ कृष्ण 6 **13** श्रवण	ज्येष्ठ कृष्ण 13 **20** अश्विनी विश्व मधुमक्खी दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 5 **27** पुनर्वसु पं. जवाहर लाल नेहरू पुण्यतिथि
गुरु THURSDAY		वैशाख शुक्ल 15 **7** स्वाति बुद्ध पूर्णिमा (कूर्म जयन्ती) रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 7 **14** श्रवण वृषभ संक्रांति	ज्येष्ठ कृष्ण 14 **21** भरणी राजीव गांधी पुण्यतिथि	ज्येष्ठ शुक्ल 6 **28** पुष्य वीर सावरकर जयंती
शुक्र FRIDAY	वैशाख शुक्ल 8 **1** अश्लेषा श्रमिक दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 1 **8** विशाखा नारद जयंती विश्व रेडक्रास दिवस विश्व प्रवासी पक्षी दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 8 **15** घनिष्ठा अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	ज्येष्ठ कृष्ण 15 **22** कृत्तिका जमात-उल-विदा विश्व जैव विविधता दिवस वट सावित्री शनि जयंती	ज्येष्ठ शुक्ल 7 **29** अश्लेषा
शनि SATURDAY	वैशाख शुक्ल 9 **2** मघा सीता नवमी	वैशाख कृष्ण 2 **9** अनुराधा बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	ज्येष्ठ कृष्ण 9 **16** शतभिषा कार्यालयीन अवकाश	ज्येष्ठ शुक्ल 1 **23** रोहिणी विश्व कछुआ दिवस बैंक अवकाश	ज्येष्ठ शुक्ल 8 **30** मघा
रवि SUNDAY	वैशाख शुक्ल 10/11 **3** पू.फा. मोहिनी एकादशी प्रेस स्वतंत्रता दिवस विश्व अस्थमा व हास्य दिवस	वैशाख कृष्ण 3 **10** मूल एकदन्त संकष्टी चतुर्थी	ज्येष्ठ कृष्ण 10 **17** पू.भा. विश्व दूरसंचार दिवस विश्व सूचना समाज दिवस	ज्येष्ठ शुक्ल 2 **24** मृगशिरा चन्द्र दर्शन	ज्येष्ठ शुक्ल 9 **31** उ.फा. विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

ARIHAAN DENTAL CARE
Comprehensive Oral Health

Dr. Kurmi Shantanu Patanwar
BDS (Govt Dental College)
Savita Devi Complex, Beside SBI, VIP Estate Khamhardih, Raipur (C.G.)
Ph. 07714011454, Mob. 8085918172 e-mail : shan4u26@gmail.com

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर अभिवादन....

कूर्मि सुरेश कौशिक
संयुक्त सचिव
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9589033432

कूर्मि डॉ. वीणा कौशिक
आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी
संभागीय संयुक्त सचिव, बिलासपुर (महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर
मो. : 9981502421

अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है
- परमपूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य

पी. एल. कूर्मि
पूर्व प्रदेश सचिव, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9754365616

कूर्मि प्रेषित बैस
मो. : 98935 15555

गगन कंस्ट्रक्शन
सी वर्ग शासकीय पंजीकृत ठेकेदार एवं सप्लायर
सामग्री सहित भवन निर्माण का कार्य उचित दर पर किया जाता है
518, सुन्दर नगर, रायपुर (छ.ग.) 492 013

कूर्मि कुल भूषण तथागत बुद्ध जयंती व कूर्म दिवस के पावन अवसर पर हार्दिक बधाईयाँ ....

कूर्मि सियाराम कौशिक
पूर्व विधायक, बिल्हा विधानसभा

कूर्मि जीतेन्द्र कौशिक
युवा नेता, बिल्हा

कूर्मि श्रीमती गीतांजली कौशिक
अध्यक्ष, जनपद पंचायत, बिल्हा

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी. ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो. 9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

मई -2020

कूर्मि कुलभूषण तथागत बुद्ध द्वारा बताये गये मार्ग वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है...

कूर्मि कूल गौरव और विश्व के प्रमुख धर्मों में से एक, बौद्ध धर्म के संस्थापक व प्रवर्तक तथागत बुद्ध का जन्म ईशा पूर्व 563 को लुम्बिनी (नेपाल) में हुआ तथा ईसवी पूर्व 483 को 80 वर्ष की उम्र में वे कुशीनगर (भारत) में महानिर्वाण प्राप्त किए। तथागत बुद्ध शांख्य वंशी कूर्मि क्षत्रिय वंश से संबंधित थे। उनका जन्म शाक्य गणराज्य की तत्कालीन राजधानी कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था, जो वर्तमान में नेपाल अंतर्गत है। कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी को अपने नैहर देवदह जाते हुए रास्ते में प्रसव पीड़ा हुई और वहीं उन्होंने एक बालक को जन्म दिया। गौतम गोत्र में जन्म लेने के कारण वे **गौतम** भी कहलाए। उनके पिता **मल्ल वंशी कूर्मि क्षत्रिय** राजा शुद्धोधन थे।

सिद्धार्थ की माता का निधन उनके जन्म के सात दिन बाद ही हो गया था। उनका पालन पोषण उनकी मौसी और शुद्धोधन की दूसरी रानी महाप्रजावती (गौतमी) ने किया। शिशु का नाम सिद्धार्थ रखा गया, जिसका अर्थ है जो सिद्धी प्राप्ति के लिए जन्मा हो। राजा शुद्धोधन ने पांचवें दिन एक नामकरण समारोह आयोजित किया और आठ ब्राम्हण विद्वानों को भविष्य पढ़ने के लिए आमंत्रित किए। सभी ने एक सी दोहरी भविष्यवाणी किए कि बच्चा या तो एक महान राजा या एक महान पवित्र आदमी बनेगा। सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद्, राजकाज और युद्ध-विद्या की शिक्षा प्राप्त किया। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हाँकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता था। सोलह वर्ष की उम्र में सिद्धार्थ का कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ। उनके पुत्र का नाम राहुल था; लेकिन विवाह के बाद उनका मन वैराग्य की ओर चला गया और सम्यक सुख-शांति के लिए उन्होंने अपने परिवार का त्याग कर दिए। सिद्धार्थ का मन बचपन से ही करुणा और दया का स्रोत था। इसका परिचय उनके आरंभिक जीवन की अनेक घटनाओं से पता चलता है। घुड़दौड़ में जब घोड़े दौड़ते और उनके मुँह से झाग निकलने लगता तो सिद्धार्थ उन्हें थका जानकर वहीं रोक देता और जीती हुई बाजी हार जाता। खेल में भी सिद्धार्थ को खुद हार जाना पसंद था; क्योंकि किसी को हराना और किसी का दु:खी होना उससे नहीं देखा जाता था। **विश्व में तथागत बुद्ध ही एक ऐसे व्यक्ति है; जो वैशाख पूर्णिमा के दिन ही जन्म, बोधिसत्व व महानिर्वाण को प्राप्त किए ।**

महात्मा बुद्ध को भगवान के स्थान पर तथागत बुद्ध कहना ज्यादा प्रासंगिक क्यों है ?

'तथागत' पालि भाषा का शब्द है; जिसका मतलब यथाचारी या तथाचारी से है। जो दो शब्द से मिलकर बना है:- तथ्य +आगत = तथागत। अर्थात तथ्य -- सत्य (सचाई) और आगत -- अवगत (सचेत, आगाह करना)। इस प्रकार तथ्य के साथ सच्चाई से अवगत होने वाले 'बुद्ध' तथागत कहे जाते हैं मतलब जिस प्रकार बोलना ठीक उसी तरह ही अमल या कार्य करना। तथागत बुद्ध मनुष्यों की क्षमता से परे होकर कभी नहीं बोलते थे और तथागत जो जो बोलते थे, वे खुद के व्यवहार से प्रामाणिक करते थे तथा जो खुद से अमल योग्य हो वही वे बोलते थे। इसलिए तथागत बुद्ध को 'तथागत' नाम से संबोधित किया जाता हैं। इस प्रकार यथार्थ में 'तथागत बुद्ध' से ज्यादा प्रतिष्ठित एवं गौरवपूर्ण नाम या शब्द दुनिया में कोई और नहीं है। अत: बुद्ध नाम के साथ भगवान या 'महात्मा' या अन्य कोई शब्द लगाने की कोई आवश्यकता नहीं है।

तथागत बुद्ध के अनुसार धम्म जीवन की पवित्रता बनाए रखना और तथ्य-ज्ञान में पूर्णता प्राप्त करते हुए ही निर्वाण प्राप्त करना और तृष्णा का त्याग करना है। इसके अलावा तथागत बुद्ध ने सभी संस्कार को अनित्य बताया है। तथागत बुद्ध ने मानव के कर्म को नैतिक संस्थान का आधार बताया यानी तथागत बुद्ध के अनुसार धम्म यानी **''धर्म वही है; जो सबके लिए ज्ञान के द्वार खोल दें और उन्होने ये भी बताया कि केवल विद्वान होना ही पर्याप्त नहीं है। विद्वान वही है जो अपने ज्ञान की रोशनी से सबको रोशन करें। धर्म को लोगों की जिंदगी से जोड़ते हुए तथागत बुद्ध ने बताया कि करूणा, शील और मैत्री अनिवार्य है। इसके अलावा सामाजिक भेद-भाव मिटाने के लिए भी तथागत बुद्ध ने प्रयास करते हुए बताया था कि लोगों का मूल्यांकन जन्म के आधार पर नहीं कर्म के आधार पर होना चाहिए।''** तथागत बुद्ध के बताए मार्ग प्रकृति के नियम अर्थात् विज्ञान के तराजू में तौला जाने वाला मार्ग है; जिस मार्ग में दुनिया भर के करोड़ों लोग चलते है। उनके मार्ग में चलने वाले देश चीन व जापान विज्ञान के माध्यम से दुनिया में विकास का डंका बजा रहे है। तथागत गौतम बुद्ध ने अपने आपको संसार का रचियता अथवा जगतकर्ता या ईश्वर नहीं बताया है। **''तथागत बुद्ध ने जानो फिर मानों को प्रमुखता के साथ रखे अर्थात् कोई भी बात को मानने से पूर्व उसे जाने फिर ज्ञान की कसौटी में कसे फिर विश्लेषण करके अपने जीवन में उतारने पर बल दिए। दुर्भाग्य है कि आज उनके ही वंशज उनके बताए मार्ग से विमुख होकर रूढ़ीवादी परंपरा तथा धार्मिक आंडम्बर में फंसकर अवनति को प्राप्त हो रहे है। आवश्यकता है कि कूर्मि समुदाय के लोग तथागत बुद्ध के बताए मार्ग में चलकर शिक्षा व विज्ञान के बदौलत उन्नति व तरक्की को प्राप्त हो.....।''**

तथागत बुद्ध और उनके अनुयायी :- बौद्ध धर्म दुनिया का पहला विश्व धर्म है, जो अपने जन्मस्थान से निकलकर विश्व में दूर-दूर तक फैला। आज दुनिया में बौद्ध धर्म की आबादी हिन्दू धर्म से अधिक और इस्लाम धर्म के लगभग बराबर है। आश्चर्य है कि भारत में बौद्ध धर्म अल्पसंख्यक है, जबकि भारत में इस विश्व धर्म का उदय हुआ था। चीन गणराज्य, बौद्धों की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है; जहाँ पर चीन की कुल आबादी में 91 प्रतिशत बौद्ध अनुयायी है। ज्यादातर चीनी बौद्ध महायान सम्प्रदाय के अनुयायी है। दुनिया की 65 - 70 प्रतिशत बौद्ध आबादी चीन में रहती है। वर्तमान में तथागत बुद्ध के अनुयायी विश्व में करीब 192 करोड़ (28.78 प्रतिशत) हैं । इनमें से लगभग 70- 75 प्रतिशत महायानी बौद्ध और शेष 25 - 30 प्रतिशत थेरावादी, नवयानी (भारतीय) और वज्रयानी बौद्ध है। महायान और थेरवाद (हीनयान), नवयान, वज्रयान के अतिरिक्त बौद्ध धर्म में इनके अन्य कई उपसंप्रदाय या उपवर्ग भी हैं परन्तु इन का प्रभाव बहुत कम है।

अधिकृत बौद्ध देश:-विश्व में लाओस, कम्बोडिया, भूटान, थाईलैण्ड, म्यांमार और श्रीलंका यह छह देश अधिकृत रूप से बौद्ध देश है, क्योंकि इन देशों के संविधानों में बौद्ध धर्म को 'राजधर्म' या 'राष्ट्रधर्म' का दर्जा प्राप्त है। आज विश्व में20से अधिक देशों(गणतंत्र राज्यों)में बौद्ध धर्म बहुसंख्यक या प्रमुख धर्म के रूप में विद्यमान हैं।

90 प्रतिशत से अधिकबौद्ध जनसंख्या वाले राष्ट्र का नाम:-लाओस- 98 प्रतिशत, मंगोलिया - 98 प्रतिशत, कम्बोडिया- 97 प्रतिशत, जापान- 96 प्रतिशत, थाईलैण्ड- 95 प्रतिशत, भूटान-94 प्रतिशत, ताइवान - 93 प्रतिशत, हॉन्ग कॉन्ग-93 प्रतिशत, चीनी जनवादी गणराज्य-91 प्रतिशत, म्यांमार (बर्मा)-90 प्रतिशत, मकाउ -90 प्रतिशत, तिब्बत-90 प्रतिशत।

बुद्ध धर्म के प्रमुख बौद्ध तीर्थ : -बौद्ध धर्म के उपासना स्थलों को विहार, स्तूप, मठ और पगोडा कहा जाता है। तथागत बुद्ध के अनुयायिओं के लिए विश्व भर में पांच प्रमुख तीर्थ माने जाते हैं; जो कि निम्नलिखित है:-

1. **लुम्बिनी (माया देवी मंदिर, लुंबिनी, नेपाल):**-ईसा पूर्व 563 में राजकुमार सिद्धार्थ गौतम (बुद्ध) का जन्म यहीं हुआ था। हालांकि, यहां बुद्ध के समय के अधिकतर प्राचीन विहार नष्ट हो चुके हैं। केवल सम्राट अशोक का एक स्तंभ अवशेष के रूप में इस बात की गवाही देता है कि तथागत बुद्ध का जन्म यहां हुआ था। इस स्तंभ के अलावा एक समाधि स्तूप में बुद्ध की एक मूर्ति है। नेपाल सरकार ने भी यहां पर दो स्तूप और बनवाए हैं। यह स्थान नेपाल की तराई में नौतनवां रेलवे स्टेशन से 25 किलोमीटर और गोरखपुर-गोंडा लाइन के नौगढ़ स्टेशन से करीब 12 किलोमीटर दूर है।
2. **बोधगया (महाबोधि विहार, बोधगया, बिहार, भारत) :-** करीब छह साल तक जगह-जगह और विभिन्न गुरुओं के पास भटकने के बाद भी बुद्ध को कहीं परम ज्ञान की प्राप्ति नहीं हुई तथा इसके बाद वे गया पहुंचे। आखिर में उन्होंने प्रण लिया कि जब तक असली ज्ञान उपलब्ध नहीं होता, वह पीपल वृक्ष के नीचे से नहीं उठेंगे, चाहे उनके प्राण ही क्यों न निकल जाए । इसके बाद करीब छह दिन तक दिन -रात एक पीपल वृक्ष के नीचे भूखे-प्यासे तप किए और आखिर में उन्हें परम ज्ञान या बुद्धत्व प्राप्त हुआ। सिद्धार्थ गौतम अब बुद्धत्व पाकर आकाश जैसे अनंत ज्ञानी हो चुके थे। जिस पीपल वृक्ष के नीचे वह बैठे, उसे **बोधिवृक्ष** यानी ज्ञान का वृक्ष कहा जाता है। उसी स्थल को आज हम बोधगया (बुद्ध गया) के नाम से जानते है।
3. **सारनाथ (धामेक स्तूप के पास प्राचीन बौद्ध मठ, सारनाथ, उत्तरप्रदेश, भारत):**-सारनाथ में बौद्ध-धर्मशाला है। बौद्ध अनुयायियों के यहां हर साल आने का सबसे बड़ा कारण यह है कि तथागत बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश यहीं दिया था। सदियों पहले इसी स्थान से उन्होंने धर्म-चक्र-प्रवर्तन प्रारंभ किया था। बौद्ध अनुयायी सारनाथ के मिट्टी, पत्थर एवं कंकरों को भी पवित्र मानते हैं। सारनाथ की दर्शनीय वस्तुओं में अशोक का चतुर्मुख सिंह स्तंभ, तथागत बुद्ध का प्राचीन मंदिर, धामेक स्तूप, चौखंडी स्तूप, आदि शामिल हैं। लाखों की संख्या में बौद्ध अनुयायी और बौद्ध धर्म में रुचि रखने वाले लोग हर साल यहां पहुंचते हैं। बनारस छावनी स्टेशन से छह किलोमीटर, बनारस-सिटी स्टेशन से साढ़े तीन किलोमीटर और सडक मार्ग से सारनाथ चार किलोमीटर दूर है। यह पूर्वोत्तर रेलवे का स्टेशन है और बनारस से यहां जाने के लिए सवारी तांगा और रिक्शा आदि मिलते हैं।
4. **कुशीनगर (महापरिनिर्वाण स्तूप, कुशीनगर, उत्तरप्रदेश, भारत):**-कुशीनगर बौद्ध अनुयायियों का बहुत बड़ा पवित्र तीर्थ स्थल है। तथागत बुद्ध कुशीनगर में ही महापरिनिर्वाण को प्राप्त हुए। कुशीनगर के समीप हिरन्यवती नदी के समीप बुद्ध ने अपनी आखरी सांस ली और रंभर स्तूप के निकट उनका अंतिम संस्कार किया गया। उत्तर प्रदेश के जिला गोरखपुर से 55 किलोमीटर दूर स्थित कुशीनगर बौद्ध अनुयायियों के अलावा पर्यटन प्रेमियों के लिए भी खास आकर्षण का केंद्र है। अवगत हो कि 120 वर्षीय ब्राम्हण सुभद्र ने बुद्ध के वचनों से प्रभावित होकर संघ से जुड़ने की इच्छा जताई और सुभद्र आखरी भिक्षु थे; जिन्हें बुद्ध ने दीक्षित किया।
5. **दीक्षाभूमि (दीक्षाभूमि, नागपुर, महाराष्ट्र, भारत):**-यह महाराष्ट्र राज्य के नागपूर शहर में स्थित पवित्र एवं महत्तवपूर्ण बौद्ध तीर्थ स्थल है। बौद्ध धर्म भारत में इसवी पूर्व 6वीं शताब्दी से 12 वीं शताब्दी तक रहा, बाद में हिंदूओं और मुस्लिमों के हिंसक आतंक से शांतिवादी बौद्ध धर्म का प्रभाव कम होता गया और 12 वीं शताब्दी में जैसे बौद्ध धर्म भारत से गायब सा हो गया था। लेकिन, आधुनिक भारत के निर्माता बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी ने 20 वीं शताब्दी के मध्य में अशोक विजयादशमी (इसी दिन सम्राट अशोक भी बौद्ध धर्म को स्वीकार किए थे)के दिन 14 अक्टूबर,1956 को हिन्दू धर्म त्यागकर स्वयं बौद्ध धम्म की दीक्षा लेकर वे बौद्ध बने, फिर उन्होंने अपने 5,00,000 हिंदू दलित समर्थकों को नवयान बौद्ध धर्म की दीक्षा दी।

बौद्ध धर्म के प्रमुख संप्रदाय:-

महायान:-बौद्ध परंपराओं का सबसे बड़ा संप्रदाय महायान हैं। महायान व्यापक रूप से संपूर्ण पूर्वी एशिया में सर्वाधिक प्रचलित है। चीन, हांगकांग, जापान, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया, ताइवान, मकाउ और वियतनाम में महायान बौद्ध धर्मावलम्बी बहुसंख्यक रूप में है।

थेरवाद:-बौद्ध धर्म का दूसरा सबसे बड़ा संप्रदाय थेरवाद है और यह संप्रदाय ज्यादातर दक्षिण पूर्व एशिया में है। थेरवाद बौद्ध धर्म कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड, क्रिसमस द्वीप और सिंगापुर, श्रीलंका में बहुसंख्यक तथा मलेशिया, बरुनेई, तिमोर, इंडोनेशिया, फिलीपींस में भी बड़ी संख्या में है।

वज्रयान:-वज्रयान तीसरा और छोटा संप्रदाय है। ज्यादातर वज्रयानी बौद्ध तिब्बत, भूटान, हिमालय क्षेत्र, मंगोलिया और रूस के कुछ हिस्सों में रहते है और इस संप्रदाय को दुनिया भर में प्रसारित किया गया।

नवयान:-नवयान भारत में मुख्य बौद्ध सम्प्रदाय है। इसे नवबौद्ध भी कहां जाता है। डॉ.भीमराव आम्बेडकर ने बौद्ध-दलित आंदोलन द्वारा इसकी शुरूवात की। 20वीं सदीं में नवयान बौद्ध सम्प्रदाय का उदय हुआ था और उसका निर्माण हिंदू दलितों में बराबरी एवं समानता का अधिकार दिलाना था और यह उद्देश्य सफल भी हुआ। भारतीय राज्यों में से महाराष्ट्र में सबसे अधिक नवयानी बौद्धों की जनसंख्या सर्वाधिक (90 प्रतिशत) है।

बुद्ध के विचार व सिद्धांत:- तथागत बुद्ध ने जीवन जीने के लिए जो सिद्धांत व मार्ग बताएं है वो निम्न है:-

1. **त्रिशरण का सिद्धांत:-**
   1. बुद्धं शरणं गछामि अर्थात् बुद्धि की शरण में जाएं तात्पर्य है कि शिक्षित बनो। To Educate- जानो।
   2. धम्मं शरणं गछामि अर्थात् संघर्ष करो। To Agitate- छानो।
   3. संघं शरणं गछामि अर्थात् संघ की शंरण में जाएं तात्पर्य संगठित होवें। To Organize- मानो।
2. **पंचशील का सिद्धांत:-**
   1. अहिन्सा, 2. चोरी न करना, 3. व्यभिचार न करना, 4. झूठ नहीं बोलना अर्थात् सत्य मार्ग पर चलना और 5. नशीली वस्तु, मांस- मदिरा का सेवन न करना।
3. **आष्ठांगिक मार्ग :-**

अष्ठांग मार्ग महात्मा बुद्ध की प्रमुख शिक्षाओं में से एक है जो दुखों से मुक्ति पाने एवं आत्म-ज्ञान रूपी साधन के तौर पर साधन के रूप में बताया गया है। अष्ठांग मार्ग के सभी मार्ग 'सम्यक' शब्द से आरम्भ होते हैं (सम्यक = अच्छी या सही)। बौद्ध प्रतीकों में प्राय: अष्ठांग मार्गों को धर्मचक्र के आठ ताड़ियों (Spokes) द्वारा निरूपित किया जाता है।

- सम्यक दृष्टि : चार आर्य सत्य में विश्वास करना।
- सम्यक संकल्प : मानसिक और नैतिक विकास की प्रतिज्ञा करना।
- सम्यक वाक : हानिकारक बातें और झूठ न बोलना।
- सम्यक कर्म : हानिकारक कर्म न करना।
- सम्यक जीविका : कोई भी स्पष्टत: या अस्पष्टत: हानिकारक व्यापार न करना।
- सम्यक प्रयास : अपने आप सुधरने की कोशिश करना।
- सम्यक स्मृति : स्पष्ट ज्ञान से देखने की मानसिक योग्यता पाने की कोशिश करना।
- सम्यक समाधि : निर्वाण पाना और स्वयं का गायब होना।

किसी के बात को इसलिए मत मानों कि ऐसा सदियों से होता आया है, परंम्परा है या सुनने में आई है। इसलिए मत मानों कि किसी धर्म शास्त्र, गंथ में लिखा हुआ है या ज्यादातर लोग मानते है। किसी धर्मगुरू, आचार्य, साधु- संत, ज्योतिषों के बात को आंख मुंदकर मत मान लेना। किसी बात को सिर्फ इसलिए भी मत मान लेना कि वह तुमसे कोई बड़ा या आदरणीय व्यक्ति कह रहा है; बल्कि हर बात को पहले बुद्धि, तर्क, विवेक व चिन्तन की कसौटी पर तौलना, कसना, परखना और यदि वह बात स्वयं के लिए, समाज व संपूर्ण मानव जगत के कल्याण के हित लगे, तो ही मानना। - **अपने दीपक स्वयं बनो- तथागत बुद्ध**

कूर्मि छत्रपति शाहू जी महाराज
जन्म : 26 जून 1874, निर्वाण : 6 मई 1922

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

आषाढ़ प्रारंभ ता. 6 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

जून - 2020

लोहे को कोई नष्ट नहीं कर सकता बस उसका जंग उसे नष्ट करता है ठीक उसी तरह आदमी को भी कोई और नहीं बल्कि उसकी सोच ही नष्ट कर सकती है - तथागतबुद्ध

ग्रीष्म ऋतु, ता. 21 से वर्षा ऋतु

जन्मदिवस
1 जून कूर्मि मनसुख माडविया, केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार
26 जून कूर्मि धर्मेन्द्र प्रधान, केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

खेतों की शान है किसान और बॉर्डर की शान है जवान इसलिए खाते समय किसानों का और सोते समय जवानों का धन्यवाद जरूर कीजिए
-सरदारपटेल

गृह प्रवेश
8 जून 1.45 दोपहर से 7.56 संध्या तक
15 जून 5.21 सुबह से 16 जून 3.18 प्रातः तक

पंचक
11 जून, गुरुवार 3.42 सुबह से
16 जून, मंगलवार 3.18 सुबह तक

मूल
5 जून, शुक्रवार 4.44 संध्या से 7 जून, रविवार 2.11 दोप. तक
15 जून, सोमवार 0.22 रात्रि से 17 जून, बुधवार 6.04 सुबह तक
24 जून, बुधवार 1.10 दोप. से 26 जून, शुक्रवार 11.26 सुबह तक

विवाह मुहुर्त -8, 9, 13, 14, 15, 25, 26, 28

Mahindra Rise
मदन महिन्द्रा
कूर्मि राजा नायक

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001:2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

वार					
सोम MONDAY	1 — ज्येष्ठ शुक्ल 10, हस्त; बाल सुरक्षा दिवस, विश्व अभिभावक दिवस, गंगा दशहरा	8 — आषाढ़ कृष्ण 3, पू.आ.; विश्व ब्रेनट्यूमर दिवस, विश्व महासागरी दिवस	15 — आषाढ़ कृष्ण 10, रेवती; मिथुन संक्रांति	22 — आषाढ़ शुक्ल 1, आर्द्रा; चन्द्र दर्शन, आषाढ़ नवरात्रि	29 — आषाढ़ शुक्ल 9, हस्त; मधुमेह जागृति दिवस
मंगल TUESDAY	2 — ज्येष्ठ शुक्ल 11, चित्रा; निर्जला एकादशी, गायत्री जयन्ती	9 — आषाढ़ कृष्ण 4, उ.आ.; बिरसामुंडा शहीद दिवस	16 — आषाढ़ कृष्ण 10, अश्विनी; विश्व पितृ दिवस	23 — आषाढ़ शुक्ल 2, पुनर्वसु; श्री जगन्नाथ रथ यात्रा, विश्व ओलंपिक दिवस, विश्व विधवा दिवस	30 — आषाढ़ शुक्ल 10, चित्रा; छोटा तारा दिवस
बुध WEDNESDAY	3 — ज्येष्ठ शुक्ल 12, स्वाति; प्रदोष व्रत, विश्व साइकिल दिवस	10 — आषाढ़ कृष्ण 5, श्रवण	17 — आषाढ़ कृष्ण 11, अश्विनी; योगिनी एकादशी	24 — आषाढ़ शुक्ल 3, पुष्य; वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस	
गुरु THURSDAY	4 — ज्येष्ठ शुक्ल 13/14, विशाखा	11 — आषाढ़ कृष्ण 6, घनिष्ठा	18 — आषाढ़ कृष्ण 12, भरणी; महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस, प्रदोष व्रत	25 — आषाढ़ शुक्ल 4, अश्लेषा	
शुक्र FRIDAY	5 — ज्येष्ठ शुक्ल 15, अनुराधा; विश्व पर्यावरण दिवस, कबीर जयंती	12 — आषाढ़ कृष्ण 7, शतभिषा; विश्व बाल श्रम निषेध दिवस	19 — आषाढ़ कृष्ण 13, कृत्तिका	26 — आषाढ़ शुक्ल 5/6, मघा; अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस, छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती	
शनि SATURDAY	6 — आषाढ़ कृष्ण 1, ज्येष्ठा; चन्द्र ग्रहण उपच्छाया	13 — आषाढ़ कृष्ण 8, पू.भा.; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश	20 — आषाढ़ कृष्ण 14, रोहिणी; विश्व शरणार्थी दिवस, कार्यालयीन अवकाश, दर्श अमावस्या	27 — आषाढ़ शुक्ल 7, पू.फा.; बैंक अवकाश, मधुमेह जागृति दिवस	
रवि SUNDAY	7 — आषाढ़ कृष्ण 2, मूल; विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस	14 — आषाढ़ कृष्ण 9, उ.भा.; विश्व रक्तदान दिवस	21 — आषाढ़ कृष्ण 15, मृगशिरा; आषाढ़ अमावस्या, विश्व योग/संगीत दिवस, जुड़वास	28 — आषाढ़ शुक्ल 8, उ.फा.	

ऐच्छिक अवकाश
23 रथ यात्रा
24 वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस

शासकीय अवकाश
5 कबीर जयंती

याददाश्त

गंगा अवतरण की पावन बेला में प्रथम वर्षगांठ की मंगल कामनाएं
HAPPY BIRTHDAY

कूर्मि प्रतिभा (पीतृमाँ) कश्यप
शुभेच्छु : माँ - हेमप्रभा-दुर्गाप्रसाद कश्यप (अधिवक्ता)
बुआ - जगेश्वरी-लालमणी कश्यप (रतनपुर)
बुआ - राजेश्वरी-ज्वाला प्रसाद कश्यप (कटघोरा)
मौसी - साधना-आलोक चन्द्राकर (भिलाई)
निवासी : ग्राम-नेवसा (बेलतरा) बिलासपुर, मो. : 9893167619

सभी स्वजातियों को छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती की बधाईयाँ
Kurmi Shri Kumar Singh, Kurmi Smt. Jyoti Singh, Amit Kumar Singh, Shubham Singh, Tarun Singh
KURMI SHRIKUMAR SINGH
Contractor "A, Class" Irrigation and Transporter
A-10, Vaishali Nagar, Bilaspur (C.G.) Phone : 07751-257297, Mo.: 94255-36578

समस्त स्वजातीय बंधुओं को सादर नमन...

कूर्मि व्यासनारायण कश्यप
पूर्व प्रदेश कार्य. सदस्य
छ.ग.कू.क्ष.चे.मंच
मो. 9425220316

कूर्मि सूरजव्यास कश्यप
पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष
जिला-जांजगीर-चांपा
-जांजगीर-

अंकुर बच्चों का अस्पताल
कूर्मि डॉ. मनोज कुमार चन्द्रा
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
रजि. नं. CGMC 753 / 2007
कूर्मि डॉ. रीतिका चन्द्रा
एम.बी.बी.एस.
मिश्रा कॉम्पलेक्स, सरला विला के बगल में चक्रधर नगर चौक, रायगढ़ (छ.ग.) मो. 7489041135

माँ मावली फ्यूल्स
करही बाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
कूर्मि डॉ. पूरन लाल वर्मा
सेवानिवृत्त अपर संचालक, जनसम्पर्क विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर
मो. : 9424200709, 9424107673
ईमेल : puranvasushilp@gmail.com
कूर्मि डॉ. (श्रीमती) वासु वर्मा
प्रोफेसर
शास. दू.ब.महिला स्नातकोत्तर महा., रायपुर
सचिव
श्री भोला कुर्मी छात्रालय एवं धर्मशाला ट्रस्ट, रायपुर
मो. नं. 9424107672
कूर्मि डॉ. शिल्प वर्मा
एम.बी.बी.एस.
सिनियर रेसिडेन्ट-एम्स, रायपुर
प्रोपराईटर-माँ मावली फ्यूल्स,
मो. नं. 09964378297
जन्मतिथि : 09-09-1988

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जून -2020

भारत वर्ष के विभिन्न हिस्सों में निवासरत कूर्मियों के उपनाम की जानकारी

01. छत्तीसगढ़ राज्य

राज्य में कूर्मियों का निवास रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, संभाग के मैदानी भाग में मुख्यत: नदी किनारे सघन जनसंख्या के रूप में है। सरगुजा संभाग में संख्या कम है। छत्तीसगढ़ में कूर्मि उपजातियों में भेद नही है। सभी 24 प्रकार के कूर्मि उपजातियों में अंतर उपजातीय विवाह प्रचलित है। बाहर प्रान्तों के कूर्मि भी यहाँ निवासरत हैं। छत्तीसगढ़ में कूर्मियों की 24 प्रमुख उपजाति निवासरत हैं। समाज की प्रदेश में निवासरत एवं प्रचलित उपनाम की क्षेत्रवार जानकारियाँ निम्नानुसार है :-

कश्यप, कूर्मि, कौशिक, वर्मा, बैस, बैसवाड़े, बैसरा, चन्द्राकर, भारद्वाज, चन्द्रनाहू, चन्द्रा, चन्द्रेश, चन्देल,कुलमित्र,देशमुख, दिल्लीवार, बेलचंदन, महतेल, सुकतेल, हरदेल, भारदीय, गौतम, हरमुख, अमृत, पिपरिया,गहवई, सिंगसार्वा, रायसागर, बघेल, नायक, चन्द्रवंशी, बघमार,परगनिहा, खिचरिया, टिकरिहा, मढ़रिया, धुरंधर, आडिल, सिरमौर, कपूर, बंछोर, पैकरा, बिजौरा, पाटनवार, राजवाड़े, सन्नाट, सनाड्य, सिंगरौल, सिंघरौल, शांडिल्य, हरदेल, भंवर, देशमुख, डोटे, कांकड़े, ठाकरे, पटेल, कश्यप (कुनबी), पटेल, सिंह, सिंगौर, सचान, चन्द्रौल, गहलोत, पटेल एवं पाटीदार प्रमुख हैं ।

02. मध्यप्रदेश- म.प्र. के कूर्मियों में पटेल, कूर्मि, कनवी, मराठा, गौर, कोडरा, ढालवार, झारी, कन्नौजिया, चन्दनहू, गौरिया, मनवा, सिंगरौल, तिरोला, चन्द्रआर्य, उरसेठे, जायसवार, हबेलिया, खैर, पाटीदार,गहोई,दशा,सम्राट आदि हैं। **उपाधियाँ**- पाटीदार, गौर, चौधरी, सिंह, कनौजिया, पटेल, चौरिया, मुकाती, वर्मा, सिंधिया, पवार, भोसले, चन्द्रौल, सिंगौर,मलैया, कटियार,आदि ।

03. महाराष्ट्र -राज्य में प्रचलित मराठों के उपनाम- आंग्रे आंग्रणे, इंगले, कदम, काले, काकड़े, खंडागले, खैर, चालुक्य, गुजर, गायकवाड़, घाटगे, चव्हान, जगताप, जगदले, जाधव, ढमाले, ढवले, ठाकुर, भोवारे, भोगले, मधुरेमहाड़िक, महावर, मोरे, मोहिते, राणे, राऊत, बाघ, लाड, सिलारे, शंखपाल, शिन्दे, शिरके सावन्त, सुरवे, सिसोद, क्षीरसागर, थोटे, थोरात, दलवी, दाभोड़े, पवार, परिहार, पानसरे, पांढर, पिंगले, फाटक, बागवे, बान्डे, भागवत, भोंसले, निकम, देवकान्ते, अहिर राव, धर्मराज, देशमुख आदि ।

04. आंध्र प्रदेश - राज्य में प्रचलित उपनाम कापू,रेड्डी, कम्मा,कूर्मि, कपालू, नायडू ।

05. असम-राज्य में प्रचलित उपनाम चौधरी,महतो कूर्मि लिखते हैं।

06. बिहार -राज्य में प्रचलित उपनाम धानुष्क, धमैला,कोचैसा, जायसवार,अवधिया, चन्दानी,समसवार, पटनवार, चंदेल, रमैया, सेठवार, ढेलकोर, घोड़चरे, सिन्दुरिया, अयोध्या, विग्राहुत। नितिश कुमार मुख्य मंत्री, कूर्मि स्वजातीय हैं। बिहार के कूर्मि मंडल, मड़र, महतो, पटेल, मंहत, राव, रावत, सरकार, सिंह, सिन्हा, प्रसाद, विश्वास, चौधरी, राय, वर्मा, मेहता भी लिखते हैं।

07 दिल्ली - भारत के अन्य राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश आदि से आये हुए कूर्मि जो नौकरी व व्यवसाय करते हुए यहाँ पर निवासरत हैं, जो पटेल, सिंह, गंगवार, जयसवार, वर्मा, सचान, राय, चौधरी, प्रसाद, राऊत एवं कटियार उपनाम लिखते हैं ।

08. गोवा - अधिकांश गोवा के कूर्मि शिव परिवार के एक देवता मल्लिकार्जुन को अपना देवता मानते हैं। गोवा के कूर्मियों को शैव मंदिरों में पुरोहित के रूप में प्रतिष्ठित किया जाता है। **गोवा के उपजाति**- गौड़, वेलिप,गांवकर,गावड़े, कुनबी, कूर्मि आदि हैं।

09. गुजरात - राज्य में निवासरत कूर्मि लोग अंजना,कड़वा,लेवा और मतिया वाले समूह के लोग हैं, यहाँ पर **पाटीदार**- कूर्मियों की उपाधियाँ- पाटीदार, पटेल,अमीन,चौधरी, देसाई एवं संबयार आदि ।

10. हरियाणा- राज्य में प्रचलित उपनाम आर्य, चौहान, मेहता, महेला,गोरे,चोपड़े वर्मा, झोमवाड़े आदि ।

11. झारखण्ड - राज्य में प्रचलित उपनाम के कूर्मि महतो के नाम से जाने जाते हैं। सन् 1931 यहां के कूर्मि आदिवासी की सूची में थे। अब ये पिछड़े वर्ग की सूची 1 में आते हैं। यहाँ की कूर्मि समाज पूजा अनुष्ठान, विवाह,संस्कार,आदि अपने हाथों सम्पन्न करते हैं। सामाजिक परम्परा अनुसार ब्राम्हणों का छुआ नहीं खाते हैं। अनेक शिवालयों में अभी भी कूर्मि लोग ही पुरोहित का कार्य करते हैं। **उपनाम**- महतों, ओहदार, प्रमाणिक, चौधरी, सिंह, मेहता, सिन्हा, समसवार, चंदेल, जायसवार, रमैया एवं धानुक आदि।

12. कर्नाटक - राज्य में वक्कालिंगर कूर्मियों की अधिकता के साथ कापू, कम्मा, रेड्डी, मराठा,कुनबी, गौड़ा, आदि नामों से यहाँ के कूर्मि जाने जाते हैं। राज्य में **उपजाति**- गंगडिकर, गोवे, उप्पिनकोलिंग, स्वल्प, हेमा रेड्डी, अजमार, मालव, मनिग, नामधारी, पंदरू, बोग्गारू, मालेगौड़ा, मसुकुवक्कालिगा, तांडागौड़ा, मेगदा, रोडागारू, हल्लीकार, रेड्डी, कम्मेवार, गोसंगी, राव, नायडू, चौधरी, रमैया, याधव, शिंदे, पवार, सावन्त, घाटगे, चवण, आदि, रखते हैं। राव, उपाधि वाले सभी व्यक्ति कूर्मि नही होते हैं। कर्नाटक के वक्कालिंगर कूर्मि कन्नड़ भाषी हैं।

13. केरल - तत्कालीन ट्रावनकोर रियासत के कूर्मि यहाँ बेल्लाल के नाम से प्रसिद्ध हैं। बेल्लाल जाति के 4 विभाग हैं- (1) टोनड मंडलम् - इर्स वर्ग के लोग उत्तरी बकटि क्षेत्र जिसे प्राचीन काल में पल्लव प्रदेश कहते थे,में रहते हैं। ये लोग मुदाली,रेड्डी,और नय्यर उपनाम लिखते हैं। (2) सोलिया, सोफिया -ये लोग चोल प्रदेश जिसमें अब तन्जोर तथा त्रिचनापल्ली के जिले शामिल है में निवास करते हैं। ये पिल्लई कहे जाते हैं (3) एक उपवर्ग प्राचीनकाल के पांडयन साम्राज्य नाम से प्रसिद्ध क्षेत्र में निवास करता है जिसमें अब पूरा मदुरा तथा तिन्नेवेल्ली जिले शामिल हैं। ये भी पिल्लई उपनाम लगाते हैं। (4) कोंग- ये लोग पुराने समय के कोंग प्रदेश जिसमें अब कोयम्बटूर और सालेम जिले सम्मिलित हैं , में रहते हैं। ये लोग कवंडव कहलाते हैं। कुदुम्बी कूर्मि गोवा से कोची ,केरल में पलायन कर आये। कुदुम्बी समाज का मुख्य पेशा कृषि,मजदूरी, छप्पर छाना तथा मछली मारना है। केरल के कुदुम्बी सन् 1950 तक जनजाति श्रेणी में थे।

14. पश्चिम बंगाल- यहाँ के कूर्मियों के प्रमुख गोत्र कटियार, कोरेबार,हस्तवार,नागनटवर, केसरिया, शंखवार, कश्यप, डुमरिया, तीरवार, गुलियार, चिलवार, मतवार, इन्दुरिया, हेमरम्या आदि हैं।

15. राजस्थान - कूर्मि समाज की दो मुख्य उपजातियाँ आंजना व पाटीदार मूलरूप से निवास करती हैं। आंजना उपजाति राज्य के जोधपुर, बाड़मेर, पाली सिरोही,जालोर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ जिलों में तथा पाटीदार उपजाति कोटा,टोक, झालावाड़, डूगरपूर,बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़ प्रतापपुर तथा सवाई माधोपुर जिलों में निवास करती है।

16. तमिलनाडु- इस प्रदेश में कृषक वर्ग को कापू नाम से संबोधित किया जाता हैं। राज्य में रेड्डी, कम्मा, नायडू,प्रधान उपनाम प्रचलित हैं

17. उत्तर प्रदेश -यह प्रदेश कूर्मियों का गढ़ माना जाता है। प्रदेश में प्रचलित **उपजातियाँ** फगहरवार, कटियार लोहत, गंगवार, कनौजिया, जादौन, जादुआ ,कटवार,सनवान,उत्तराहा,उत्तम, अंधर, करजवा, उमराव, सिंगरौल, सहजन, उत्तम, सिम्मल, उसरेठी, महेसरी , चन्देल, चन्दावर, चन्द्रावल, झमैया, जड़िया, सकरवार, सिंगरौर, कर्जवा, उत्तराहा, झूरा, अवधिया, बठमा, चन्दाउर, अकरेथिया, तरमाला, नेपाली, भूर, बाच्छल, गंगवार, कटवार, मेवाड़, सखवार, सम्मन, समसोया, समसेयाल, खबास, बिरतिया, चन्द्रधार, कैराती, रावत, ढेलफोरा, धिन्धवार, उत्तराहा।

18. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह: इस केन्द्रशासित प्रदेश में कूर्मि, पटेल, कश्यप इत्यादि उपनाम प्रचलित है ।

19. हिमाचल प्रदेश : इस राज्य में पटेल, कुरमी, कूर्मि इत्यादि उपनाम प्रचलित है।

20. उत्तराखण्ड: बैसवार, बरदिया, भारती, गंगवार, जयसवार, कनौजिया, खरविन्द, पतरिहा, सैथवार, सिंगरौर, सिंगरौल, चनऊ, पाटनवार, अथरिहा, अवधिया, सैचवार, चन्द्रौल, चंदेल, चंदौर, पातालिया, सचान, उत्तम, महतो, निरंजन, कटियार, यदुवंशी, राठौर, रावत, वंशवार, मनवा, सिंह, वर्मा, पटेल, चौधरी, आर्य आदि।

21. तेलंगाना: रेड्डी, राव, नायडू, बोंगले, रामाराव, रंगैया, मूर्ति, वर्मा, भूपाल, चौधरी, सिंह, पटेल, सेट्ठी, नायडू, कापू, देसुरी, कापलू, पंकति, वेलम्मा, पंत कालपू, पिल्ले, कुति, तरपूकापू, तेलगा, मुनरू कापू इत्यादि।

22. उड़ीसा - उड़ीसा के किसान समुदाय कूर्मि क्षेत्रीय, खंडायत क्षेत्रीय, अघरिया,कोलथा,बाणायत, कालंजी, दलपति, खंडायत महानायक, प्रधान समाज कापू और अलीय खंडायत आदि नाम से परिचित हैं। कूर्मि क्षत्रिय समाज सेवा हेतु उड़ीसा में कई संस्था पंजीकृत हैं। दक्षिण उड़ीसा के कूर्मियों में कई उपाधि है जैसे- नायक, प्रधान, चौधरी, मंडल, सामंतराय, पात्र, मल्लिक, सिंह, महारथा, राऊत, मांझी, संग्रामसिंह अदि। इसके साथ खंडायतों की भी बहुत ज्यादा उपाधि है-अभिदमन, इन्द्रसिंह, उत्तरराय, कुंवर, गुडराय, गजेन्द्र, गढ़ई, खूटिंया, चौधरी, जेना, जगदेव, बिसाल, बाघ, बारिक, बिसोई, भुजबल, महापात्र, सामंत आदि।

23. सिक्किम - हिन्दू धर्म राज्य का प्रमुख धर्म है, जहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी बहुतायत से रहते हैं। यहाँ बिहार के लोग काम की तलाश में आये जो कालान्तर में यहाँ के निवासी हो गये, जिनमें कूर्मि समुदाय के लोग भी निवासरत है ।

24. नेपाल- विश्व के एक मात्र हिन्दू राष्ट्र में भी कूर्मि जाति के लोग निवासरत हैं, जो सभी कृषि कार्य में ही निरत हैं । यहाँ के कूर्मियों में उपजातियों की प्रथा नहीं है । लेकिन बिहार नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र में अधिकतर चंदेल उपजाति के कूर्मियों की बहुलता है ।

विशेष ध्यानाकर्षण टीप

कई स्थानों में समान समाजिक उपनाम में समानता होने की वजह से भ्रम की स्थिति निर्मित हो जाती है जिसकी वजह से कूर्मि पहचान में भ्रमित हो जाते हैं । जैसे बघेल (कूर्मि, अजा, अजजा) कौशिक (कूर्मि, ब्राह्मण, अजा) नायक व पटेल (कूर्मि, अघरिया, अजा), वर्मा (कूर्मि, कायस्थ) आदि । इस प्रकार के उदाहरण छत्तीसगढ़ प्रांत के अतिरिक्त अन्य राज्यों में भी पाये जाते हैं । अत: इस बाबत् सतर्कता बरतना उचित रहेगा । ऐसी विषम परिस्थितियों में स्थानीय स्वजातिय जन से सम्पर्क कर वस्तु स्थिति को स्पष्ट कर लें ।

कूर्मि चेतना गीत

कूर्मि है हम कर्म योगी 4
धर्म हमारा सत्य शांति
मानवता के हम है योगी, कूर्मि है हम कर्म योगी 4

अन उपजाने मिट्टी में पसीना खुब बहाते हैं 2
मेहनत की फल बांटकर सबकी भूख मिटाते हैं 2
देश की खातिर सीमा पर हम 2
अपना शीश चढ़ाते हैं कूर्मि है हम कर्म योगी 4

कूर्मियों का देश भारत कूर्मि शान बढ़ाते हैं 2
कहीं कुनबी, कम्मा, कुदुम्बी, वक्कालिंगा कहाते हैं 2
अध्यात्म की अंध मोह व अंधविश्वास मिटाते हैं 2
कूर्मि है हम कर्म योगी 4

राजपाठ हो हाथों में तो नया इतिहास बनाते हैं....2
हर जाति हर राज देश में एकता का अलख जगाते हैं....2
चकोर कहे हर मानव को ये प्रेम का पाठ बढ़ाते हैं 2
कूर्मि है हम कर्म योगी 4

रचयिता-कूर्मि चन्द्रशेखर 'चकोर'

कूर्मि डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म : 19 जुलाई 1900, निर्वाण : 22 फरवरी 1969

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

श्रावण प्रारंभ ता. 6 से	विक्रम संवत् 2077 शक संवत् 1942	जुलाई - 2020	क्रांति के लिए हर किसी से लड़ना ही पड़ता है। चाहे पिता हो, भाई हो, पड़ोसी हो या शत्रु। बिना संघर्ष के ना कोई परिवर्तन हुआ है और ना होगा -ज्योतिबा फुले	वर्षा ऋतु

15 जुलाई
ई. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहबई
कोर कमेटी सदस्य एवं संस्थापक सदस्य
छ.ग. कू.-क्ष.चेतना मंच

मुश्किलों से हार कर भागा नहीं जाता ।
भागना तो कायरों का काम होता है ।
मुश्किलों से सबक लेकर कठिनाईयों
पर विजय पाना ही शेरों की पहचान है ।

पंचक
8 जुलाई, बुधवार 12.31 दोप. से
13 जुलाई, सोमवार 11.14 सुबह तक

गृह प्रवेश नहीं है
विवाह मुहुर्त नहीं है

मूल
3 जुलाई शुक्रवार 1.14 रात्रि से 4 जुलाई, शनिवार 11.22 रात्रि तक
12 जुलाई रविवार 8.19 सुबह से 14 जुलाई मंगलवार 2.07 दोप तक
21 जुलाई मंगलवार 8.30 रात्रि से 23 जुलाई गुरुवार 5.44 संध्या तक
30 जुलाई गुरुवार 7.41 सुबह से 1 अगस्त शनिवार 6.49 सुबह तक

ऐच्छिक अवकाश
19 डॉ. खूबचंद बघेल जयंती
25 नाग पंचमी

शासकीय अवकाश
20 हरेली

सोम MONDAY		श्रावण कृष्ण 1 **6** डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती उ.आ.	श्रावण कृष्ण 8 **13** रेवती	श्रावण कृष्ण 15 **20** सोमवती अमावस्या अन्तर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस हरेली पुनर्वसु	श्रावण शुक्ल 7/8 **27** के. रिजर्व पुलिस बल स्था. दिवस चित्रा
मंगल TUESDAY		श्रावण कृष्ण 2 **7** श्रवण	श्रावण कृष्ण 9 **14** अश्विनी	श्रावण शुक्ल 1 **21** चन्द्र दर्शन पुष्य	श्रावण शुक्ल 9 **28** विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस विश्व हेपेटाइटिस दिवस स्वाति
बुध WEDNESDAY	आषाढ़ शुक्ल 11 **1** डाक्टर्स एवं सीए दिवस देवशयनी एकादशी विश्व जोक डे विशाखा	श्रावण कृष्ण 3 **8** जया पार्वती व्रत समाप्त घनिष्ठा	श्रावण कृष्ण 10 **15** गजानन संकष्टी चतुर्थी विश्व युवा कौशल दिवस भरणी	श्रावण शुक्ल 2 **22** अश्लेषा	श्रावण शुक्ल 10 **29** अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस विशाखा
गुरु THURSDAY	आषाढ़ शुक्ल 12 **2** श्री पुखुर चन्द्राकर जन्मदिवस डॉ. सोने लाल पटेल जन्मदिवस प्रदोष व्रत अनुराधा	श्रावण कृष्ण 4 **9** शतभिषा	श्रावण कृष्ण 11 **16** कामिका एकादशी कर्क संक्रांति कृत्तिका	श्रावण शुक्ल 3 **23** हरियाली तीज चन्द्रशेखर आजाद जयंती मेधा	श्रावण शुक्ल 11 **30** श्रावण पुत्रदा एकादशी अनुराधा
शुक्र FRIDAY	आषाढ़ शुक्ल 13 **3** जयापार्वती व्रत प्रारम्भ विश्व पॉलिथिन मुक्त दिवस ज्येष्ठा	श्रावण कृष्ण 5 **10** पू.भा.	श्रावण कृष्ण 12 **17** रोहिणी	श्रावण शुक्ल 4 **24** पू.फा.	श्रावण शुक्ल 12 **31** वरलक्ष्मी व्रत मुंशी प्रेमचंद जयंती ज्येष्ठा
शनि SATURDAY	आषाढ़ शुक्ल 14 **4** कोकिला व्रत मूल	श्रावण कृष्ण 6 **11** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश विश्व जनसंख्या दिवस पू.भा.	श्रावण कृष्ण 13 **18** प्रदोष व्रत कार्यालयीन अवकाश मृगशिरा	श्रावण शुक्ल 5 **25** नाग पञ्चमी कल्की जयंती बैंक अवकाश उ.फा.	**याददाश्त**
रवि SUNDAY	आषाढ़ शुक्ल 15 **5** गुरु पूर्णिमा, आषाढ़ी पूर्णिमा चन्द्र ग्रहण उपच्छाया पू.आ.	श्रावण कृष्ण 7 **12** भानु सप्तमी उ.भा.	श्रावण कृष्ण 14 **19** डॉ. खूबचंद बघेल जन्मदिवस आर्द्रा	श्रावण शुक्ल 6 **26** कारगिल विजय दिवस हस्त	

ग्रामीण युवाओं के मार्गदर्शन हेतु प्रयासरत संस्था
॥ विद्या दान परम दान ॥
"हमर प्रयास"
सशक्त युवा समृद्ध समाज
सशक्त युवा ही समृद्ध समाज का निर्माण कर सकता है, हमारा उद्देश्य युवाओं का उचित मार्गदर्शन कर उनके मनोबल को ऊँचा उठाकर उन्हें सशक्त बनाना है।

कूर्मि भगवती चन्द्राकर — संरक्षक, छ.ग. चन्द्राकर महिला समाज
कूर्मि अनिल चन्द्राकर — समन्वयक (ग्राफिक्स डिजाइनर)
कूर्मि चमन चन्द्राकर — समन्वयक (B.E. Mech., EPBA-IIT Madras, MDP-IIM Kolkata)

Follow us on : 9009577789 हमर प्रयास @hamarprayascg hamarprayas@gmail.com

ईजी. कूर्मि एम.के.चन्द्रा
अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन विभाग खारंग, उप संभाग बिलासपुर
कूर्मि पुष्पलता चन्द्रा,
कूर्मि सोनल चन्द्रा, कूर्मि सौम्या चन्द्रा

छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल जी के जयंती पर सभी स्वजातीय बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ.....

कूर्मि श्रीमती ललिता संतोष कश्यप
कूर्मि संतोष कश्यप
ग्राम व पोस्ट-लिम्हो, वि.खं.-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)-495330

डॉ. खूबचंद बघेल जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएँ ....

कूर्मि डॉ. भगवती प्रसाद चन्द्रा — शिशु रोग विशेषज्ञ, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिल्हा, जिला बिलासपुर, प्रदेश उपाध्यक्ष, छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच
कूर्मि उषा चन्द्रा — प्राचार्य-शा.उ.मा. वि. सारबाहर, बिलासपुर, प्रदेश सचिव (म.प्रकोष्ठ), छ.ग.कू.-क्ष.चे.मंच
कूर्मि कर्णिका चन्द्रा — बी.ई., एमबीए, एमएस कंसल्टेन्ट, सीजीआई एमएनसी, हैदराबाद
कूर्मि स्वर्णिम चन्द्रा — बीआर्क, एमबीए, एक्जीक्यूटिव आर्किटेक्ट, हेकाम नई दिल्ली
निवास-33 गीतांजली इनक्लेव, रिंग रोड-2, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.) मो. : 94242-52558

शुभकामनाएँ

वैद्यराज कूर्मि बोधन सिंह बेलचंदन
कूर्मि डॉ. पोखराज सिंह बेलचंदन
आयुर्वेद विज्ञानाचार्य (AVMS)
पता : ग्राम-सिब्दी, पो. भरदाकला, जिला-बालोद (छ.ग.) मो. 9407763738, 9009608981
श्वांस रोग, लकवा, वातरोग, जीर्ण व्याधि इत्यादि का आयुर्वेद उपचार

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जुलाई -2020

कूर्मि समाज / संगठन के राष्ट्रीय व राज्यवार प्रमुख पदाधिकारियों की सूची

क्र.	प्रकोष्ठ	राष्ट्रीय प्रमुख का नाम	पदनाम	पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित
1.	केन्द्रीय	कूर्मि एल.पी.पटेल	राष्ट्रीय अध्यक्ष	381, सीनियर एच.आई.जी., सेक्टर-एच, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425392434, E-Mail:kurmi.lppatel@gmail.com
2.	केन्द्रीय	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	राष्ट्रीय महासचिव	एच 1, वीरांगना नगर, जेडीए कॉलोनी (मेडिकल), झांसी (उत्तरप्रदेश) 284128 मो.: 09425175550, E-Mail:niranjanvivek@yahoo.com
3.	केन्द्रीय	कूर्मि बी.एल. वर्मा	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	एम.आई.जी.-1, 22/342, इंदिरा नगर, रीवा (म.प्र.) मो. 09425393572
4.	महिला	कूर्मि लताऋषि चन्द्राकर	राष्ट्रीय अध्यक्ष	सड़क-7, ब्लाक-9 बी, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)-490006, मो. 9826482726, 09302743766
5.	महिला	कूर्मि श्रीमती मनीषा गौर	राष्ट्रीय महासचिव	53/3, रेशमबाला कम्पाण्ड, नंदलालपुरा, इंदौर (म.प्र.) मो. 09752042825
6.	महिला	कूर्मि श्रीमती ममता पटेल	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	9/10, विंडसर डिलाइड्स, पटेल कालोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) मो. 09229683301
7.	युवा	कूर्मि धीरेन्द्र मोहन कटियार	राष्ट्रीय अध्यक्ष	18/297, सेक्टर-18, इंदिरा नगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09450101328, 09918001488
8.	युवा	कूर्मि इंजी. सतीश सचान	राष्ट्रीय महासचिव	227/338, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर (उ.प्र.), मो. 09839211802
9.	युवा	कूर्मि दिनेश सचान	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	12 बाल विहार, फरीदीनगर, लखनऊ (उ.प्र.) मो. 09935705080
क्र.	राज्यों का नाम	राज्य प्रमुख का नाम	पदनाम	पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित
1.	**छत्तीसगढ़**	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 09826165881, E-Mail:kurmi.chetna01@gmail.com
		कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल	महासचिव	ब्लाक-47/563 पं. दीन. आवासीय फ्लैट्स, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)492099 मो. 09425522629 E-
		कूर्मि श्री विजय बघेल	प्रदेशाध्यक्ष	7-बी, स्ट्रीट नं.-38, सेक्टर-5, भिलाई-दुर्ग (छ.ग.) मो. 09425561150
		कूर्मि श्री लीलाधर चन्द्राकर	महासचिव	बी-1, पवन विहार, न्यू राजेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.) मो. 09329477504
2.	**उड़ीसा**	कूर्मि श्री पूरनचंद प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	मुकाम पोस्ट लालसिंगी, व्हाया-बदकोडंडा, भंजनगर, उड़िसा-761125, मो. : 09438323608
		कूर्मि श्री रूशी गुमान सिंह	महासचिव	160, एकामरा मार्ग यूनिट-6, भुवनेश्वर (उड़ीसा) मो. 09437082407
		कूर्मि श्री प्रभाषचन्द्र मोहन्ता	प्रदेशाध्यक्ष	बी.आई.एम.-160, शैलश्री बिहार भुवनेश्वर (उड़ीसा) 751021 मो. 09237271825
		कूर्मि श्री रामचन्द्र मोहन्ता	महासचिव	402, माँ भुवनेश्वरी एनक्लेव, गजपति नगर, भुवनेश्वर- 05 (उड़ीसा)मो.09438323680
		कूर्मि डॉ. पुरणचंद्र प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम पो. लालसिंगी बाया बड़ाकोडांण्डा भंजनगर- 761125 (उड़ीसा) मो. 09438323680 E-Mail:pradhan2018purna@gmail.com
3.	**उत्तरप्रदेश**	कूर्मि श्रीमती कांति सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं.4/61,हरशिखर ,विनीतखंड गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.), मो. : 08005499743, E-Mail:kanti.singh8@gmail.com
		कूर्मि डॉ. हरिशचन्द्र पटेल	महासचिव	शिवपुरम कालोनी, त्रिवेणीपुरम, झूंसी, प्रयागराज (उ.प्र.) मो. 09450579475
4.	**महाराष्ट्र**	कूर्मि डॉ. मंगेशकृष्ण राव देशमुख	प्रदेशाध्यक्ष	नंदनवन कालोनी, एल.आई.जी. 19 सर्किट हाऊस के पीछे, केम्प, अमरावती (महाराष्ट्र) - 444602, मो. : 09284823521
		कूर्मि डॉ. बाबूलाल सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	29, मातृछाया, तीसरा माला, एम.जी. रोड, मुलुण्ड मुंबई, 80 (महाराष्ट्र) मो. 09224244661 E-Mail:dr.babulalsingh@gmail.com
		कूर्मि श्री सुरेश लक्ष्मण भ्याजे	प्रदेशाध्यक्ष	अम्बाऊ, पोस्ट-मखाजन,ता. संगमेश्वर, जिला-रत्नागिरी (महाराष्ट्र) मो. 09960591613
		कूर्मि श्री नन्दकुमार मोहिते	महासचिव	शिवार अम्बेरे, रत्नागिरी,महाराष्ट्र मो. 094209009070 E-Mail:dilip-2005@reddifmail.com
		कूर्मि श्री श्रीराम महतो	प्रदेशाध्यक्ष	A-5/1, एन.एस.के हाऊसिंग सोसायटी, रवि नगर,नागपुर (महाराष्ट्र) फोन-0712-2551718, मों. 09823687419
		कूर्मि श्री रामशरण कनौजिया	महासचिव	21/7 एम्प्रेस मिलचाल, सुभाष रोड, नागपुर-18 (महाराष्ट्र) फोन. 0712-2773893, मो.: 09730031290
5.	**पश्चिम बंगाल**	कूर्मि श्री प्रेमनाथ कूर्मि	प्रदेशाध्यक्ष	17/21 A टीटागढ़,एस.पी.मुखर्जी रोड, जिला-उत्तर चौबिस परगना कोलकाता-(पश्चिम बंगाल)19 मो. 09331422586
		कूर्मि श्री रंजीत राय	महासचिव	72/ कवि गुरू रविन्द्र नाथ, नियर कचरा पारा, उत्तर चौबिस परगना कोलकाता- (पश्चिम बंगाल) 743145 मो. 09002025836,
6.	**राजस्थान**	कूर्मि श्री रामबाबू कटियार	प्रदेशाध्यक्ष	एफ-19,नंदपुरी, हवा सड़क, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) मो. 9829158255 E-Mail:kpj_jaipur@yahoo.com
		कूर्मि श्री राजेश गंगवार	महासचिव	ए-463, भगवती अपार्टमेंट विद्युतनगर अजमेर रोड, जयपुर (राजस्थान)302021 मो. 09414049758 E-Mail:sarjan-raj2002@yahoo.co.in
		कूर्मि श्री विष्णु प्रसाद पाटीदार	प्रदेशाध्यक्ष	अयोध्या,सुभाष कॉलोनी,बस स्टैंड के पास,झालावाड़ (राजस्थान) -326001 फोन-07432-231311,मो.09829175911
7.	**झारखंड**	कूर्मि श्री कुमेश्वर महतो	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-होसीरपुर डाडी,पोस्ट-गिद्दी,जिला-हजारीबाग (झारखंड)-829109 मो. 09934105586 E-Mail:kanwhizzkumeshwar54@gmail.com
		कूर्मि श्री कारीनाथ महतो	महासचिव	मसू हेसल, पोस्ट टाटीसिलवे, जिला-रांचीड(झारखंड) 835013 मो. 08002533967 E-Mail:karinath_mahto@ushamartin.co.in
8.	**मध्यप्रदेश**	कूर्मि श्री रामखिलावन पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	पटेल मेडिकल स्टोर्स सतना रोड, अमर पाटन, जिला-सतना (म.प्र.) मो. 09425174322,09617980599
		कूर्मि श्री जी.एल.पटेल	महासचिव	म.न. 267, एच.आई.जी. सुपर डिलक्स पार्ट- फेस 5, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425376492 E-Mail: glpatel2050@gmail.com
		कूर्मि श्री महेन्द्र पाटीदार	प्रदेशाध्यक्ष	बी-645,के/अ सत्यम कलेक्शन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) मो. 09826750053 E-Mail: mppatidarsamaj@gmail.com
		कूर्मि श्री आशोक कटारिया	महासचिव	ग्राम-पाटपाला, पोस्ट-हरसोदन, जिला-उज्जैन (म.प्र.) मो. 09926059413
		कूर्मि श्री बी.पी. पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	(सरदार पटेल ट्रस्ट, भोपाल)डी-59 सिद्धार्थ लेक सिटी, रायसेन रोड,भोपाल (म.प्र.)मो.9424455368 E-Mail: erbppatelce1958@gmail.com
9.	**हरियाणा**	कूर्मि डॉ. बागेस पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	कृष्ण मुर्ति क्लिनीक, म.नं. 530/22, शिवजी पार्क, गली नं. 8, अनाज मण्डी के पास, खान्सा रोड, गुड़गांव, मो. 981828-0440
		कूर्मि श्री धर्मेन्द्र कुमार	महासचिव	फ्लेट नं. 409, तीसरी मंजिल, आपका बाजार, गुरुद्वारा रोड, गुड़गांव-100101, मो. 98186-34134
		कूर्मि श्री राहूल कटियार	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं. 862, सेक्टर-10, गुड़गांव-100101, मो. : 97114-01691
		कूर्मि श्री सुंदरलाल गंगवार	महासचिव	162/1-सी, हरी नगर, खाण्डसा रोड, गुड़गांव-10010, मोबाईल : 8802763702
10.	**कर्नाटक**	कूर्मि श्री अजय वर्मा	प्रदेशाध्यक्ष	9, रामकृष्ण निवास, एम. एल. ए., लेआउट, गैप गार्डेन, कलेना अग्रहारा बनेरघट्टा रोड, बैंगलौर-76 (कर्नाटक) मो. 09341235998 E-Mail: ajayverma23@gmail.com
		कूर्मि श्री डी.एन. बिट्टे गौड़ा	प्रदेशाध्यक्ष	28/14 ए- द्वितीय स्टेज चौक, दूसरा ब्लाक, महालक्ष्मीपूरम, पश्चिम तार रोड , बैंग्लुरू (कर्नाटका) 530086, मो. : 9448088372
11.	**तेलंगाना**	कूर्मि श्री राजनारायण पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	14-10-404, जुमेरात बाजार, धूलपेठ, हैदराबाद-500006 (तेलंगाना) मो. 09394543910, E-Mail: rajnarayanuma@gmail.com
		कूर्मि श्री किशोर सिंह वर्मा	महासचिव	म.नं. 1919-1-912/ए/32/ए, फुलवारी मुरली नगर, हैदराबाद 500004 (तेलंगाना) मो. 09849242250 E-Mail: kishorsinghmala@gmail.com
		कूर्मि श्री वोक्का भूपाल रेड्डी	प्रदेशाध्यक्ष	रेड्डी संक्षेमा संगम, मं.नं. 17-2-630/6/2, मदनापेठ, सायदाबाग-500054 (तेलंगाना) मो.: 09392223000
12.	**आंध्रप्रदेश**	कूर्मि श्री मारम बाला ब्रम्हा रेड्डी	प्रदेशाध्यक्ष	डोर न. 8-27, 4-4 बोचापाटा फोटालेम, विजय नगरम 535002 (आंन्ध्रप्रदेश) मो. 09573636999
		कूर्मि श्री रविन्द्र वेंकट रेड्डी	महासचिव	गली नं.102/1 श्री वेंकटेश्वर व्हीकल यार्ड, एमवीजीआर महाविद्यालय चिन्टा के सामने, लावल्से विजय नगर (आन्ध्रप्रदेश) 535002 मो. 9392223200
13.	**बिहार**	कूर्मि श्री अखिलेश कुमार सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं. 59-बी, सड़क नं-8, राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार मो. 9931038382
		कूर्मि श्री पशुपतिनाथ सिंह	महासचिव	पिता-त्रियुगीनारायण, बचेली बाबूलेण्ड, पो. भगवान बजार जिला-सरजन, छपरा-841301 मो. 07488168481, 9835260250
		कूर्मि श्रीमती सुनीता साक्षी	महासचिव	ई/98-ए, पी.सी. कॉलोनी कंकड़ाबाग, पटना-20, (बिहार) मो. 09801874098, E-Mail: suneetasakshi000@gmail.com
14.	**आसाम**	कूर्मि श्री गंगाप्रसाद कूर्मि	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम- बजगांव पोष्ट- तिलीकियाम, जिला-जोरहट (आसाम) मो. 09854010713
		कूर्मि श्री सोमेश महतो	महासचिव	ग्राम-निचिलामढ़ी, पो.ओरंग जिला-उदलगुढ़ी (आसाम)मो. 09613968247
15.	**गोवा**	कूर्मि श्री प्रताप सिंह वेलिप कानकार	प्रदेशाध्यक्ष	जानकी निवास-राघवेन्द्र मठ के पास, मोहन्ती हिल्स, मडगांव (गोवा) फोन-0832-2710215,मो. 09860275261
		कूर्मि श्री मधु एन. गांवकर	महासचिव	बंडोल-किरलापाल, पोस्ट ऑफिस, डावाल जिला-संगूएम, (गोवा) मो. 09822194547
16.	**केरल**	कूर्मि श्री के.वी. भास्करण	प्रदेशाध्यक्ष	के.एस.एस. बिल्डिंग, टाउनहाल, क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि -682008 (केरल) मो. 09447679008
		कूर्मि श्री पी.एस. रामचंद्रन	महासचिव	कुटुम्बी सेवा संघम के.एस.एस. बिल्डिंग टाउनहाल क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि 682008(केरल) मो. 09447673609
17.	**उत्तराखण्ड**	कूर्मि डॉ. सत्यनारायण सचान	प्रदेशाध्यक्ष	54, सेवक आश्रम रोड, देहरादून (उत्तराखंण्ड) फोन-0135-2744930, मो. 09412172282
		कूर्मि श्री काशीनाथ	महासचिव	एम-63 शिवालिक नगर, बी.एच.ई.एल. (भेल) रानीपुर हरिद्वार (उत्ताराखंड) फोन-0134-232824, मो. 09719176660
18.	**दिल्ली**	कूर्मि श्री मिथिलेश कुमार	प्रदेशाध्यक्ष	फ्लेट नं-6, पॉकिट ई-9, सेक्टर-15 रोहणी, (दिल्ली) -09 मो: 09212503272 E-Mail: ermithleshpatel@gmail.com
		कूर्मि श्री अजय कुमार सिंह	महासचिव	ए/757/ गली नं. 20 महावरी इन्क्लेव पार्ट 2 (दिल्ली) -110059 मो. 09312266534 E-Mail: jaysku@reiffmail.com
		कूर्मि श्री आनंद कुमार	प्रदेशाध्यक्ष	म.न. 33 ए जय विहार फेस 3,हारफुल विहार बापरॉयल,(नई दिल्ली) 110043 मो. 09958320556 E-Mail: ghianandrai@gmail.com
		कूर्मि श्री अनिल कुमार रॉय	महासचिव	म.न. ए 34 गली नं. 20 दास गार्डन, काली मंदिर के पास, बापरॉयल (नई दिल्ली) 110043 मो. 09999030941 E-Mail: anilk.rai1984@gmail.com
19.	**पंजाब**	कूर्मि डॉ. सुकवासीलाल सचान	प्रदेशाध्यक्ष	17, नीटर कैम्पस, सेक्टर-26, चंडीगढ़ (पंजाब) फोन-0172-2293248, 2759510
20.	**गुजरात**	कूर्मि श्री विजय भाई सी पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	एल-10, सफारी कॉम्पलेक्स, नवजीवन हीरो होण्डा शोरूम के सामने, भेस्तान, सूरत (गुजरात) मो: 09377044599 E-Mail: bjp_vijaypatel@gmail.com
		कूर्मि श्री एम.ए. पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	303 सम्मुत टॉवर, ग्राण्ड भगवती होटल के पिछे, जज बंग्ला रोड, बोदकदेव ,अहमदाबाद 370054 (गुजरात) मो. 09825020211 E-Mail:mapatelgujrat@gmail.com
		कूर्मि श्री भावजीभाई पी.लुणागरिया	महासचिव	1 धर्मराज हेरीटेज आर.पी. बसाड़ी स्कुल के पास श्याम बेंगलोज के सामने नवानरोड़ा, अहमदाबाद (गुजरात) मो. 09825051827
21.	**तमिलनाडु**	कूर्मि श्री एस. वर्मन	प्रदेशाध्यक्ष	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 09884110204 E-Mail: race-urlise@yahoo.com
		कूर्मि श्री शिवा एस.जयप्रकाश	महासचिव	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 09442219159 E-Mail: malllarsangam@gmail.com
22.	**सिक्किम**	कूर्मि श्री रूपेश कुमार	अध्यक्ष	होटल मयुर, पी.एस.रोड गंगटोक (सिक्किम) 737101 मो. 09434022637 E-Mail:rupeshpanchwati@rediffmail.com

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

भादो प्रारंभ ता. 4 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

अगस्त - 2020

सब कुछ कापी हो सकता है; मगर 'चरित्र' व 'व्यवहार' नहीं
- चेतनामंच

वर्षा ऋतु, ता. 22 से शरद ऋतु

जन्मदिवस

2 अगस्त — कूर्मि रमेश बैस, महामहिम राज्यपाल, त्रिपुरा

23 अगस्त — कूर्मि भूपेश बघेल, मुख्य मंत्री छ.ग. शासन

अपने बराबर या फिर अपने से समझदार व्यक्तियों के साथ सफर कीजिए। मूर्खों के साथ सफर करने से अच्छा है, अकेले सफर करना ।
-तथागतबुद्ध

पंचक

4 अगस्त, मंगलवार 8.47 संध्या से
9 अगस्त, रविवार 7.07 संध्या तक

गृह प्रवेश नहीं है — **विवाह मुहूर्त** नहीं है

मूल

30 जुलाई गुरुवार 7.41 सुबह से 1 अगस्त शनिवार 6.49 सुबह तक
8 अगस्त शनिवार 4.12 संध्या से 10 अगस्त सोमवार 10.06 रात्रि तक
18 अगस्त मंगलवार 5.44 सुबह से 20 अगस्त गुरुवार 2.07 रात्रि तक
26 अगस्त बुधवार 1.04 दोप से 28 अगस्त शुक्रवार 12.38 दोप तक

Mahindra Rise — मदन महिन्द्रा — कूर्मि राजा नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला ब्रांच, एनएच-130, मोहभट्ठा चौक, सरगांव, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001 2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

वार					
सोम MONDAY	भाद्रपद शुक्ल 13 — **31** — श्रवण — ओणम	श्रावण शुक्ल 15 — **3** — श्रावण पूर्णिमा, गायत्री जयंती, मैथिलीशरण गुप्त जयंती — रक्षा बन्धन, उ.आ.	भाद्रपद कृष्ण 6 — **10** — अश्विनी	भाद्रपद कृष्ण 13 — **17** — तुलसी दास जयंती — पुनर्वसु	भाद्रपद शुक्ल 6 — **24** — स्वाती
मंगल TUESDAY		भाद्रपद कृष्ण 1 — **4** — श्रवण	भाद्रपद कृष्ण 7 — **11** — भरणी	भाद्रपद कृष्ण 14 — **18** — दर्श अमावस्या, पिठोरी अमावस्या — पुष्य, पोला	भाद्रपद शुक्ल 7 — **25** — महालक्ष्मी व्रत आरंभ, ललित सप्तमी, दुर्वा अष्टमी — विशाखा, नवाखाई
बुध WEDNESDAY		भाद्रपद कृष्ण 2 — **5** — घनिष्ठा	भाद्रपद कृष्ण 8 — **12** — कृष्ण जन्माष्टमी, कृत्तिका	भाद्रपद कृष्ण 15/1 — **19** — भाद्रपद अमावस्या, विश्व छायांकन दिवस — मघा, विश्व मानवीय दिवस	भाद्रपद शुक्ल 8 — **26** — महिला समानता दिवस, मदर टेरेसा जयंती — राधा अष्टमी, अनुराधा
गुरु THURSDAY		भाद्रपद कृष्ण 3 — **6** — कजरी तीज, विश्व एंटी न्यूक्लियर दिवस (हिरोशिमा डे) — शतभिषा	भाद्रपद कृष्ण 9 — **13** — वर्ल्ड लेफ्ट हैंडर्स डे — रोहिणी	भाद्रपद शुक्ल 2 — **20** — सद्भावना दिवस/विश्व मच्छर दिवस, राजीव गांधी जयंती — पू.फा., चन्द्र दर्शन	भाद्रपद शुक्ल 9 — **27** — ज्येष्ठा
शुक्र FRIDAY		भाद्रपद कृष्ण 4 — **7** — बहुला चतुर्थी, हेरम्ब संकष्टी चतुर्थी — पू.भा.	भाद्रपद कृष्ण 10 — **14** — मृगशिरा	भाद्रपद शुक्ल 3 — **21** — वरिष्ठ नागरिक दिवस — तीजा, उ.फा.	भाद्रपद शुक्ल 10 — **28** — मूल
शनि SATURDAY	श्रावण शुक्ल 13 — **1** — प्रदोष व्रत, ईद-उल-फितर (बकरीद) — मूल	भाद्रपद कृष्ण 5 — **8** — बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश — उ.भा.	भाद्रपद कृष्ण 11 — **15** — स्वतंत्रता दिवस, अजा एकादशी — मृगशिरा	भाद्रपद शुक्ल 4 — **22** — गणेश चतुर्थी, बैंक अवकाश — हस्त	भाद्रपद शुक्ल 11 — **29** — वामन जयंती/ डोल ग्यारस — परवर्तिनी एकादशी, पू.आ.
रवि SUNDAY	श्रावण शुक्ल 14 — **2** — पू.आ.	भाद्रपद कृष्ण 6 — **9** — विश्व आदिवासी दिवस, बलराम जयंती — हलषष्ठी व्रत, रेवती	भाद्रपद कृष्ण 12 — **16** — प्रदोष व्रत, सिंह संक्रांति, अटल बिहारी वाजपेयी पुण्यतिथि — आर्द्रा, पारसी नववर्ष	भाद्रपद शुक्ल 5 — **23** — ऋषि पञ्चमी — चित्रा	भाद्रपद शुक्ल 12 — **30** — प्रदोष व्रत, मोहर्रम — उ.आ.

ऐच्छिक अवकाश

- 9 हलषष्ठी व्रत (हलषष्ठ)
- 16 पारसी नववर्ष
- 18 पोला
- 22 गणेश चतुर्थी
- 25 नवाखाई
- 29 डोल ग्यारस
- 31 ओणम

शासकीय अवकाश

- 1 ईद-उल-फितर (बकरीद)
- 3 रक्षाबंधन
- 9 विश्व आदिवासी दिवस
- 12 कृष्ण जन्माष्टमी
- 15 स्वतंत्रता दिवस
- 21 तीजा (हरितालिका)

याददाश्त

लक्ष्मी डेन्टाकेयर एण्ड इम्पलांट सेंटर
RSBY/MSBY स्मार्ट कार्ड से निःशुल्क इलाज कराएँ
सुविधाएँ
- संपूर्ण मुख एवं दाँत संबंधित समस्या का इलाज
- पायरिया का पूर्ण उपचार
- रूट कैनाल ट्रिटमेंट
- क्राउन एवं ब्रिज (फिक्स दाँत)
- बत्तीसी बनवाना
- टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों का तार द्वारा सीधा करना
- कास्मेटिक डेन्टल ट्रिटमेंट (ब्लिचिंग, स्केलिंग, फिलिंग)
- मुंह एवं जबड़े के फ्रेक्चर का इलाज
Kurmi Dr. LAXMIKANT KASHYAP
Kurmi Dr. NEHA KASHYAP
पता: श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पास, गीतांजली कंस्ट्रक्शन ऑफिस के बाजू में, अमेरी रोड, नेहरु नगर, बिलासपुर मो. 9907544212, 9406068809

कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर — कूर्मि श्रीकांत चन्द्राकर — कूर्मि विभावना चन्द्राकर
आर्या श्री चन्द्राकर — शिवाय चन्द्राकर — आराध्या चन्द्राकर

पाटनवार परिवार की ओर से सभी स्वजाति बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन...

कूर्मि ईश्वर लाल - शारदा पाटनवार
कूर्मि अरूण-दुर्गेशनंदिनी पाटनवार
कूर्मि कमल किशोर - नवीता पाटनवार
स्वधा, शिवांश, प्रियांशु, प्रसुन्न, सौम्या पाटनवार परिवार

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ....

कूर्मि प्रदीप कौशिक
प्रदेश उपाध्यक्ष-छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
कूर्मि श्रीमती नूरीता कौशिक
मो. 9893751308

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ....

कूर्मि श्रीमती प्रभा वर्मा — कूर्मि शिवा वर्मा — कूर्मि वेदान्त वर्मा — कूर्मि एल.पी. वर्मा

आशीर्वाद लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

अगस्त -2020

कूर्मि समाज द्वारा समाज विकास हेतु प्राथमिकता से किए जाने वाले कार्य

क्रमश: अंक 5 से आगे....

कूर्मि समाज का राशिफल व दोष विवारण उपाय (कूर्मि समाज हेतु त्वरित किए जाने वाले सुझावात्मक कार्ययोजना) कूर्मि समाज दृष्टिकोण दस्तावेज Vision Documents

भारत एक कृषि प्रधान देश है। देश का 85 प्रतिशत हिस्सा कृषि व कृषि व्यवसाय पर पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में कूर्मि समाज के 95 प्रतिशत लोग परंपरागत कृषि कार्य से संबंधित कार्य से जुड़े हुए हैं। भारत देश में लगभग 28.24 करोड़ कूर्मि समुदाय के लोग हैं। इसमें महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, गुजरात, बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु, मध्यप्रदेश, आंन्ध्रप्रदेश, झारखण्ड जैसे 10 प्रमुख राज्यों में कूर्मियों की संख्या प्रत्येक राज्यों में 1 करोड़ से ज्यादा है। वहीं महाराष्ट्र में कुल जनसंख्या का 58 प्रतिशत जनसंख्या कूर्मि समूदाय का है। कुल आबादी के हिसाब से देखें तो क्रमश: उड़ीसा, गुजरात, झारखण्ड, कर्नाटक, आंन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य हैं; जहाँ पर कूर्मियों की जनसंख्या का प्रतिशत क्रमश: 48, 30, 30, 27, 23,23, 22 प्रतिशत है। इतनी बड़ी आबादी के लिए केवल 1 या दो दिन के कार्यक्रम या सम्मेलन से समाज की दशा व दिशा बदलने की बात करना ख्याली पुलाव ही होगा। हमें समाज के लिए ठोस कार्ययोजना व रणनीति के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

आज बहुराष्ट्रीय कम्पनियां खाद्य आधारित उत्पादन से दिन प्रतिदिन नए आयाम गढ़ रहे हैं; जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले समय में चिर स्थाई व्यवसाय के रूप में कृषि कार्य शीर्ष पर होगा। अत: हमारे कूर्मि समाज द्वारा आगामी दिवसों में अवसर आधारित कार्य की ओर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है। इस प्रकार के कार्य से न केवल हमारी सरकारी नौकरी पर निर्भरता कम होगी बल्कि रोजगार के भी नवीन अवसर बढ़ेगे।

अब समाजिक संगठनों को परिणामूलक कार्य करते हुए विकासात्मक कार्य को एजेण्डा में शामिल करते हुए समय के अनुकूल कार्ययोजना निर्माण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आइए जानते है कि किन -किन क्षेत्रों में आमागी 5 वर्षों के लिए कूर्मि संगठन को परिणाममूलक कार्य करने की जरूरत है:-

1. **संगठनात्मक नेटवर्किंग व जिम्मेदारी का चिन्हांकन:**-पूरे राज्य व राष्ट्र में कार्यरत कूर्मि संगठनों को सूचीबद्व करते हुए उनके प्रकृति व कार्य विशेषता तथा क्षमता को ध्यान में रखते हुए सालभर के लिए लिए रोस्टर निधारित कर कार्यक्रम कियान्वयन किया जाना आवश्यक है। इस कार्य से सभी संगठन को न केवल अपने क्षमता के आधार पर कार्यक्रम का क्रियान्वयन होगा बल्कि कार्यक्रम दुहराव से बचते हुए समाज को विभिन्न विकासमूलक कार्य मिलेगा। इस प्रकार जिम्मेदारी के चिन्हांकन व बंटवारे से समाज में परिणाममूलक कार्य प्रारंभ होगा।
2. **फूड़ प्रोसेसिंग आधारित व्यवसाय:**-हमारा कूर्मि समाज अनाज उत्पादन में अग्रणी है, किन्तु उसका प्रासेसिंग के क्षेत्र में भागीदारी लगभग न्यून है। हम सालभर मेहनत करके जितनी भी कमाई करते है; बनिया या विचौलिया वर्ग केवल 1 माह में 10 गुना कमाई करके समृद्धि प्राप्त कर दिन दूनी रात चौगुनी कमाई कर रहे है। कूर्मि समाज जमीन से जुड़ा है और यदि वे फूड प्रोसेसिंग व्यवसाय में कदम रखेंगे तो संसाधन व व्यवसाय एक होने से व्यवसाय के लिए बेहतर माहौल मिलेगा। इस हेतु सभी समाज प्रमुख/संगठनों को अपने एजेंडा में शामिल करते हुए इस दिशा में ठोस कदम उठाना अति आवश्यक है। इस व्ययवसाय को कृषि विभाग द्वारा विशेष प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। समाज प्रमुखों की जिम्मेदारी है कि समाज से कृषि विभाग में कार्यरत अधिकारियों का 'एग्रो मिट' का आयोजन कर विभाग से मिलने वाले अनुदान व सब्सिडी का लाभ समाज के लोगों को मिले इस दृष्टिकोण से ठोस रणनीति का निर्माण किया जावें।
3. **एग्रो बिजनेस आधारित आऊटलेट्स व नेटवर्किंग:**- कृषि कार्य से जुड़े होने से अधिकतर कृषि आधारित उत्पादों जैसे खाद, कीटनाशक दवाईयाँ, उच्च गुणवत्ता के अनाज की बिक्री जैसे एग्रो बिजनेस आधारित आऊटलेट्स को बढ़ावा देने जैसे कार्य सामाजिक संगठनों को प्रमुखता से करना होगा। इस प्रकार के कार्य से समाज के शिक्षित युवाओं को न केवल व्यवसाय मिलेगा बल्कि समाज को बनिया या बिचौलिया लोगों के धोखा से भी मुक्ति मिलेगी। इस व्यवसाय में अधिकतर ग्राहक भी हमारे समाज से है और उत्पादक भी कूर्मि समाज से ही है।
4. **उन्नत व बाजार आधारित कृषि:**-समाज प्रमुखों का कार्य अपने समाज के सभी लोगों को उन्नत कृषि व बाजार आधारित कृषि के लिए प्रेरित करने व आदान-प्रदान (एक्पोज़र विजिट) भ्रमण यात्रा के माध्यम से माहौल तैयार करने का कार्य होना चाहिए। हर प्रदेश के समाज को इस दिशा में कार्य किया जाना चाहिए।
5. **समाजिक प्रतिभाओं का चिन्हांकन व समाज विकास में उपयोग:**-समयानुसार कूर्मि समाज में भी उच्च पदों में पदस्थ अधिकारियों व व्यावसायिओं का चिन्हॉकन करते हुए उनके ज्ञान का उपयोग कार्यक्रम आयोजन कर करते हुए उनके विशेषज्ञता व ज्ञान का लाभ समाज के लोगों तक पहुचांने की महती जिम्मेदारी सामाजिक संगठनों का होना चाहिए।
6. **थीम आधारित कार्यक्रम क्रियान्वयन:**-कूर्मि समाज में नई प्रतिभाओं को निखारने व उन्हें उचित माहौल प्रदान करने के लिए थीम आधारित कार्यक्रम का क्रियान्वयन करने की महती आवश्यकता है। जैसे खेल, सांस्कृतिक संवर्धन, कवि सम्मेलन, साहित्य व विचार गोष्ठी का आयोजन इत्यादि।
7. **स्वावलंबी आधारित पुरोहित निर्माण:**-आज पूरे समाज में समस्त पूजा पाठ हवन संस्कार, मंदिर के पुजारी का ही एकाधिकार केवल इन तथाकथित ब्राम्हण जाति के पास ही आरक्षित है; भले ही उसमें ज्ञान शिक्षा कुछ भी हो और हम लोग इनके गुलाम बने हुए हैं। हमारा आर्थिक शोषण कर वे ऐशो आराम की जिंदगी जी रहे हैं और हम पर राज कर रहे हैं। इन्हीं रूढ़ीवादी परंपरा एवं दकियानूकसी सोच व विचाधारा को दूर करने तथा समाज के लोगों को मानसिक गुलामी से मुक्ति दिलाने तथा आर्थिक शोषण से बचाने के हेतु स्वजातियों को ही पुरोहित कर्म में प्रशिक्षित करने के अभियान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए; ताकि समाज के ही लोग अपने बीच समाज में जाकर सभी प्रकार के पूजा पाठ, हवन, संस्कार, पर्व पूजन, गृह प्रवेश आदि कार्यक्रम सम्पन्न करा सके, साथ ही प्राप्त धनराशि का समाज हित में ही उपयोग कर समाज को आगे बढ़ाने में भी अपनी भूमिका निभा सकें।
8. **कृषि से जुड़े व्यवसाय के क्षेत्र में भागीदारी:**- कूर्मि समाज का जीवकोपार्जन कृषि आधारित है। निश्चित रूप से हमें वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए कृषि से जुड़े व्यवसाय की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे पोल्ट्री फार्म, मछली उत्पादन, फूलों की खेती इत्यादि।
9. **उद्योग व व्यवसायिक गतिविधियों का संवर्धन:**-कूर्मि समाज की भागीदारी उद्योग के क्षेत्र में नगण्य है। आगामी समय में समाज की भागीदारी उद्योग व व्यवसाय के क्षेत्र में बढ़ाने की दिशा में सामाजिक संगठन को कार्य करने की आवश्यकता है। प्रारंभिक रूप में राईस मिल, गन्ना प्रोसेसिंग उद्योग, तेल प्रोसेसिंग उद्योग इत्यादि।
10. **कैरियर काऊंसलिंग कार्यक्रम को बढ़ावा:**-कूर्मि समाज के आगामी पीढ़ियों को समुचित मार्गदर्शन देने हेतु समाज के द्वारा कैरियर काऊंसलिंग कार्यक्रमका आयोजन नियमित किया जाना होगा; ताकि समाज के बच्चों को भविष्य के लिए सही दिशा मिल सकें।
11. **विभिन्न कार्य आधारित समूहों का सम्मेलन व समाजिक संवर्धन:**-वर्तमान समय में भी कूर्मि समाज के लोग विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे है। सामाजिक संगठनों को उन्हें समाज विकास की मुख्यधारा में जोड़ने की पहल किया जाना होगा। इसके लिए समाज प्रमुखों के द्वारा उपसमुहों के थीम आधारित भेंट मुलाकात कार्यक्रम, गोष्ठियाँ, कार्यशाला, सम्मेलन इत्यादि का आयोजन कर उनका समुचित उपयोग किया जाना चाहिए। जैसे-वकील मीट, शिक्षक सम्मेलन, डॉक्टर सम्मेलन, उद्योगपति भेंट, ठेकेदार जुड़ाव, एग्रो व्यवसाय इवेन्टस इत्यादि। समाज प्रमुखों की जिम्मेदारी है कि इसी प्रकार की कार्यक्रम आयोजन करते हुए समाज के अंतिम लोगों तक लाभ पहुंच इस दृष्टिकोण से ठोस रणनीति का निर्माण किया जावें।

इसके अतिरिक्त भी सामाजिक संगठनों को आमागी 5 वर्षों के लिए निम्नानुसार क्षेत्रों में परिणाममूलक कार्य करने की जरूरत है:-

1. संगठनात्मक व नेतृत्व क्षमता विकास।
2. राजनीतिक क्षेत्र।
3. व्यावसायिक, प्रबंधन व तकनीकी शिक्षा।
4. कृषि व व्यावसाय।
5. प्रशासनिक सेवा।
6. सूचना प्रौद्योगिकी।
7. अनुसंधान कार्य।
8. खेल।
9. सांस्कृतिक विकास।
10. कानूनी शिक्षा व उपयोग।
11. साहित्य संवर्धन।
12. सामाजिक दायित्वों का निर्वहन

कितनी अजीब बात है कि गुलामी की जब आदत पड़ जाती है तो हर कोई अपनी ताकत को भूल जाता है ।

उपरोक्त गतिविधियों का बंटवारा जिला/संभाग/प्रदेश में कार्यरत विभिन्न संगठनों द्वारा परस्पर समंभव से किया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि समाज का समग्र विकास संयुक्त प्रयास से ही संभाव्य है। उपरोक्त कार्य 5 वर्ष के अंतर्गत प्राथमिकता से किया जाना है। समाज चाहे तो उपरोक्त गतिविधियों के अलावा और भी कार्य जोड़ सकते है। बैठक से तात्पर्य कम से कम 4 घंटे का परिणामूलक चर्चा व क्रियान्वयन है।

//समाज विकास के मूल मंत्र//

अधिकार के लिए लड़ों, लड़ नहीं सकते तो बोलों।
बोल नहीं सकते तो लिखों, लिख नहीं सकते तो साथ दो।।
साथ नहीं दें सकते तो, जो लिख-बोल या लड़ सकते है; उनका मनोबल बढ़ाओं।
यह भी नही कर सकते तो कम से कम, उनका मनोबल गिराओ तो मत ।
क्योंकि वही लोग है, जो आपके हिस्से की लड़ाई लड़ रहे है।।

■■■

कूर्मि हीरालाल काव्योपाध्याय   कूर्मि पुरुषोत्तम कौशिक
स्मरण दिवस 11 सितम्बर 1884 जन्म 23-9-1930, निर्वाण 05-10-2017

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो

आश्विन प्रारंभ ता. 2 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

सितंबर- 2020

समाज का हाथ पकड़कर चलों, दूसरे का पैर पकड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी - चेतना मंच

शरद ऋतु

जन्मदिन
10 सितम्बर
कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

जो तर्क नहीं करता; वो धर्मांध है एवं जो तर्क नहीं कर सकता; वो मूर्ख हैऔर जो तर्क करने का साहस नहीं कर सकता; वो गुलाम है
-तथागतबुद्ध

पंचक
1 सितम्बर, मंगलवार 3.48 सुबह से
6 सितम्बर, रविवार 2.22 रात्रि तक
28 सितम्बर, सोमवार 9.41 सुबह से
3 अक्टूबर, शनिवार 8.51 सुबह तक

मूल
4 सितम्बर, शुक्रवार 11.28 रात्रि से 7 सितम्बर, सोमवार 5.24 सुबह तक
14 सितम्बर सोमवार 3.52 दोपहर से 16 सितम्बर बुधवार 12.21 दोपहर तक
22 सितम्बर मंगलवार 7.19 संध्या से 24 सितम्बर गुरुवार 6.10 संध्या तक
गृह प्रवेश -नहीं है **विवाह मुहूर्त** -नहीं है

Mahindra Rise
मदन महिन्द्रा
कूर्मि राजा नायक
पथरिया मोड़ के पास बरेला ब्रांच, एनएच 130, मोहभट्ठा चौक, सरगांव, जिला मुंगेली (छ.ग.) मो. 9977670000

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001:2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

सोम MONDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 1 अनंत चतुर्दशी 16 प्राणनाथ जयंती 17 विश्वकर्मा जयंती 17 सर्वपितृमोक्ष अमावस्या	आश्विन कृष्ण 5 **7** भरणी	आश्विन कृष्ण 12 **14** हिन्दी दिवस पुष्य	आश्विन शुक्ल 5 **21** विश्व शांति दिवस विशाखा	आश्विन शुक्ल 12 **28** विश्व रेबीज दिवस शहीद भगतसिंह जयंती घनिष्ठा
मंगल TUESDAY	भाद्रपद शुक्ल 14 **1** गणेश विसर्जन अनन्त चतुर्दशी घनिष्ठा	आश्विन कृष्ण 6 **8** विश्व साक्षरता दिवस भरणी	आश्विन कृष्ण 13 **15** अभियंता दिवस डॉ. विश्वेश्वरैया जयंती विश्व लोकतंत्र दिवस प्रदोष व्रत अश्लेषा	आश्विन शुक्ल 6 **22** विश्व गुलाब दिवस अनुराधा	आश्विन शुक्ल 13 **29** विश्व हृदय दिवस प्रदोष व्रत शतभिषा
बुध WEDNESDAY	भाद्रपद शुक्ल 15 **2** विश्व नारियल दिवस पूर्णिमा शतभिषा	आश्विन कृष्ण 7 **9** कृत्तिका	आश्विन कृष्ण 14 **16** विश्व ओजोन दिवस प्राणनाथ जयंती मघा	आश्विन शुक्ल 7 **23** कौशिक जयंती ज्येष्ठा	आश्विन शुक्ल 14 **30** विश्व बहरा दिवस पू.भा.
गुरु THURSDAY	आश्विन कृष्ण 1 **3** भारतेन्दु दिवस पू.भा.	आश्विन कृष्ण 8 **10** जीवित्पुत्रिका व्रत विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस रोहिणी	आश्विन कृष्ण 15 **17** विश्वकर्मा पूजा पितृमोक्ष अमावस्या पू.फा.	आश्विन शुक्ल 8 **24** मूल	**याददाश्त**
शुक्र FRIDAY	आश्विन कृष्ण 2 **4** उ.भा.	आश्विन कृष्ण 9 **11** विनोबा भावे जयंती मृगशिरा	आश्विन शुक्ल 1 **18** उ.फा.	आश्विन शुक्ल 9 **25** पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती पू.आ.	
शनि SATURDAY	आश्विन कृष्ण 3 **5** शिक्षक दिवस डॉ. राधाकृष्णन जयंती विश्व दान-पुण्य दिवस संकष्टी चतुर्थी रेवती	आश्विन कृष्ण 10 **12** आर्द्रा	आश्विन शुक्ल 2/3 **19** चित्रा	आश्विन शुक्ल 10 **26** विश्व समुद्री दिवस आचार्य श्रीराम शर्मा जयंती उ.आ.	
रवि SUNDAY	आश्विन कृष्ण 4 **6** अश्विनी	आश्विन कृष्ण 11 **13** इन्दिरा एकादशी पुनर्वसु	आश्विन शुक्ल 4 **20** स्वाति	आश्विन शुक्ल 11 **27** विश्व पर्यटन दिवस पापांकुशा एकादशी श्रवण	

चंद्राकर प्रोविजन स्टोर
गणेश चौक, नेहरू नगर, बिलासपुर
कूर्मि तोरवन चंद्राकर
प्रदेश कार्य. सदस्य -छ.ग.कू.चे.मं.
मो. 9300311288
कूर्मि श्रीमती रानी चंद्राकर
सदस्य महिला प्रकोष्ठ-छ.ग.कू.चे.मं.
समस्त स्वजातीय बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन...
कूर्मि भरत कश्यप
कूर्मि ममता कश्यप
पार्षद-वार्ड क्रमांक 05
अयोध्या नगर, न.पा.नि., बिलासपुर
श्री साँई कन्सलटेन्सी
गांधीनगर चौक (अमेरी रोड) नेहरू नगर बिलासपुर (छ.ग.) 495001

कूर्मि ईश्वर कश्यप
विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी
सरायपाली, जिला-महासमुन्द (छ.ग.) मो. : 8103638367

समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिवादन....
कूर्मि बद्री प्रसाद वर्मा
पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष, सुरेटी कू. क्ष. समाज
उपाध्यक्ष छ.ग. प्रदेश कूर्मि क्षत्रिय समाज, रायपुर
महासचिव- छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय समाज, जिला-कबीरधाम
मो. - 9752616483
कूर्मि बिरेन्द्र वर्मा
अध्यक्ष - युवा कूर्मि क्षत्रिय समाज
बोड़ला ब्लाक जिला कबीरधाम (छ.ग.)
मो. - 9752112857

दानवीर दाऊ कूर्मि श्री भोला प्रसाद
जन्मशताब्दी महोत्सव
श्री भोला कूर्मि क्षत्रिय छात्रावास एवं धर्मशाला ट्रस्ट
E-mail-manojverma51067@gmail.com @manojverma
कूर्मि इंजी. मनोज वर्मा
KBT KURMI BOARDING TRUST RAIPUR
कूर्मि डॉ. वासु वर्मा
मो. 9424107672

SUC
M/s. Sumati Construction
ENGINEERS & CONTRACTORS
Govt. "A" Class Electrical Contractor
Kurmi Pratik Kashyap
Mob. : 9893238898
Kurmi Mukul Madhav Kashyap
Mob. : 9893238898
P.K. Engineering
All Kinds of Distribution & Transmission Line Fitting, Line Hardware, Insulators & Electrical Goods for 33KV, 11 KV & L.T. Lines & General Order Supplier
Office : Gurudev Nagar, Mangla Chowk, Bilaspur (C.G.), E-Mail.prateek157.smd@gmail.com
Workshop : Ring Road, Near Babji Park, Bilaspur (C.G.)

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

अक्टूबर 2019 की स्थिति अनुसार वर्तमान में कूर्मि समाज के सांसदों की सूची

कुल लोक सभा सांसदों की संख्या - 67 (67 * 100 / 541 =12 % प्रतिनिधित्व) तथा कुल राज्य सभा सांसदों की संख्या - 15 (15 * 100 / 245 =6 % प्रतिनिधित्व)

Gujarat - Member of Parliament (Loksabha)

1 **Shri. Rameshbhai Lavjibhai Dhaduk**, (Porbandar), Dasijivan Krupa,9/11, Kailashbag, Dremland, Hotel Street, Gondal, Gujarat, Mob : 09825046200, E-mail : ramesh.dhaduk68@gmail.com

2 **Shri. Naranbhai Bhikhabhai Kachhadiya**, (Amreli), Sankul Road,Kanani Vadi, Amreli Bypass, Amreli, Gujarat - 361545, Tel: 02792-227878/011-23325105 Mob: 09925140545Mob: 09013180182 E-mail : mpamreli@gmail.com, mp_amreli@rediffmail.com

3 **Shri. Mohanbhai Kalyanji Kundariya**, (Rajkot) "Shivam Place, Darpan Society, Ravapar Road, Morbi, District - Borbi - 363641Tel: 02822-234400.Mob: 09825005386, Flat No. C1/31, Pandara Park, New Delhi - 110001 Tel : 011-23075386, Fax: 011-23380121 E-mail : mk.kundariya@sansad.nic.in, mk.kundariya@yahoo.com

4 **Shri. Hasmukhbhai Sombhai Patel**, (Ahmedabad East), 32, Vosjal Park Society, Ghodasar, Ahmedabad - 380050.Gujarat. Mob : 09327426122, E-mail : hasmukh_1160@yahoo.com

5 **Shri. Mitesh Rameshbhai Patel**, (Anand), Milankunj Society, At P.O. Vasad, Gujarat Mob: 09824024934 E-mail : mitesh@toordal.com

6 **Smt. Shardaben Anilbhai Patel**, (Mehsana) "10, Utsav Bunglows, Opp - T.V. Statopm, Thaltej, Ahmedabad, Gujarat. Ph: 02762-245563 E-mail : shardaapatel@gmail.com

7 **Shri. C.R. Patil**, (Navsari) "Shri. C.R. Patil,43-44, Dinabandhu Society, Bhatar Road, Surat - 395007 Gujarat Tel: 0261-2242501 Mob: 09824127694501, New M.S. Flats, Dr. Bishambar Das Marg, New Delhi - 110001 Tel: 011-2309336709013180249 E-mail : cr.patil@sansad.nic.incrpatiloffice@ymail.com, c_r_patil@yahoo.com"

Chhattisgarh - Member of Parliament (Loksabha)

8 **Shri Vijay Baghel**, (Durg), 7/B Street - 38, Sec - 5, Bhilai Nagar, C.G. Mob: 08770360478 vijay.baghel1503@gmail.com

Bihar - Member of Parliament (Loksabha)

9 **Shri Kaushalendra Kumar**, (Nalanda), Vill - Haidarchak, P.O. Khorampur, Thana Islampur, District - Nalanda, Bihar. Tel : 06122-310011, Mob: 09013180187, 0933467532247-49, South Avenue, New Delhi - 110011 Tel : 011-23795312 Mob : 9013180187, 09711062731 E-mail : kaushalendra.k@sansad.nic.in

10 **Shri. Rampreet Mandal**, (Jhanjarpur) Shri. Rampreet MandalDurgipatti, P.O. Khutauna, District - Madhubani, Madhubani - 847403 Mob: 09939992757

Andhra Pradesh- Member of Parliament (Loksabha)

11 **Shri. Lavu Sri Krishna Devarayalu**, Narasaraopet, D.No. 3-30-5/32, Brundavan Gardens Mob: 09491747777 E-mail : krishna.lavu@yahoo.in

12 **Shri. Jayadev Galla, Guntur** A - 54, Road-11, Film Nagar, Jubilee Hills, Hyderabad-500034 Mob: 09704697788, Room No. 111, and 112, New Building, Western Court Mob: 09717419535 jayadev.galla@sansad.nic.in jg@jayadevgalla.in

13 **Shri. Srinivas Kesineni**, Vijayawada, Kesineni Bhavan,Pinnalavari Street, Vijayawada - 520002 Andhra Pradesh Tel : 0866-2577885 Mob: 0789394676765, South Avenue, New Delhi - 110011Tel : 011-23012351 Mob: 09013869929 E-mail kesineni.srinivas@sansad.nic.in

Karnataka - Member of Parliament (Loksabha)

14 **Shri. D.V.Sadananda Gowda**, Bangalore North 15-22-1390/4 ""KAMALA"" 2nd Cross, Kankanandy Bendoorwell Lower, Mangalore, Dakshina Kannada - 575002, KarnatakaMob: 094481232491, Tyagraj Marg, New Delhi - 110011 Tel : 011-23795006 Mob: 9868180269 E-mail : sadananda.gowda@sansad.nic.in, sadanandagowda@yahoo.com

15 **Shri Prajwal Ravanna**, Hassan, House No. 43, Padavalahippe Village, Kasaba Hobli, Holenarasipura Taluk, Hassan District, Karnataka - 573211Mob: 09448364483 E-mail : prajwal8055revanna@gmail.com

16 **Shri Prathap Simha**, Mysore, Mysore Jaladarshini, DC -2, Cottage, Hunsur, Main Road, Mysore - 570005 Tel: 0821-2444999 Mob : 0948309889936, South Avenue, New Delhi-110011 Tel : 011-23793768 Mob: 09013869192, 09483098899 E-mail : prathap.simha@sansad.nic.in, mepratap@gmail.com

17 **Smt. Sumalatha Ambareesh**, (Mandya) 172/A, 21st Main, 2nd Phase, J.P. Nagar, Bangalore-560078, Karnataka, 09845052494 (M) E-Mail : sumabi@yahoo.com

18 **Shri Bache B.N. Gowda**, (Chikkballapur) No. 114, Lalbagh Road, Krishnappa Lay Out,Bangalore-560027, Karnataka, Tels. (044) 28150202, 09444141400 (M) E-Mail : sharathbachegowda@gmail.com

19 **Shri Doddaalahalli Kempegowda Suresh**, (Bangalore Rural) 602/A-6, 18th Cross, Upper Palace Orchards, Sadashivanagar,Bengaluru - 560080, Karnataka, Tel : (080) 23617000, 09845029142 (M) dksuresh18@gmail.com

20 **Km. Shobha Karandlaje** (Udupi Chikmagalur) 16, 2nd Main 3rd Cross, Chikkamaranahalli, New Bel Road, Karnataka, 09448087039 (M) Tel : (011) 23717975, 09448087039 (M) E-mail : karandljeshobha@gmail.com

21 **Shri Nalin Kumar Kateel** (Dakshina Kannada) No. 201, Ashoka Apartment,(Near Daiwajna Kalyana Mantapa), Hoigebail Road, Ashok Nagar,Mangalore - 575006 Karnataka, Tels : (0824) 2448888, 09448549445 (M) mpdkannada@gmail.com

Rajasthan - Member of Parliament (Loksabha)

22 **Shri. P. P. Chaudhary**, Pali, House No. 6, Central School Scheme, Jodhpur, Rajasthan- 342011Tel : 0291-2671282 Mob: 0941413573519, Teen Murti Lane, New Delhi - 110011.Tel: 011-23013031, 23017469 Mob: 09013869351, 09910830307 E-mail : pp.chaudhary@sansad.nic.in, ppchaudhary@gmail.com, mos-mlj@gov.in

23 **Shri. Devji Mansingram Patel**, Jalore, 10, Kalbiyon, Ka Vas, Vill- Jajusan, Sanchore, Jalore, RajasthanTel: 02979-210078, 285787Mob: 094141584888, Mahadev Road, New Delhi-110001 Tel : 011-23313450Mob: 09013180388 E-mail : dm.patel@sansad.nic.in, devjimp@gmail.com

Jharkhand- Member of Parliament (Loksabha)

24 **Shri. Chandra Prakash Choudhary**, Giridih, Village - Sandi, P.O. Sandi, Block-Chitrapur, District - Ramgarh, Jharkhand - 829150 Mob : 09572863363 E-Mail : cpcajsuparty@gmail.com

25 **Shri. Bidyut Baran Mahato**, Jamshedpu, Vill- Krishnapur, P.O. Industrial Area, Adityapur, P. S. Rit, Distt- Seraikella, Kharsawan, Jharkhand - 831013Mob: 09470386555177, North Avenue, New Delhi - 110001, Tel : 011-23092517 E-mail : mpbidyutmahato@gmail.com

Madhya Pradesh - Member of Parliament (Loksabha)

26 **Shri Ganesh Singh**, (Satna) Friends Colony, Near ITI, Satna, Madhya Pradesh - 485001 Tel: 07672-257999 Mob: 094251725088, Gurudwara Rakab Ganj Road, New Delhi - 110001Tel : 011-23323644 Mob: 09013180008" E-mail sganesh@sansad.nic.in loksabhasatna@gmail.com

Maharashtra- Member of Parliament (Loksabha)

27 **Dr. Subhash Ramrao Bhamre**, (Dhule), 16, Badgujar Plot, 80 Feet Road, Parola Road, Dhule - 424001 Tel: 02562-234630,233368 Mob: 0982316076025, Meena Bagh, New Delhi - 110011 Tel: 011-23063814 Mob: 09823160760 sr.bhamre@sansad.nic.in, drsubhashbhamre11@gmail.com, dr.subhash.bhamre@gmail.com

28 **Ms. Bhavana Gawali (Patil)**, (Yavatmal) Washim Plot No. 34A, Samarthwadi, Yavatmal, Maharashtra Tel: 07232-2253595 Mob : 0986818022242, Canning Lane, New Delhi - 110001 Tel: 011-23782070 Mob : 09868180222 gb.pundlikrao@sansad.nic.in, bhavana.gawali0222@gmail.com

26 **Shri. Udayanraje Pratapsingh Bhonsle**, (Satara), 1, Shukarawarpeth, Jalmndir Place, Satara- 415002. Tel: 02162 283103/4 Mob: 09822477700, 09422477700C-1/17, Pandara Park, New Delhi - 110003Tel: 011-23782196 E-mail : udayanrajebhonsle@gmail.com

27 **Shri. Prataprao Patil Chikhalikar**, (Nanded) At/P.O Chikhali, Tal-Kandhar Distt- Nanded - 431746 Mob : 09881414777 E-mail : pravin.chikhalikar7@gmail.com

28 **Shri. Sambhajirao Mane Dhairyasheel**, Hatkanangle, 347, Rukadi, Tal- Hatkanangale Kolhapur, Maharashtra Tel : 0230-2585733Mob: 09422044444 E-mail : dhairyasheelmane@gmail.com

29 **Shri. Sanjay Shamrao Dhotra**, Akola At & Post - Palso, (Badhe) Teh. Akola, Distt- Akola- 444001 Tel : 0724-2457214, 2452000AB-95, Shahjahan Road, New Delhi - 110003 Tel: 011-23078281 Mob: 9868180257" E-mail : sanjaysdhotre@gmail.com

30 **Shri. Hemant Tukaram Godse**, Nashi, Laxmi Niwas, Sansari Gaon,Maharashtra - 422401 Tel: 0253-2493254 Mob: 09822090707B-601, Gomti, M.S. Flats, BKS Marg, Opp - RML Hospital Gate No. 4, New Delhi - 110001. Tel: 011-23723607Mob: 09096397307, 08275016161 E-Mail : ht.godse@sansad.nic.in, nashikmphg@gmail.com

31 **Shri Prataprao Jadhav**, Buldhana, Shivaji Nagar, Mehkar, Distt - Buldhana, Mahashtra Tel: 07262-2247777 Mob: 0901318000317, Canning Lane, New Dlehi - 110001Tel: 011-23072412" E-mail : prataprao.jadhav@sansad.nic.in, jadhavprataprao25@gmail.com"

32 **Shri. Sanjay Haribhau Jadhav**, Parbhani, Late Balasaheb Thakre Nagar, House No. 10, Jintur Road, Parbhani, Maharashtra Tel: 02452-224254 Mob: 09422175500B-402, MS Flats, B.K.S. Marg, New Delhi - 110001 Mob: 09868223496 E-mail : jadhav.sanjay@sansad.nic.in

33 **Shri. Sanjay Sadashivrao Mandlik**, Kolhapur Chimgaon, P.O. Murgud, Tal - Kagal, District Kolhapur, Maharashtra Tel : 0231-2656183Mob: 09922998099 E-mail : sanjaymandlik099@gmail.com

34 **Shri. Ranjeetsinha Hindurao Naik**, Madha, Survey No. 406/407, At. P.O.-Nimbhore, Tal - Phaltan, Distt - Satara - 415528 Maharashtra Mob: 9592959796 E-mail : rhnswaraj@gmail.com

35 **Shri. Hemant Patil** (Hingoli) Tukai, H.No. 1/10/623, Raviraj Nagar, Taroda Naka Nanded, Maharashtra Mob: 09422871426 E-mail : patilhemant09@gmail.com

36 **Shri. Sanjay Ramchandra Patil**, Sangli At. & P.O Chinchani, Tal-Tasgaon, Distt - Sangli, Maharashtra - 416416 Tel: 02346-258404 Mob : 0982280400413 E, Ferozshah Road, New Delhi - 110001.Tel : 011-23782733 Mob : 09013869292, 09266378487 E-mail : sanjaykaka.patil@sansad.nic.in, sanjaykaka404@gmail.com

37 **Shri. Unmesh Bhaiyyasaheb Patil**, Jalgaon At/P.O.- Daregaon, "Sangharsh", Near Bhushan Mangal Karyalay, Bhadgaon Road, Chalisgaon, MaharashtraMob: 09423976388 E-Mail : unmeshbp@yahoo.com

38 **Shri Omprakash Bhupalsingh Rajenimbalkar**, (Osmanabad) At.- Govardhanvadi, P.O. Dhoki, Teh. & Distt-Osmanabad - 413508 Maharashtra, Mob: 09960625777 / 09822352000 E-mail : omraje01@gmail.com

39 **Shri. Vinayak Bhaurao Raut**, (Ratnagiri) Matrukrupa, Balwadi, Datta Mandir Road, Vakola, Santacruz (East) Mumbai - 400055.Mahashtra Tel : 022-26672759 Mob: 09820400219, C-4, M.S. Flats, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi - 110001Tel : 011-23319060 E-mail : vinayakbraut@gmail.com, vb.raut@sansad.nic.in

40 **Shri. Arvind Ganpat Sawant**, Mumbai-South, 3/87, Mithibai Bldg., Aacharya Donde Marg, Sewree, Mumbai - 400015, Mahashtra Tel : 022-24163600 Mob: 09869004488702, Narmada Apartment, Dr. B.D.Marg, New Delhi - 110001 Mob: 09969004488 E-mail : arvind.sawant@sansad.nic.in arvindsawantg@gmail.com

41 **Shri. Rahul Ramesh Shewale**, (Mumbai-South) Central, At "Shivtirtha" 10B/12, B.A.R.C., New Mandala Colony, Opp - Gate No. 6, Sion-Trombay Road, Mumbai - 400088, MahashtraTel: 022-25582244167, South Avenue, New Delhi - 110011 Tel: 011-2379472 6Mob: 09869982244 E-Mail : rr.shewale@sansad.nic.in rahul.shewale2014@gmail.com

42 **Dr. Shrikant Eknath Shinde**, (Kalyan) 101, Shiv Shakti Bhavan, Kisan Nagar - 2, Wagle Estate, Thane (W) - 400604 Maharashtra Tel: 022-25813758 Mob: 0986711282031, Meena Bagh, Maulana Azad Road, New Delhi - 110011 Tel: 011-23061719Mob: 09013869272 E-mail : shrikantshinde87@yahoo.in

43 **Smt. Supriya Sadanand Sule**, (Baramati) Silver Oak, Eastate, House No. 2, Breach Candy Mumbai - 400026 Mahashtra Tel : 022-23515605/235196586, Janpath Road, New Delhi - 110001. Tel: 011-23018870/23018619Mob: 09820060033 E-mail : supriyassule@gmail.com

44 **Shri. Rajan Baburao Vichare**, (Thane) B-103 D, Almeida Apartment, Charai, Thane (West) Mumbai - 400601 Mahashtra Tel : 022-25436767/25424997 Mob: 09821191111173, South Avenue, New Delhi - 110011 Tel: 011-23794670 rb.vichare@sansad.nic.inrajanbvichare@gmail.com

45 **Dr. Sujay Radhakrishna Vikhepatil**, (Ahmednagar) At. P.O.- Loni Br., Tal - Rahata Ahmednagar, Maharashtra Tel: 02422-273466 Mob: 09823212345 E-mail : sujay8998@gmail.com

46 **Shri Dada Rao Patil Danve**, (Jalna) Shivaji Nagar, Jalna Road, Tah.- Bhokardan, Dist-Jalna-431114, Maharastara Tel : 02485-240125, 240555, Mo. : 9868180280, E-mail : raosaheb.danve@sansad.nic.in

Odisha - Member of Parliament (Loksabha)

47 **Smt. Pramila Bisoyi**, (Aska) Cheramaria, P.O. Nalabanta, P.S. Aska, Distt - Ganjam, Odisha - 761111 Mob: 07683941934 E-mail : pramilabisoyi2019@gmail.com Odisha

48 **Shri. Bhartruhari Mahtab**, (Cuttack) Beharibag, Chandni Chowk, Cuttack - 753002 Odisha Tel: 0671-2507568 / 2508003 Mob: 09437228455, AB-94, Shahjahan Road, New Delhi - 110011 Tel: 011-23782589/23782742 Mob: 09868180308 E-mail : bhartruhari.mahatab@gmail.com

49 **Shri. Achyutananda Samanta**, (Kandhamal) N3/92, IRC Village, P.O./PS Nayapalli, Bhubaneswar, Odisha - 751015 Mob: 09437000928 E-Mail : achyuta.samanta@sansad.nic.in

50 **Smt. Sangeeta Kumari Singh Deo**, (Bolangir) Shailashree, P.O. Patnagarh, Distt - Bolangirr (Orissa) E-Mail : sangeeta.deo@sansad.nic.in

West Bangal - Member of Parliament (Loksabha)

51 **Shri. Jyotirmay Singh Mahato**, (Purulia) Village- Patradih, Post - Pusti, PS- Jhalda, Distt - Purulia - 723212 Mob: 09933787883 E-Mail : jyotirmaysingh111@gmail.com

Uttar Pradesh - Member of Parliament (Loksabha)

52 **Shri. Pankaj Chaudhary**, (Maharajganj) Harbans Gali, Sekhpur, P.O. Geeta Press, Gorakhpur - 273001 Tel: 0551-2341360Mob: 09868180565/09415008246 Bungalow No. 20, Pt. Ravishankar Shukla Lane (Canning Lane), Ferozeshah Road, New Delhi -110001Tel: 011-23782857 Mob: 09868180565 pankaj.chowdhary@sansad.nic.in, pankajchaudharyloksabha91@gmail.com

53 **Shri. Santosh Kumar Gangwar**, (Bareilly) Bharat Sewa Trust Bhawan, Pilibhit Road, Prem Nagar, Bareilly - 243122 Tel: 0581-2545555/2577777, 2577020(R) House No. 13, Sunehri Bagh Road, New Delhi - 110011 Tel: 011-23062135 / 23062136, E-Mail : santoshg@sansad.nic.insantosh.gangwar.bareilly@gmail.com, mot_fb@nic.in

54 **Smt. Anupriya Patel**, (Mirzapur) C-3/1, Aman Patel, Complex, 3/15, Vishnupuri, Kanpur-208002 Tel: 0522-2235211 Mob: 090138694825, Safdarjung Road, New Delhi - 110011 Tel: 011-23792610 Mob: 09013869482 E-Mail : officeanupriyapatel@gmail.com

55 **Smt. Keshari Devi Patel**, (Phulpur) IVill - Derrawari, P.O. Panduwa, Tehsil - Bara, Prayagraj Mob: 09415215358 / 09839505644 E-mail : kesharidevipatelphulpur@gmail.com

56 **Shri. R.K.Singh Patel**, (Banda) Baldav Ganj, Kashai Road, Karvi, Chitrakoot, Uttar Pradesh Tel: 05198-236100 Mob: 0941514399351, North Avenue, New Delhi - 110001Tel: 011-23093177Mob: 9013180108 E-Mail : rks.patel@sansad.nic.in

57 **Shri Shiromani Ram**, (Shrawasti) Vill - Pratappur, Chamurkha, Post - Chamurkha, Akbarpur, Ambedkarnagar Mob: 09838127700 E-mail : ramshiromani4949@gmail.com

58 **Shri. Rajesh Verma**, (Sitapur), SitapurTown & Post - Tambaur, Distt - Sitapur, Uttar Pradesh Tel: 05862-257352 Mob: 94151177776, Windsor Place, Opposite Hotel Le Merridian, New Delhi - 110001Tel: 011-23320140 Mob: 09013869433 E-mail : verma.rajesh@sansad.nic.in, suneetkverma@yahoo.co.in

59 **Smt. Rekha Arun Verma**, (Dhaurahra) Village - & P.O Maqsoodpur, Teh - Mohamadi, Distt - Lakhimpur Kheri, Uttar PradeshTel: 023-39997Mob: 0993508195276, North Avenue, New Delhi - 110001Mob: 09013869432

Telangana - Member of Parliament (Loksabha)

60 **Shri. Bheemrao Baswanthrao Patil**, (Zahirabad), Plot No. 55, Sagar Society, Banjara Hills Road, Hyderabad - 500034 Mob: 09000745000B-302, M.S. Flats, B.K.S. Marg, New Delhi - 110001Tel: 011-23765542 E-Mail : bbpatil7777@gmail.com

61 **Shri Anumala Revanth Reddy**, (Malkajgiri) H.No. 3-48, Kondareddipally Village, Vangoor Mandal, Distt - Nagarkurnool - 509349 Mob: 09440900009 E-Mail : revanthreddy@yahoo.com

62 **Shri. G.Kishan Reddy**, (Secunderabad) H.No. 3-4-4, Flat No. 502, Legend Shri Lakshmi Appartments, Bhoomanna galli, Kachiguda Station Road, Hyderabad - 500027 Tel: 040-27568188 Mob: 09949099997 E-mail : gkishanreddy@yahoo.com

63 **Dr. Gaddam Ranjith Reddy**, (Chevella) H.No. 8-2-293/82/NL/137-138, New MLA and MP Colony, Jobilee Hills-500033 Hyderabad Mob: 09866395845 E-Mail : greddy1962@yahoo.co.in

64 **Shri. Komati Reddy Venkat Reddy**, (Bhongir) H.No. 6-2-842, Meerbagh Colony, Hyderabad Road, Nalgonda Town, Distt - Nalgonda - 508001 Mob : 09948297777 E-Mail : komatireddynlg@gmail.com

65 **Shri Kotha Prabhakar Reddy**, (Medak) Plot No., 82, Lumbini, SLN Sprints, Botanical Garden, Kondapur, Hyderabad, Telangana Mob: 09849037800/0801966666633, Meena Bagh, Opp - Vigyan Bhawan, New Delhi - 110001. Mob: 09849037800/08019666666 E-Mail : kr.prabhakar@sansad.nic.in, kprmedakmp@gmail.com

66 **Shri. Manne Srinivas Reddy**, (Mahabubnagar "Shri. Manne Srinivas Reddy, H.No. 2-89, Gurukunta Village and Post Nawabpet Mandal, Mahbubnagar - 509340. TelanganaMob: 09640879663 E-mail : mannesrinivasreddy225@gmail.com

67 **Shri. Uttam Kumar Reddy**, Nalgonda, House No. 3-199, Kodad Village and Mandal, Distt - Suryapet Mob: 09848051082, E-mail : uttamreddyn@gmail.com

Member Of Parliament (RAJYA SABHA) List :-

1 **Smt. Chhaya Verma**, (Indian National Congress) **Chhattisgarh**
C-501, Swarna Jayanti Sadan, Dr. B.D.Marg, New Delhi 110001, Tel. : 23724656, Mob: 9013181434

2 **Prof. M.V. RajeevGowda**, (Indian National Congress) **Karnataka**
1361, 9th Cross Road, J.P. Nagar, 1st Phase, Bengaluru 560078, Mobile: 9013181074, 9013181075

3 **Shri D. Kupendra Reddy** (Janata Dal -Secular) **Karnataka**
7557, Vangalahalli, HSR Layout, Sector-1, Agara Post, Bangalore, Mo.:9980055599, 9448155599

4. **Shri Beni Prasad Verma**, (Samajwadi Party) **Utter Pradesh**
3, Kushak Road, New Delhi - 110 003Tels.(011) 23792660 (R) 23061486 (O) Mo. : 9868180834

5. **Shri Ravi Prakash Verma** (Samajwadi Party) **Utter Pradesh**
Usha Nikunj, Mohalla-Bhoor, Gola Gokaran Nath, District-Lakhimpur Kheeri. 262802
Tel. : (05876)233433, Mobile: 9415325786, Mobile: 9868180092

6. **Shri ParshottamRupala** (Bharatiya Janata Party) **Gujrat**
2A, South Avenue Lane, New Delhi, 23793327, 23793347 Mob:9013181488, 9825326660

7. **Shri Mansukh Mandaviya** (Bharatiya Janata Party) **Gujrat**
202, Swarna Jayanti Sadan Deluxe, Dr. B. D. Marg, New Delhi
Tel : (011) 23312725, 23736067, 23736068, Mobile: 9013181970, 9013181551

8. **Shri Dharmendra Pradhan** (Bharatiya Janata Party) **Madhya Pradesh**
19, Teen Murti Marg, New Delhi. Tel. (011) 23014511, 23018696, Mobile: 9868180290, 9013181290

9. **Shri Rajmani Patel** (Indian National Congress) **Madhya Pradesh**
17, Ferozeshah Road, New Delhi 110001 Tel. : (011) 23070004

10. **Smt. Vandana Chavan** (Nationalist Congress Party) **Maharastara**
602, Swarna Jayanti Sadan Deluxe, Dr. B.D. Marg, New Delhi 110001
Tel. : (020)24333190, Mobile: 09422029000

11. **Shri Sanjay Dattatraya Kakade** (Independent & Others)
Lilawati Niwas, Plot No. 9, Yashwant Ghadge Nagar, University Road, Bhosale Nagar, Pune, Mahrashtra

12 **Shri Praful Patel** (Nationalist Congress Party)
26, Gurudwara Rakabganj Road, New Delhi 110001 Tel. : 23311986, (R), Mo.:9013181080

13. **Shri Sharad Pawar** (Nationalist Congress Party)
6, Janpath Road, New Delhi Tel. : 23018870, 23018619, 23018892,21430616

14. **Shri Narayan Rane** (Bharatiya Janata Party)
28, Akbar Raod, New Delhi 110011 Tel. : 011-23793020, 011-23010310 9868181400

15. **Shri Ram Chandra Prasad Singh** (Janata Dal (United))
C-402, Swarna Jayanti Sadan, Dr. B.D. Marg, New Delhi 110001
23708200, 23359207,23721258 Mobile: 9013181559, Mobile: 9473199323

कूर्मि सरदार वल्लभभाई पटेल — जन्म : 31 अक्टूबर 1875, निर्वाण : 15 दिसम्बर 1950
स्वामी आत्मानन्द — जन्म : 6 अक्टूबर 1929, निर्वाण : 27 अगस्त 1989

कूर्मि चेतना अंक - 6

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

आश्विन प्रारंभ ता. 2 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

अक्टूबर- 2020

हमेशा अच्छे लोगों के संगत में रहो, क्योंकि सुनार का "कचरा" भी बनिया के "बादाम" से मंहगा होता है - चेतनामंच

शरद ऋतु, ता. 23 से हेमन्त ऋतु

जन्मदिन
2 अक्टूबर
कूर्मि डॉ.व्ही.एस.निरंजन
राष्ट्रीय महासचिव-अ.भा.कूर्मि क्ष.महासभा
5 अक्टूबर
कूर्मि बी.आर. कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

मंदिर में दान करने से पहले, अपने समाज में देख लें। शायद आपके दान की जरूरत मंदिर से ज्यादा आपके समाज को हो सकता है - चेतनामंच

गृह प्रवेश नहीं है
विवाह मुहूर्त नहीं है

पंचक
28 सितम्बर, सोमवार 9.41 सुबह से
3 अक्टूबर, शनिवार 8.51 सुबह तक
25 नवम्बर, रविवार 3.27 दोपहर से
30 अक्टूबर, शुक्रवार 2.57 दोपहर तक

मूल
2 अक्टूबर शुक्रवार 5.57 सुबह से 4 अक्टूबर रविवार 11.53 सुबह तक
12 अक्टूबर सोमवार 1.19 रात्रि से 13 अक्टूबर मंगलवार 10.55 रात्रि तक
20 अक्टूबर मंगलवार 3.53 सुबह से 22 अक्टूबर गुरुवार 1.13 रात्रि तक
29 अक्टूबर गुरुवार 12.00 दोप. से 31 अक्टूबर शनिवार 5.58 संध्या तक

Mahindra Rise
मदन महिन्द्रा
कूर्मि राजा नायक

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001:2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

ऐच्छिक अवकाश
17 अग्रसेन जयंती
24 महाअष्टमी, महानवमी
31 महर्षि वाल्मीकी जयंती
महाराजा अग्रसेन देव जयंती
टेकचंदमहाराज समाधि उत्सव
कुंवार पूर्णिमा, करमा पर्व

याददाश्त

सोम MONDAY		5 आश्विन कृष्ण 3, भरणी	12 आश्विन कृष्ण 10, अश्लेषा	19 आश्विन शुक्ल 3, विशाखा	26 आश्विन शुक्ल 10, शतभिषा
मंगल TUESDAY		6 आश्विन कृष्ण 4, कृत्तिका; संकष्टी चतुर्थी; स्वामी आत्मानंद जयंती	13 आश्विन कृष्ण 11, मघा; परम एकादशी; वाल्मीकि जयंती	20 आश्विन शुक्ल 4, ज्येष्ठा	27 आश्विन शुक्ल 11, शतभिषा; पापांकुशा एकादशी
बुध WEDNESDAY		7 आश्विन कृष्ण 5, रोहिणी	14 आश्विन कृष्ण 12, पू.फा.; प्रदोष व्रत; विश्व मानक दिवस	21 आश्विन शुक्ल 5, मूल; आजाद हिन्द सेना दिवस	28 आश्विन शुक्ल 12, पू.भा.; प्रदोष व्रत
गुरु THURSDAY	1 आश्विन शुक्ल 15, उ.भा.; पूर्णिमा; वृद्धजन एवं रक्तदान दिवस; विश्व शाकाहारी दिवस	8 आश्विन कृष्ण 6, मृगशिरा; भारतीय वायु सेना दिवस	15 आश्विन कृष्ण 13/14, उ.फा.; डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती	22 आश्विन शुक्ल 6, पू.आ.	29 आश्विन शुक्ल 13, उ.भा.
शुक्र FRIDAY	2 आश्विन कृष्ण 1, उ.भा.; स्वच्छता दिवस; गांधी/शास्त्री जयंती	9 आश्विन कृष्ण 7, आर्द्रा; विश्व दृष्टि दिवस; विश्व डाक दिवस	16 आश्विन कृष्ण 15, हस्त; दर्श अमावस्या; विश्व खाद्यान्न दिवस	23 आश्विन शुक्ल 7, उ.आ.	30 आश्विन शुक्ल 14, रेवती; शरद पूर्णिमा; मिलाद-उन-नबी
शनि SATURDAY	3 आश्विन कृष्ण 2, रेवती	10 आश्विन कृष्ण 8, पुनर्वसु; राष्ट्रीय डाक दिवस; विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	17 आश्विन शुक्ल 1, चित्रा; अग्रसेन जयंती; नवरात्रि प्रारंभ, घट स्थापना; विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस	24 आश्विन शुक्ल 8/9, श्रवण; दुर्गा अष्टमी, महा नवमी; विश्व विकास सूचना दिवस; संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस	31 आश्विन शुक्ल 15, अश्विनी; आश्विन पूर्णिमा; सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती; इंदिरा गांधी पुण्यतिथि
रवि SUNDAY	4 आश्विन कृष्ण 2, अश्विनी; राष्ट्रीय अखंडता दिवस; विश्व पशु कल्याण दिवस	11 आश्विन कृष्ण 9, पुष्य; जयप्रकाश नारायण जयंती	18 आश्विन शुक्ल 2, स्वाति	25 आश्विन शुक्ल 9/10, धनिष्ठा; दशहरा; रामचन्द्र देशमुख जयंती	

शासकीय अवकाश
2 महात्मा गांधी जन्मदिवस
लाल बहादुर शास्त्री जयंती
25 दशहरा (विजया दशमी)
30 मिलाद-उन-नबी

मे. किसान मितान (कृषि केन्द्र)
कूर्मि हरेन्द्र चन्द्राकर
नवागांव (जैत) वाले
मो. 99772-48478
कीटनाशक दवाई एवं रासायनिक खाद, सब्जी बीज व धान, गेहूँ इत्यादि बीज के विक्रेता
मुंगेली रोड, लोरमी

कूर्मि रमाकान्त कौशिक
(अधिवक्ता)
पूर्व कार्यकारिणी सदस्य
जिला अधिवक्ता संघ, बिलासपुर (छ.ग.)
80853-88521, 98274-79626
मोटर, रेल, अग्नि, बिजली, पानी, लू, सर्प, बिच्छू से जनहानि पर मुआवजा
कार्यालय : मंगला चौक, सांई भोजनालय के पीछे, डांस क्लास के ऊपर, बिलासपुर
निवास : म.न.147, दीनदयाल कालोनी, सकरी-परसदा, कोटा रोड, बिलासपुर
जिला न्यायालय में सम्पर्क
पूर्व स्थायी लोक अदालत, बिलासपुर (छ.ग.)

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के 145 वीं जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं ...
कूर्मि धरमलाल कौशिक
नेता प्रतिपक्ष - छ.ग. विधानसभा
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, छ.ग. विधानसभा
कूर्मि अशोक कौशिक
सदस्य, जिला पंचायत बिलासपुर (बरतोरी) बिल्हा
वरिष्ठ महामंत्री
जिला कूर्मि युवा संगठन बिलासपुर (छ.ग.) मो. : 9754676947

DIGITAL COMPUTER SERVICES
Computer ,CCTV Camera Sale & Service
Mo. : 9993825772,8770025772
Beside Sky Zeem, Agrasen Chouk Bilaspur (C.G)
NATRAJ DANCE CLASS & DANCE STUDIO
Event Organizer, All Type Dance, Film Making, Short Movie, Album
Kurmi MANHARAN LAL SINGROUL
DIRECTOR
MO. 9993825772,8770025772
Akash Kashyap
Choreographer

समस्त स्वजातिय बंधुओं का हार्दिक अभिनंदन...
नायक नर्सिंग होम एवं मेटरनिटी सेंटर
अनुपम प्लाजा, त्रिमूर्ति मल्टीप्लेक्स, चाम्पा
डॉ. जी.के. नायक (अस्थि रोग विशेषज्ञ)
डॉ. निहारिका नायक परगनिहा (प्रसुति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ)
NMSC

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

अक्टूबर-2020

छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच-25 वर्ष (रजत जयंती) विकास यात्रा...

पृष्ठभूमि - 90 के दशक में बिखरे पड़े कूर्मि समाज में सामाजिक भावना संचारित करने हेतु कुछ चिंतनशील प्रबुद्धजनों के साथ ऊर्जावन साथियों को एक मंच में लाकर सामाजिक गतिविधियाँ प्रारंभ करने के लिये चेतना मंच की परिकल्पना हुई। 18 अप्रैल 1993 को छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच अस्तित्व में आया। भावना यही थी कि एक विश्वसनीय एवं प्रभावी साझा मंच के द्वारा भारत / प्रदेश में निवासरत कूर्मियों के समग्र विकास एवं सामाजिक चेतना का संचार किया जा सके।

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय से ही कल्पित छत्तीसगढ़ प्रदेश को प्राथमिकता के तौर पर कार्य क्षेत्र बनाते हुये मुख्यालय बिलासपुर में रखकर कार्य प्रारंभ किया गया। छत्तीसगढ स्तर में एक विश्वसनीय एवं प्रभावी साझा मंच के द्वारा छत्तीसगढ में निवासरत कूर्मियों में समग्र विकास एवं सामाजिक चेतना का संचार करने तथा सामाजिक एकीकरण की दिशा में मंच के गठन के बाद प्रथम ठोस महासम्मेलन 26 सितम्बर 1993 को ई.राघवेन्द्र राव सभा भवन, बिलासपुर में हुआ। पूज्य स्वामी वेदानंदजी के सानिध्य में प्रदेश के नामचीन व्यक्तियों के साथ ही समाज के राष्ट्रीय छविधारी महानुभाव एवं 24 फिरका प्रमुखों के अलावा प्रदेश के सुदूर अंचल से उपस्थित समाज के लोगों के मध्य समाज एकीकरण के लिए प्रस्ताव पारित किये गये तथा **''ऐकं पराक्रमं''** स्मारिका का प्रकाशन भी किया गया।

छ.ग.कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के संस्थापक सदस्य:- रामगोपाल कश्यप (स्व.), किशन लाल गहलोत (स्व.), बैजनाथ चन्द्राकर, गोपाल प्रसाद गहवई (स्व.)स्वतंत्र कुलमित्र, एस.पी.पटेल (स्व.), डॉ प्रदीप सिंगरौल, लक्ष्मी प्रसाद चन्द्राकर, सिद्धेश्वर पाटनवार, जगदीश वर्मा, लक्ष्मी कुमार गहवई, देवकुमार चंदेल(स्व.), डॉ शिवकांत पाटनवार, राजेन्द्र चन्द्राकर, राजेन्द्र कश्यप, मार्कण्डेय चन्द्राकर, डॉ गंगाराम सिंह, माधवनाथ चन्द्राकर, अनिरुद्ध चन्द्राकर, डॉ रामचंद्र चन्द्राकर, शोभाराम कौशिक, डॉ सुरेन्द्र कश्यप(स्व.)।

चेतना मंच का पंजीयन- छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ रखते हुये पंजीयक फर्म्स एवं सोसाइटी रायपुर से पंजीयन कराया गया; जिसका पंजीयन क्र. 37/छ.ग. राज्य दिनांक 6.10.2001 है। यह संस्था कूर्मि समाज के प्रथम राज्य स्तरीय पंजीकृत संस्था है ।

चेतना मंच की थीम आधारित स्थायी कार्य-

- **आगे बढ़ें, समाज गढ़े**-समाज के जन-जन में चेतना जागृत करना।
- **अहम तोड़ो, फिरका जोड़ों**-छ.ग. में निवासरत सभी उपजाति एवं अन्य प्रदेशों से आये कूर्मियों को एक जुट करना।
- **पढ़ना है, बढ़ना है** -बालिकाओं की शिक्षा पर समानता के साथ शिक्षित समाज का निर्माण।
- **महिला जगे, समाज जगे**-महिलाओं के उत्थान हेतु उनकी शक्ति का कुटीर उद्योग व आय मूलक कार्य पर उपयोग।
- **कृषि उपज बढ़ाना, उन्नत कृषक कहाना**-वैज्ञानिक पद्धति से उन्नत कृषि को बढ़ावा देना।
- **खर्चीली विवाह, परिवार तबाह**-सामूहिक विवाह को प्रोत्साहित एवं खर्चीली शादी को निरुत्साहित करना।
- **वैचारिक शोध, राष्ट्रीय बोध**- नैतिक आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय चेतना को विकसित करने की कटिबद्धता।
- **कोष संकलन, स्वावलंबन**-सामाजिक आर्थिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विकास के लिये केन्द्रीय कल्याण कोष की स्थापना।
- **पारदर्शी काम, श्रेष्ठतम परिणाम**-सद्भावना, सहभागिता, पारदर्शिता एवं मूल्य आधारित कार्यों के द्वारा संगठन का संचालन।
- **हम सब, एक हैं**-संगठित प्रयास द्वारा प्रजातांत्रिक अधिकारों की प्राप्ति एवं राजनीतिक चेतना का विकास।

चेतना मंच की प्रमुख गतिविधियाँ उपलब्धियाँ-

- **संगठनात्मक**-बिलासपुर संभाग में निवासरत 21 उपजातियों के एकीकरण के चुनौतीपूर्ण कार्य को करने हेतु प्रदेश समिति के अतिरिक्त बिलासपुर संभाग एवं जिला समिति का गठन। चेतना मंच में बिलासपुर को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, भिलाई, महासमुंद, कवर्धा, धमतरी, जगदलपुर, जांजगीर, कोरबा, कोरिया, सरगुजा, रायगढ़, सुरजपुर, बलरामपुर, मुंगेली जैसे कूर्मि बाहुल्य जिले में बैठक एवं गोष्ठी के माध्यम से सामाजिक एकीकरण की दिशा में जो प्रयास किये गये उसके सार्थक परिणाम परिलक्षित हुए।
- **सरदार पटेल जयंती एवं प्रतिभा सम्मान** - स्थापना काल से बिलासपुर संभाग के जिला, ब्लाक, पंचायत स्तर पर प्रति वर्ष पखवाड़े भर का निरंतर सरदार पटेल जयंती का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में पखवाड़े के अंत में वृहद आयोजन बिलासपुर मुख्यालय में सम्पन्न किया जाता है। इसमें प्रभावी रैली, फिरका प्रमुख, मुर्धन्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रतिभावान विद्यार्थियों, विभिन्न विधा के विभूतियों का सम्मान किया जाता है।
- **निर्धन प्रतिभावान विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग** - समाज के उदार दानदाताओं के सहयोग से लगातार यह कार्य जारी है। समाज के निर्धन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को व्यावसायिक पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु डॉ. प्रदीप सिंगरौल एवं जगदीश कौशिक परिवार द्वारा लगातार पांच वर्षों तक आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। इसके अलावा समय-समय पर प्रबुद्ध समाज सेवियों द्वारा सहयोग प्रदान किया गया ।
- **सामूहिक विवाह** - चेतना मंच द्वारा सभी उपजातियों को शामिल करते हुये 26 मई 2002 को दहेज मुक्त सामूहिक विवाह का प्रथम आयोजन किया गया। जिसमें अलग-अलग फिरकों के 11 जोड़े प्रणय सूत्र में आबद्ध हुये। इस आयोजन को प्रदेश में सर्व कूर्मि का प्रथम सामूहिक विवाह होने का गौरव प्राप्त है। छ.ग. प्रदेश के तत्कालीन गृहमंत्री माननीय नंदकुमार पटेल एवं राजस्व मंत्री माननीय भूपेश बघेल का इस आयोजन में सम्बल प्राप्त हुआ। इसके बाद 4 मई 2003 को 9 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। 3 अप्रैल 2009 को इंजी. सुरेश कौशिक एवं डॉ. वीणा वर्मा का आदर्श विवाह सम्पन्न कराया गया ।
- **युवक-युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन**- चेतना मंच द्वारा 2001 से ''स्मारिका चेतना'' का प्रकाशन एवं युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 2008 तक बिलासपुर में किया जाता रहा है। 21 दिसम्बर 2008 को चेतना मंच एवं युवा कूर्मि मित्र मण्डल, भिलाई नगर के संयुक्त तत्वावधान में कूर्मि संझा का आयोजन बिलासपुर में किया गया । तत्पश्चात 2008 से युवा कूर्मि मित्र मंडल भिलाई के द्वारा स्मारिका एवं परिचय सम्मेलन को ग्राह्य कर विस्तार दिया गया।
- **फिरका जोड़ों अभियान** - फिरका प्रमुखों के साथ बैठक, गोष्ठी एवं अनेक आयोजनों के द्वारा सामाजिक एकीकरण का कार्य लगातार जारी है। काफी लंबे प्रयास के बाद सभी फिरका प्रमुखों को एक मंच में लाकर 6 नवम्बर 2005 को उन्हें सम्मानित किया गया। फिरकों के अस्तित्व को मिटाए बिना कूर्मि-महाशक्ति का स्वरुप विकसित करना ध्येय रहा।
- **कला संस्कृति संवर्धन** - वाद-विवाद, निबंध लेखन, संस्कृति ज्ञान, सामान्य ज्ञान, गायन नृत्य आदि का आयोजन युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से संपादित किये जाते हैं। वहीं हरेली मिलन, तीजा, पोला मिलन, छेर-छेरा मिलन आदि कार्य महिला प्रकोष्ठ के माध्यम से करते हुये इन त्यौहारों को जीवंत रखने का प्रयास किया जा रहा है। चेतना मंच के लिखित अनुरोध पर हरेली त्यौहार को 2001 में तत्कालीन मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ के निर्देश पर स्वेच्छिक अवकाश घोषित किया गया था। 2018 में हरेली झमाझम के नाम से स्थानीय संस्कृति को बढावा देने के लिए संस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसे भूपेश बघेल सरकार ने सामान्य अवकाश की सूची में शामिल कर स्थायी अवकाश प्रदान किया गया है।
- **स्वजातीय जनप्रतिनिधियों का सम्मान**- सामाजिक एकता से राजनीतिक चेतना का बोध समाज में जगाने हेतु प्रत्येक निर्वाचन पश्चात् नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान समारोह पूर्वक किया जाता है।
- **स्वजातीय प्रेरणा दायक व्यक्तित्व सम्मान**- समाज के मूर्धन्य, दानशील तथा अपने विशिष्टतम कार्य से प्रेरणा देने वाले विभूतियों का सम्मान व स्मरण कर अन्यों को उस दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन करना ।
- **कूर्मि कृषक सम्मान** - वैज्ञानिक व तकनीकि कृषि को बढ़ावा देने हेतु समाज द्वारा प्रतिवर्ष पटेल जयंती के अवसर पर कूर्मि कृषि सम्मान दिया जाता है। **'कूर्मि कृषि रत्न'** (सर्वश्रेष्ठ किसान धान-गेहूं-चना-सोयाबीन तिलहन हेतु) **'कूर्मि कृषि भूषण'** सर्वश्रेष्ठ किसान (फल एवं साग सब्जी) **'कूर्मि कृषि श्री'** सर्वश्रेष्ठ (महिला किसान हेतु आरक्षित) प्रारम्भ कर प्रतिवर्ष दिया जाता है ।
- **प्रशिक्षण** -पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के क्षमता विकास हेतु कार्यशाला एवं प्रशिक्षण का आयोजन कई अवसरों पर किया जाता है। इसके साथ ही कृषि, लघु व्यवसाय, कुटीर उद्योगों की जानकारी एवं कौशल विकास हेतु भी प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं। मंच द्वारा अब तक आयोजित किये गये क्षमता विकास प्रशिक्षण का विवरण निम्नानुसार है -06 फरवरी 2006 डॉ. कौशिक क्लीनिक, बिलासपुर, 11 फरवरी 2012 होटल सेन्ट्रल पाईंट, बिलासपुर, 14 अगस्त 2014 आयुर्वेदिक अस्पताल, बिलासपुर, 13 जून 2014 रतनपुर, बिलासपुर, 22 जुलाई 2018, संजीवनी अस्पताल, बिलासपुर तथा 17 मार्च 2019 को रायपुर में समाज व संगठन प्रमुखों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित किया गया ।
- **कूर्मि चेतना पंचांग प्रकाशन** - समाज के नवीन पीढ़ियों में कूर्मि समाज के इतिहास, संस्कृति एवं महापुरुषों के जीवनी से भरा एक ऐसा कलेवर जो 365 दिन समाज के लोगों के लिए रेडी रेफरेंस के रूप में तैयार किया गया है । इस पंचाग में न केवल तिथियों की जानकारी समाहित किया गया है, बल्कि समाज के ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि की जानकारी के साथ-साथ व्यवहार परिवर्तन व संस्कृति के आयाम भी जोड़े गए है। चेतना मंच द्वारा अब तक 6 अंक प्रकाशित किए जा चुके हैं । जो क्रमश: है-अंक 1 , 2 नवम्बर 2014 को, 1 नवम्बर 2015 अंक 2, 27 नवम्बर 2016 अंक 3, 5 नवम्बर 2017 अंक 4, 4 नवम्बर 2018 अंक 5 एवं 10 नवंबर 2019 को अंक 6 के नीत -नवीन नये कलेवर के साथ प्रकाशित किये जा रहे हैं ।
- **सोशल मीडिया प्रबंधन** -चेतना मंच द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग कर समाज विकास का कार्य भी किया जा रहा है। सोसल मीडिया में फेसबुक, वाट्सएप, ई-मेल पर एकाउंट खोला गया। नवीन तकनीक आधारित संचार व्यवस्था का उपयोग संगठन की बैठक, कार्यक्रमों की गतिविधियाँ आदि को डिजिटल माध्यमों से प्रसारित किया जा रहा है। इसमें संगठन का प्रभाव बढता है तथा मजबूती मिल रही है। कूर्मि समाज द्वारा डिजिटल सेक्रेट्रियेट का संचालन किया जा रहा है। वर्तमान में कूर्मि चेतना पंचांग राष्ट्रीय स्तर पर कूर्मि समाज के विभिन्न प्रान्तों में सर्व ग्राह्य व लोकप्रिय है ।

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों का कार्यकाल-विवरण

क्रं.	अवधि	प्रदेशाध्यक्ष	प्रदेश उपाध्यक्ष	प्रदेश महासचिव	प्रदेश कोषाध्यक्ष
1	1993-2000	कूर्मि एल.पी.चन्द्राकर	कूर्मि सर्वश्री सीताराम कश्यप, स्वतंत्र कुलमित्र	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि के.एल.गहलोत
2	2001-2003	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ हेमन्त कौशिक
3	2003-2005	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ हेमन्त कौशिक
4	2005-2007	कूर्मि जगदीश कौशिक	कूर्मि सर्वश्री सिद्धेश्वर पाटनवार, श्रीमती सविता गवेल	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर
5	2008-2011	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, बिसुन कश्यप	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि एल.के.गहवई
6	2011-2014	कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, राजेन्द्र चन्द्राकर	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि जनक राम वर्मा
7	2014-2017	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, राजेन्द्र चन्द्राकर, श्रीमती नदंनी पाटनवार	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि मोहन कश्यप
8	2017-2020	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि सर्वश्री रंजना वर्मा, डॉ. बी.पी. चंद्रा, प्रदीप कौशिक	कूर्मि डॉ.जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सुखनंदन कौशिक

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच की प्रमुख उपलब्धियाँ

- चेतना मंच के प्रथम महिला प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2008-2011) **कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर**, वर्तमान में राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष,अ.भा.कू.क्ष.महासभा के लगातर तीन कार्यकाल सफलता पूर्वक संपादित कर रही है ।
- चेतना मंच के कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक (2005-2008) **कूर्मि ललित बघेल**, वर्तमान में राष्ट्रीय संगठन सचिव, अ.भा.कू.क्ष.महासभा के पद पर समाज एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2003 -20011) **कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल**, वर्तमान में प्रदेश महासिचव छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि-भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में जापान भ्रमण (2011), चीन भ्रमण (2012), राष्ट्रीय उपलब्धियाँ-इंदिरागांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार भारत शासन (2000-01), राष्ट्रीय युवा पुरस्कार(2007-08),राष्ट्रीय ग्रामीण प्रतिभाग खोज विजेता, म.प्र. शासन (1992-96)।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2011-2014) **कूर्मि अमित बघेल**, वर्तमान में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख जिम्मेदारी निभाते हुए छत्तीसगढ़ के अस्मिता एवं स्वाभिमान की रक्षा कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के पूर्व जिला अध्यक्ष महासमुन्द(2008-2011)**कूर्मि श्रीमती तारा चन्द्राकर**,वर्तमान में प्रदेशाध्यक्ष (म. प्रकोष्ठ), छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज के रूप में महिलाओं में चेतना जागृति हेतु कार्य कर रही है ।
- चेतना मंच के प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ संयोजक (2005 -2008) **कूर्मि बलराम चन्द्राकर**, वर्तमान कवि के रूप में साहित्य साधना करते हुए कूर्मि समाज विभिन्न भूमिका निभाते हुए समाज विकास कार्य कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के प्रशिक्षित कार्यकर्ता / पदाधिकारी समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न मंचों में पुरस्कृत हुए हैं और प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कूर्मि संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहे हैं ।

कूर्मि दाऊ ढालसिंह दिल्लीवार
जन्म : 27 नवम्बर, निर्वाण : ....

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 6

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

कार्तिक प्रारंभ ता. 1 से	विक्रम संवत् 2077 शक संवत् 1942	नवबंर- 2020	यदि परिवार की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति करना हमारा कर्तव्य है तो समाज से अंधविश्वास व पाखण्ड को मिटाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है - डॉ. खूबचंद बघेल	हेमन्त ऋतु

जन्मदिन
1 नवम्बर
कूर्मि जगदीश कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
21 नवम्बर
कूर्मि आनंदी बेन पटेल
महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

गृह प्रवेश
16 नवम्बर 7.06 सुबह से 2.37 दोप तक
19 नवम्बर 9.39 सुबह से 9.59 रात्रि तक
25 नवम्बर 6.21 सुबह से 26 नव. 5.10 सुबह तक
30 नवम्बर 2.59 दोप. से 1 दिस. 6.25 सुबह तक

पंचक
21 नवम्बर, शनिवार 10.26 रात्रि से
26 नवम्बर, शनिवार 9.21 रात्रि तक

विवाह मुहूर्त
25, 30

मूल
8 नवम्बर रविवार 8.46 सुबह से 10 नवम्बर मंगलवार 7.56 सुबह तक
16 नवम्बर सोमवार 2.37 दोप से 18 नवम्बर बुधवार 10.40 सुबह तक
25 नवम्बर बुधवार 6.21 संध्या से 28 नवम्बर शनिवार 00.23 रात्रि तक

Mahindra Rise
मदन महिन्द्रा
कूर्मि राजा नायक
RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001:2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

वार					
सोम MONDAY	30 कार्तिक शुक्ल 15, कार्तिक पूर्णिमा, रोहिणी, चन्द्र ग्रहण	2 कार्तिक कृष्ण 2, कृत्तिका	9 कार्तिक कृष्ण 8,9, अश्लेषा, विधिक सेवा दिवस	16 कार्तिक शुक्ल 1/2 चन्द्र दर्शन, भाई दूज, अनुराधा, विश्व शांति दिवस	23 कार्तिक शुक्ल 9, अक्षय नवमी, शतभिषा
मंगल TUESDAY		3 कार्तिक कृष्ण 3, रोहिणी	10 कार्तिक कृष्ण 10, मघा, विश्व विज्ञान दिवस	17 कार्तिक शुक्ल 3, ज्येष्ठा, अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस	24 कार्तिक शुक्ल 10, कंस वध, पू.भा.
बुध WEDNESDAY		4 कार्तिक कृष्ण 4, करवा चौथ, मृगशिरा	11 कार्तिक कृष्ण 11, रमा एकादशी, पू.फा.	18 कार्तिक शुक्ल 4, मूल	25 कार्तिक शुक्ल 11, तुलसी विवाह, देव उठनी एकादशी, उ.भा., नामदेव जयंती
गुरु THURSDAY		5 कार्तिक कृष्ण 5, आर्द्रा	12 कार्तिक कृष्ण 12, गोवत्स द्वादशी, हस्त	19 कार्तिक शुक्ल 5, रानी लक्ष्मी बाई जयंती, इंदिरा गांधी जयंती, लाभ पञ्चमी, पू.आ.	26 कार्तिक शुक्ल 12, कानून दिवस, रेवती, वैष्णव देवउठान एकादशी
शुक्र FRIDAY		6 कार्तिक कृष्ण 5, आर्द्रा	13 कार्तिक कृष्ण 13, धनतेरस, चित्रा	20 कार्तिक शुक्ल 6, छठ पूजा, उ.आ.	27 कार्तिक शुक्ल 12, प्रदोष व्रत, अश्विनी
शनि SATURDAY		7 कार्तिक कृष्ण 6, शिशु संरक्षण दिवस, पुनर्वसु	14 कार्तिक कृष्ण 14, नरक चतुर्दशी, दीपावली, स्वाति	21 कार्तिक शुक्ल 7, श्रवण	28 कार्तिक शुक्ल 13, बैकुंठ चतुर्दशी, ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि, भरणी
रवि SUNDAY	1 कार्तिक कृष्ण 1, छ.ग. राज्य स्थापना दिवस, भरणी	8 कार्तिक कृष्ण 7, पुष्य	15 कार्तिक कृष्ण 15, गोवर्धन पूजा, विशाखा	22 कार्तिक शुक्ल 8, गोपाष्टमी, धनिष्ठा	29 कार्तिक शुक्ल 14, कृत्तिका

ऐच्छिक अवकाश
4 करवा चौथ
13 दीपावली (दक्षिण भारतीय)
15 गोवर्धन पूजा
16 भाई दूज
21 भगवान सहस्त्र बाहु जयंती
24 गुरुतेग बहादुर शहीदी दिवस
25 नामदेव जयंती

शासकीय अवकाश
14 दीपावली
20 छठ पूजा
30 गुरुनानक जन्म दिवस

याददाश्त

1 नवम्बर 2000 छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस

समस्त स्वजातियों का अभिवादन....

कूर्मि विश्वनाथ कश्यप
प्राचार्य,
शास.उ.मा.वि.,पांड़ी (लाफा)
प्रदेश सचिव,
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 7898654395

कूर्मि आदित्य पाटनवार
प्रदेश महासचिव
(युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 9329631201

कूर्मि रोहित कौशिक
प्रदेश कोषाध्यक्ष
(युवा प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 9907968813

कूर्मि सुंदा कौशिक
संभागीय सचिव- महिला प्रकोष्ठ
छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 7697274333

समस्त स्वजातिय बन्धुओं को सादर नमन...
दिशा कम्प्यूटर्स
डिजिटल सेवा केन्द्र
ग्रामीण चॉईस सेंटर
लोक सेवा केन्द्र
AISECT CSC
कूर्मि गणेश कौशिक
महामाया चौक देवतरा, तखतपुर, बिलासपुर (छ.ग.)
संपर्क सूत्र :- 7509603827, 9589972127 ganesh8angel@gmail.com

समस्त स्वजाति बंधुओं का स्नेहिल अभिनंदन...
कूर्मि नंदलाल चन्द्राकर
विनस चन्द्राकर, वशिका चन्द्राकर, वंश चन्द्राकर, प्रकृति चन्द्राकर
कूर्मि उमा चन्द्राकर
Save Tree
मूल निवास :
लोहरसी, पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
वर्तमान निवास :
लिटिल फ्लावर स्कूल के पास,
रोहिणी पुरम, रायपुर (छ.ग.)
कूर्मि मनोज - योगिता चन्द्राकर
कूर्मि संजय - आकांक्षा चन्द्राकर

स्व. श्रीमती करम करवा, कूर्मि कृष्ण प्रसाद करवा (पिताजी), किशन कुमार करवा, अभिषेक करवा कक्षा-9 वीं, अभिजीत करवा कक्षा-7 वीं, कूर्मि धनेली करवा
कूर्मि लक्ष्मी कुमार करवा
मे. लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
शनिचरी बाजार, रतनपुर (बिलासपुर)
ट्रॉली, टैंकर, कृषि यंत्र के निर्माता एवं विक्रेता
मे. लक्ष्मी फ्लाई एवं ब्रिक्स
भरवीडीह
उच्च क्वालिटी के एशब्रिक्स के निर्माता एवं विक्रेता
संबंधित प्रतिष्ठान
कश्यप हालर एस फ्लोरमील भरवीडीह
मे. लक्ष्मी इंजीनियरिंग
डी-वर्ग, शासकीय पंजीकृत
ठेकेदार एवं बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर
निवासी-ग्राम भरवीडीह, रतनपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) मो. : 8770367597, 9754185533

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

नवम्बर-2020

होड़ा चक्र, गुण बोधक चक्र, वर्ण ज्ञान चक्र व मेडिकल कुण्डली मिलान तालिका

होड़ा चक्र

चक्र के द्वारा जन्म समय के नक्षत्र से या जन्म समय में रखे नाम के प्रथम अक्षर से अपनी राशि, वर्ण, वश्य, योनि, राशि-स्वामी, गण तथा नाड़ी मालूम किया जाता है।

अक्षर	चू.चे. चो.ला.	ली.लू. ले.लो.	अ.ई. उ.ए.	ओ.वा. वी.वु.	वे.वो. का.की.	कु.घ. ङ.छ.	के.को. हा.ही.	हु.हे. हो.डा.	डी.डु. डे.डो.	मा.मी. मु.मे.	मो.टा. टी.टू.	टे.टो. पा.पी.	पू.ष. ण.ठ.	पे.पो. रा.री.	रू.रे. रो.ता.	ती.तू. ते.तो.	ना.नी. नू.ने.	नो.या. यि.यू.	ये.यो. भा.भी.	भू.धा. फा.ढा.	भे.भो. जा.जी.	खी.खू. खे.खो.	गा.गी. गू.गे.	गो.सा. सी.सू.	से.सो. दा.दी.	दू.थ. झ.ञ.	दे.दो. चा.ची.
नक्षत्र	अश्व	भरणी	कृति	रोहिणी	मृग	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्ले	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वा	विशा.	अनु.	ज्ये.	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
राशि	मेष	मेष	मे.1 वृ.3	वृष	वृ.2 मि.2	मिथुन	मि.3 क.1	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिं.1 क.3	कन्या	क.2 तु.2	तुला	तु.3 वृ.1	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	ध.1 म.3	मकर	म.2 कु.2	कुम्भ	कु.3 मी.1	मीन	मीन
वर्ण	क्षत्री	क्षत्री	क्ष.1 वै.3	वैश्य	वै.2 शू.2	शुद्र	शू.3 ब्रा.1	ब्राम्हा.	ब्राम्हा.	क्षत्री	क्षत्री	क्ष.1 वै.3	वैश्य	वै.2 शू.2	शुद्र	शू.3 ब्रा.1	ब्राम्हा.	ब्राम्हा.	क्षत्री	क्षत्री	क्ष.1 वै.3	वैश्य	वै.2 शू.2	शुद्र	शू.3 ब्रा.1	ब्राम्हा.	ब्राम्हा.
वश्य	चतु.	चतु.	चतु.	चतु.	च.2 न.2	नर	न.3 ज.1	जल.	जल.	वन.	वन.	व.1 न.3	नर	नर	नर	न.3 की.1	कीट	कीट	नर	न.1 च.3	चतु.	च.1.5 ज.2.5	ज.2 न.2	नर	न.3 ज.1	जल.	जल.
योनि	अश्व	गज	मेष	सर्प	सर्प	श्वान	मार्जार	मेष	मार्जार	मूषक	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग	मृग	श्वान	वानर	नकुल	वानर	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
राशि स्वामी	मंगल	मंगल	मं.1 शु.3	शुक्र	शु.2 बु.2	बुध	बु.3 चं.1	चंद्र	चंद्र	सूर्य	सूर्य	सू.1 बु.3	बुध	बु.2 शु.2	शुक्र	शु.3 मं.1	मंगल	मंगल	बृह	बृह	बृ.1 श.3	शनि	शनि	शनि	श.3 बृ.1	बृह	बृह
गण	देव.	मनु	राक्षस	मनु.	देव.	मनु.	देव.	देव.	राक्षस	राक्षस	मनु.	मनु.	देव.	राक्षस	देव.	राक्षस	देव.	राक्षस	राक्षस	मनु.	मनु.	देव.	राक्षस	राक्षस	मनु.	मनु.	देव.
नाड़ी	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य	अंत्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अंत्य

1. वर्ण के गुण

कन्या \ वर	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राम्हण	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शुद्र	1	1	1	1

2. वश्य के गुण

कन्या \ वर	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	2	1	1	0	1
मानव नर	1	2	1	0	1
जल चर	1	1	2	1	1
वनचर	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

विवाह गुण मिलान
वर-वधु के अधिकतम 36 गुण होते हैं; जिसमें निम्नांकित गुण के आधार पर विवाह अनुशंसित है
27 गुण ≥ उत्कृष्ठ, 18 गुण ≥ शुभ
18 गुण < विचारणीय

3. तारा के गुण

कन्या \ वर	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

तारा देखने की विधि:- कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक व वर नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर 9 का भाग देने पर शेष 3, 5, 7 अंक ही तारा है।

4. योनि के गुण

कन्या \ वर	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ.	म.	व्या.	मृ.	वा.	न.	सिं.
अश्व	4	2	3	2	2	3	3	3	0	1	3	2	2	1
गज	2	4	3	2	2	3	3	3	3	1	3	3	2	0
मेष	3	3	4	2	2	3	2	3	3	1	3	0	3	1
सर्प	2	2	2	4	2	1	1	2	2	2	2	2	0	2
श्वान	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मार्जार	3	3	3	1	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मूषक	3	2	2	2	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	1	2	2	2	4	3	0	2	2	3	1
महिष	0	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्याघ्र	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	1	1	2	2
मृग	3	3	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	2
वानर	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
नकुल	2	2	3	0	2	2	2	2	2	2	2	2	4	2
सिंह	1	0	1	2	1	2	1	1	3	2	2	2	2	4

5. ग्रह मैत्री के गुण

कन्या \ वर	सू.	च.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
मंगल	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	.5	5	4
गुरु	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

6. गण मैत्री के गुण

कन्या \ वर	दे.	म.	रा.
देवता	6	5	1
मनुष्य	6	6	0
राक्षस	0	0	6

7. भटुक के गुण

कन्या \ वर	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0
वृष	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7
मिथुन	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कन्या	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तुला	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0
वृश्चिक	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
मकर	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुम्भ	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

नैसर्गिक ग्रह मैत्री चक्र

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	ग्रह
चं.मं.बृ.	सू.बु.	सू.चं.बृ.	सू.शु.	सू.चं.मं.	बु.श.	बु.शु.	मित्र
बुध	मं.बृ.शु.श.	शु.श.	मं.बृ.श.	शनि	मं.बृ.	बृह	सम
शु.श.	0	बुध	चंद	बु.शु.	सू.चं.	सू.चं.मं.	शत्रु

कुंडली में मंगलादि का विचार :- 1, 4, 7, 8 व 12वें स्थान में मंगल होने से मंगली कहलाती है। यह दोष वर की कुंडली में हो तो स्त्री को और स्त्री के में हो तो पति को अनिष्टकारक होता है। यदि दोष दोनों की कुंडली में हो तो दोष नहीं माना जाता है। इसी प्रकार इन स्थानों में शनि, राहु, केतु व सूर्य का भी विचार योग्य है। चंद्र कुंडली से भी उपरोक्त स्थानों में मंगल आदि का योग विचारणीय योग्य होता है।

8. नाड़ी के गुण

कन्या \ वर	आ.	म.	अं.
आदि	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

इति (1) वर और कन्या का गण एक हो तो उत्तम प्रीति रहती है। राशियों में मैत्री हो तो गणादि दुष्ट रहने पर भी विवाह सामान्य रूप से संतोषप्रद होता है। (2) वर और कन्या दोनों की राशि के स्वामी एक ही ग्रह हो अथवा दोनों के राशियों में मैत्री हो और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध रहें तो दुष्ट भकूट में भी विवाह शुभ होता है। (3) वर और कन्या की एक राशि हो और नक्षत्र में चरण भेद हो तो नाड़ी दोष और गण दोष नहीं होते हैं। (4) ब्राम्हणों को नाड़ी दोष, क्षत्रियों को वर्ण दोष, वैश्यों को गण दोष और अन्य को योनि दोष होता है। (5) यदि भकूट दोष न हो तो 20 गुण मिलने पर मध्यम और अधिक मिलें तो श्रेष्ठ हैं परन्तु दुष्ट भकूट में 25 गुण तक मध्यम और ऊपर श्रेष्ठ समझना चाहिए। शुभ भकूट में 16 गुण से कम हों और दुष्ट भकूट में 20 गुण से कम हों तो विवाह के लिए विचार नहीं किया जाना चाहिए।

विवाह संबंधी गुण मिलान तथा विशेष ध्यान देने योग्य बातें

वर एवं कन्या का कुण्डली मिलान - वर व कन्या के गुणों का मिलान जन्म नक्षत्र और राशि नाम से करना चाहिए। यदि जन्म पत्रिका नहीं है तो दोनों के प्रचलित नामों से भी गुणों का मिलान कर सकते हैं। इस तरह के मिलान से दोनों में से किसी की भी पत्रिका का उपयोग नहीं करें तथा विवाह का मुहूर्त भी प्रचलित नाम से ही निकलवाएं। यदि दोनों पक्ष पत्रिका के मिलान अथवा प्रचलित नाम से भी मिलान के पक्ष में न हों तो अपने-अपने इष्ट देव का स्मरण कर सम्बंध पक्का कर लेना चाहिए। जन्म पत्रिका के मिलान में कुल 36 गुण होते हैं अतएव 18 गुण ऊपर मिलने पर शुभ तथा 29 गुणों के मिलने पर अति शुभ माना जाता है।

विशेष ध्यान देने योग्य अन्य बातें :- (1) वर-कन्या का एक ही गण हों तो उनमें अच्छी मैत्री होती हैं। राशि में मैत्री हो तो दुष्ट गणादि को भी शुभ माना गया है। (2) वर-कन्या के राशि स्वामी एक ही ग्रह हो अथवा दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्ट भकूट भी शुभ माना जाता है। (3) वर-कन्या की एक ही राशि हो और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हो या एक ही नक्षत्र में चरण भेद हो तो नाड़ी के गुण दोष को नहीं माना जाता है। (4) ब्राम्हणों को नाड़ी दोष, क्षत्रियों को वर्ण दोष, वैश्यों को गण दोष तथा अन्य को योनि दोष माना जाता है। (5) तीन ज्येष्ठ (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या तथा ज्येष्ठ मास) में विवाह वर्जित है तथा दो ज्येष्ठ मध्यम हैं। (6) सहोदय वरों का सहोदर कन्याओं से विवाह कहीं-कहीं अमान्य हैं।

विवाह सम्यक महत्वपूर्ण बातें :- (1.) कन्या वरण मुहूर्त-दोष रहित दिनों व तिथियों में उत्तराषाढ़, स्वाति, श्रवण, तीनों पूर्वा, अनुराधा, धनिष्ठा, कृतिका अथवा विवाह विहित नक्षत्रों में आभूषण, वस्त्र और फल, पुष्पों से कन्या का वरण अपने कुलाचार अनुसार करें। (2.) वर वरण - कन्या का सहोदर (भाई) अथवा कुटुम्ब का अन्य या ब्राह्मण शुभ दिन में बाजा आदि साथ लेकर वस्त्र, यज्ञोपवीत, अलंकरण आदि से शुभ दिन में ध्रुवसंज्ञक, कृतिका या तीनों पूर्वा नक्षत्रों में वर का तिलक करके वर वरण करें। (3.) वाग्दान के पश्चात यदि कन्या या वर की तीन पीढ़ी में किसी की मृत्यु हो जाये तो एक माह बाद विवाह करना चाहिए और सूतक की निवृति होने पर शांति करके विवाह करने से कोई दोष नहीं होता है। (4.) वैवाहिक कार्यक्रम प्रारम्भ होने के पश्चात तीन पीढ़ी के अन्दर किसी की मृत्यु हो जावे तो वर अथवा कन्या तथा उनके माता-पिता को अशौच नहीं लगता है। इस स्थिति में निर्धारित समय और मुहूर्त में ही विवाह संपादित किया जाना चाहिए।

विवाह पूर्व सिकल सेल कुण्डली मिलान कर शादी करें

सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक रोग है; जो माता-पिता से बच्चों में आता है। सिकल सेल बीमारी का समाज में प्रसार को रोकने के लिये विवाह पूर्व स्त्री एवं पुरुष दोनों का सिकलिंग टेस्ट कराएं एवं विवाह पूर्व दर्शित सिकल सेल कुंडली / मेडिकल कुण्डली मिलाएं-

नोट- AA (सामान्य)
AS (सिकल सेल वाहक)
SS (सिकल सेल रोगी)

9. सिकलसेल कुंडली मिलान

क्रं.	वर	वधु	विवाह संबंधी सलाह
1.	AA	AA	विवाह करें
2.	AA	AS	विवाह करें
3.	AS	AA	विवाह करें
4.	AA	SS	विवाह करें
5.	SS	AA	विवाह करें
6.	AS	AS	विचार करें
7.	AS	SS	विवाह नहीं करें
8.	SS	AS	विवाह नहीं करें
9.	SS	SS	विवाह नहीं करें

गुण बोधक चक्र मिलान का तरीका-तालिका अनुसार नक्षत्र के नाम अनुसार पंक्ति में वर तथा कालम में कन्या के सामने का मिलान बिंदु के अंक ही वर कन्या के गुणों का मिलान की संख्या है। उदाहरण-यदि वर का नक्षत्र रोहिणी और कन्या का पुष्य नक्षत्र है तो दोनों का मिलान बिंदु 25 होता है। अतः 25 वर-वधु का गुण मिलान हुआ।

नक्षत्र (कन्या ↓ / वर →)	अश्विनी	भरणी	कृतिका 1	कृतिका 3	रोहिणी	मृगशिरा 2	मृगशिरा 2	आर्द्रा	पुनर्वसु 3	पुनर्वसु 1	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू. फा. 1	उ. फा. 1	उ. फा. 3	हस्त	चित्रा 2
अश्विनी	26	33	28.5	18.5	21.5	22.5	26	17	18	22.5	31.5	27	21	26	16.5	11	9	13
भरणी	34	28	29	19	22.5	14.5	18	26	26	30.5	23.5	24.5	20.5	18.5	26.5	21.5	20	5
कृतिका 1	27.5	29	28	20	10	18.5	22	20	22	26.5	27.5	23.5	16	19.5	20.5	15.5	16.5	18
कृतिका 3	18.5	20	19	28	21	26.5	19.5	17.5	18.5	22	24	20	18	21.5	22.5	21	21	23.5
रोहिणी	23.5	23.5	10	19	28	36	27	23.5	23.5	27	27	13	12.5	26.5	27.5	25	26	20
2 मृगशिरा	23.5	14.5	18.5	27.5	25	28	19	24	23.5	27	20	22	20	15.5	25	23.5	26	13
2 मृगशिरा	27	18	22	18.5	27	20	28	33	31.5	19.5	12	15.5	23.5	20.5	27.5	30.5	34	21
आर्द्रा	19	27	21	18.5	24.5	26	34	28	25	13	20.5	13.5	22.5	28.5	21.5	24.5	24.5	27
पुनर्वसु 3	19	26	23	20.5	23.5	24.5	32.5	24	28	16	23	17.5	22.5	26.5	20.5	23.5	24.5	26.5
पुनर्वसु 1	21.5	28.5	23.5	22	25	26	19	10.5	14.5	28	35	28.5	16.5	20.5	14.5	17	19	20.5
पुष्य	30.5	21.5	26.5	23	25	18	12	18	21.5	35	28	30	18.5	24.5	23.5	26	27	12
आश्लेषा	26	23.5	22.5	19	12	21	14.5	12	16	28.5	30	28	15	15.5	17.5	20	20.5	25
मघा	21	19	17.5	17.5	9.5	18.5	22.5	21.5	21.5	16.5	18.5	16.5	28	30	26.5	15.5	16.5	21.5
पू.फा.	26	18	20	21	23.1	15.5	19.5	27.5	26.5	23.5	18.5	17.5	30	28	34	23	21.5	7.5
उ.फा. 1	17.5	25	20	21	25	23.5	27.5	20.5	20.5	17.5	26.5	19.5	26.5	34	28	18	16	13.5
उ.फा. 3	13	21.5	16.5	21	25	23.5	30.5	23.5	23.5	19.5	28.5	21.5	17.5	25	19	28	27	24.5
हस्त	11	20	17.5	22	25	26	33	22.5	23.5	19.5	28.5	22.5	17.5	21.5	16	26	28	28
चित्रा 2	14	6	19	24.5	20	13	20	26	25.5	21.5	13.5	26.5	22.5	8.5	14.5	24.5	28	28
चित्रा 2	23.5	15.5	28.5	23.5	20	13	14	20	19.5	21	13	26.5	25.5	11.5	17.5	17.5	21	21
स्वाती	28.5	29.5	17.5	12.5	15.5	26	27	26	27	28.5	28	14	12.5	24.5	25.5	25.5	27.5	21
विशाखा 3	23.5	23.5	20.5	15.5	10.5	19.5	20.5	20	21	22.5	22	18.5	17.5	19.5	17.5	17.5	19.5	27.5
विशाखा 2	17.5	17.5	14.5	19.5	14.5	23.5	13	13.5	13.5	19	19	14.5	21.5	23.5	21.5	18	19	28
अनुराधा	24.5	14.5	19.5	24.5	27.5	20.5	11	16	20.5	25	18	20	24.5	20.5	29.5	26	26	12
ज्येष्ठा	13	17.5	24.5	29.5	22.5	23.5	13	3	5	10.5	21	25	31	12.5	16.5	13	12	25
मूल	12	20	24.5	19	13	14	22	15	13	9.5	18	24	25	18	9.5	13	13	26
पू.षा.	26	19	18	12.5	19	11	19	27	27	23.5	13	17.5	19	17	25	28.5	27	12
उ. षा. 1	25.5	27	14	8.5	11.5	18	25	27	27	23.5	24.5	9.5	9.5	25	26	29.5	28.5	21
उ. षा. 3	28	29.5	16	13	17	22.5	20.5	22.5	22.5	28	28.5	14	5.5	21	22	25.5	25	17
श्रवण	27	27	13.5	11	17	26	23.5	21.5	22	28	26	15	6.5	18.5	20	23.5	24.5	18.5
धनिष्ठा 2	21	10.5	26	23.5	20	13	9.5	16.5	17	23	15	28	18.5	4.5	12.5	16	20.5	16.5
धनिष्ठा 2	21	11	26	30.5	27	20	13	19	19.5	15	5	20	24.5	10.5	18.5	17.5	22.5	18
शतभिषा	16	21	28	32.5	25	28	21	12	13	8.5	15.5	20	25.5	19.5	12.5	11.5	10.5	25
3 पू. भा.	18	25	20	24.5	31	31.5	24.5	17	18	13.5	21	14	18.5	24.5	16.5	15.5	17.5	18.5
1 पू. भा.	14.5	21.5	16.5	19	26	26	25.5	18	19	18	26	16.5	16.5	22.5	14.5	16.5	18.5	19.5
उ. भा.	24.5	15.5	18.5	21	25	17	16.5	25.5	27	26	19	20	17.5	15.5	25.5	27.5	26.5	9.5
रेवती	25	24.5	11.5	14	17	26	25.5	24.5	25.5	24.5	27	13	12	22.5	23.5	25.5	26.5	20.5

नक्षत्र (कन्या ↓ / वर →)	चित्रा 2	स्वाती	विशाखा 3	विशाखा 1	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू. षा.	उ. षा. 1	उ. षा. 3	श्रवण	धनिष्ठा 2	धनिष्ठा 2	शतभिषा	पू. भा. 3	पू. भा. 1	उ. भा.	रेवती
अश्विनी	22.5	26.5	22.5	19.5	26.5	15	13	26	24.5	26	26	21	21	15	16	14.5	24.5	26
भरणी	14.5	29.5	22.5	19.5	17.5	19.5	20	19	27	28.5	27	10	10	20	24	22.5	17.5	28
कृतिका 1	27.5	16.5	19.5	16.5	21.5	26.5	24.5	18	14	15.5	12.5	25	25	27	19.5	17.5	19.5	12.5
कृतिका 3	22.5	11.5	14.5	21.5	26.5	31.5	20	13.5	8	14	11	23.5	29.5	31.5	23.5	20	22	14
रोहिणी	19	15.5	9.5	16.5	30.5	24.5	14	20	19.5	16	18	20	26	24.5	30.5	27	27	19
2 मृगशिरा	12	25	17.5	23.5	22.5	25.5	15	11	17	21.5	26	12.5	19	27	29.5	26	17	27
2 मृगशिरा	14	27	20.5	14	12	14	23	19	25	21.5	26	13	14	22	24.5	26.5	17	27
आर्द्रा	20	27	20	13.5	17	3	16	28	28	23.5	23.5	18	19	12	17	19.5	27	27
पुनर्वसु 3	19.5	27	21	14.5	20.5	6	14	27	27	22.5	23.5	18.5	19.5	11	17	19.5	27.5	28
पुनर्वसु 1	19.5	27	21	20	26	11.5	8	21	21.5	26	27	22	12.5	7	11	17	25	25.5
पुष्य	11.5	26.5	21	20	19	22	17	11	22.5	27	25	13	4.5	14.5	18	24	18	27
आश्लेषा	24.5	11.5	16.5	15.5	20	26	22.5	16	7.5	12	12	27	18.5	18.5	12.5	18.5	20	13
मघा	24.5	11.5	16.5	22.5	25.5	32	24	20	9.5	5.5	6.5	18.5	23.5	24.5	17.5	19.5	19.5	12
पू.फा.	10.5	24.5	18.5	24.5	22.5	24.5	18	17	25	21	19.5	4.5	9.5	19.5	23.5	24.5	17.5	25.5
उ.फा. 1	16.5	25.5	16.5	22.5	31.5	17.5	9.5	25	26	22	21	12.5	17.5	19.5	15.5	16.5	27.5	24.5
उ.फा. 3	16.5	25.5	16.5	18	28	13	14	29.5	30.5	26	25	16.5	16.5	10.5	14.5	18.5	29	27.5
हस्त	20	26.5	18.5	20	26	14	15	27	28.5	24	25	21	21	6.5	15.5	18.5	27	28
चित्रा 2	20	20	26.5	28	32	25	27	13	22	17.5	19	17	19	24	17.5	21	11	22
चित्रा 2	28	28	34.5	24.5	7.5	22.5	27	13	22	25.5	27	25	19	26	19.5	14	4	15
स्वाती	28	28	20	10	22.5	17.5	23	27	19	22.5	23.5	29	23	21	27	21	20	13
विशाखा 3	34.5	20	28	18	17	20.5	27	21	14	17.5	17.5	31.5	25.5	26	21	15.5	13.5	7.5
विशाखा 2	22.5	8	17	28	28	31.5	21.5	15.5	9.5	12	12	26	25	25.5	20.5	20.5	18	11.5
अनुराधा	7.5	21.5	17	28	28	31	16.5	13.5	22.5	25	26	13	13	21	26.5	25	18	26
ज्येष्ठा	19.5	15.5	20	31.5	31	28	15	16.5	17.5	20	21	26	26	19	12	10.5	21	21
मूल	26	22	26	23.5	16.5	15	28	28	26.5	18.5	16.5	20.5	28.5	21.5	14.5	16.5	25.5	28
पू.षा.	12	27	20	16.5	16.5	18.5	28	28	34	23	24.5	8.5	16.5	23.5	30.5	32.5	23.5	32.5
उ. षा. 1	21	19	13	10.5	24.5	18.5	26.5	34	28	18	16	15.5	23.5	23.5	29.5	31.5	32.5	23.5
उ. षा. 3	24	22.5	16.5	10.5	28	23	16.5	25.5	19	28	26	26.5	17	17.5	23.5	30.5	31.5	22.5
श्रवण	25.5	22.5	16.5	14	28	23	17.5	23	16	25	28	30	20.5	18.5	23.5	31.5	30.5	22.5
धनिष्ठा 2	23.5	27.5	30	28	15	28	21	9	16.5	26.5	30	28	18.5	23.5	19	26.5	15.5	22.5
धनिष्ठा 2	19	23	25.5	26	13	26	29.5	17.5	24.5	18.5	22	20	28	23	28.5	18.5	7.5	15
शतभिषा	26	21	26	27.5	22	19	22.5	24.5	24.5	18.5	19	25	33	28	19	8.5	17.5	17
3 पू. भा.	19.5	28	21	21.5	27.5	12	15.5	31.5	30.5	24.5	25	20.5	28.5	19	28	18	23	30.5
1 पू. भा.	12.5	21	14	21	27	11.5	15	31	30	29.5	30.5	25.5	17	7.5	16.5	28	33	30.5
उ. भा.	2.5	19.5	12.5	19	20	22	24	22	31.5	30.5	29.5	14.5	6	16	21.5	33	28	34
रेवती	13.5	11.5	5.5	12.5	27	22	26.5	30	21.5	20.5	22.5	22.5	14	16	18	29.5	34	28

अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा

29 दिसम्बर 1894 अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 6

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

मार्गशीर्ष प्रारंभ ता. 1 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

दिसम्बर- 2020

पढ़ा-लिखा व्यक्ति यदि अपने समाज को अंध विश्वास एवं अज्ञानता की दलदल से बाहर ना निकाल पाए तो उसके शिक्षित होने का कोई अर्थ नहीं है
- चेतना मंच

हेमन्त ऋतु, ता. 21 से शिशिर ऋतु

जन्मदिन

12 दिसम्बर - कूर्मि शरद पवार, पूर्व रक्षामंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री
16 दिसम्बर - कूर्मि एच.डी.कुमार स्वामी, मुख्यमंत्री, कर्नाटक
19 दिसम्बर - श्रीमती प्रतिभा पाटिल, महामहिम पूर्व राष्ट्रपति

गृह प्रवेश

2 दिसम्बर 6.25 सुबह से 10.38 सुबह तक
10 दिसम्बर 10.51 सुबह से 11 दिसम्बर 6.31 सुबह तक
16 दिसम्बर 8.04 सायं से 17 दिसम्बर 6.34 सुबह तक
17 दिसम्बर 6.34 सुबह से 3.17 दोपहर तक
23 दिसम्बर 8.39 संध्या से 24 दिसम्बर 4.33 सुबह तक

पंचक

19 दिसम्बर, शनिवार 7.17 सुबह से
24 दिसम्बर, गुरुवार 4.33 सुबह तक

विवाह मुहूर्त

1, 2, 7, 8, 9, 11

मूल

5 दिसम्बर शनिवार 2.28 दोपहर से 7 दिसम्बर सोमवार 2.33 दोप. तक
14 दिसम्बर सोमवार 1.40 रात्रि से 15 दिसम्बर मंगलवार 9.31 रात्रि तक
23 दिसम्बर बुधवार 1.38 रात्रि से 25 दिसम्बर शुक्रवार 7.37 सुबह तक

Mahindra Rise
मदन महिन्द्रा
कूर्मि राजा नायक

RAMA CROP SCIENCE PRIVATE LIMITED
An ISO 9001:2015 Certified Company
98266-52223 98935-38303

सोम MONDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 6 डॉ. सैय्यदाना साहब जन्मदिवस 10 शहीद वीरनारायण सिंह बलिदान दिवस 29 दत्तात्रेय जयंती	मार्गशीर्ष कृष्ण 7 **7** झण्डा दिवस, काल भैरव जयंती मघा	मार्गशीर्ष कृष्ण 15 **14** सूर्य ग्रहण, ऊर्जा बचत दिवस सोमवती अमावस्या ज्येष्ठा	मार्गशीर्ष शुक्ल 7 **21** पू.भा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 **28** रोहिणी
मंगल TUESDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 1 **1** सीमा सुरक्षा दिवस, नागालैंड राज्य निर्माण दिवस रोहिणी	मार्गशीर्ष कृष्ण 8 **8** पू.फा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 1 **15** अन्तर्राष्ट्रीय चाय दिवस, सरदार पटेल पुण्यतिथि चन्द्र दर्शन मूल	मार्गशीर्ष शुक्ल 8 **22** राष्ट्रीय गणित दिवस उ.भा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 **29** दत्तात्रेय जयन्ती मृगशिरा
बुध WEDNESDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 2 **2** असम दिवस, विश्व प्रदूषण नियंत्रण दिवस मृगशिरा	मार्गशीर्ष कृष्ण 9 **9** उ.फा.	मार्गशीर्ष शुक्ल 2 **16** पू.आ.	मार्गशीर्ष शुक्ल 9 **23** राष्ट्रीय किसान दिवस रेवती	मार्गशीर्ष शुक्ल 15 **30** मार्गशीर्ष पूर्णिमा आर्द्रा
गुरु THURSDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 3 **3** विश्व विकलांगता दिवस, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती संकष्टी चतुर्थी आर्द्रा	मार्गशीर्ष कृष्ण 10 **10** मानव अधिकार दिवस हस्त	मार्गशीर्ष शुक्ल 3 **17** उ.आ.	मार्गशीर्ष शुक्ल 10 **24** राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस अश्विनी	पौष कृष्ण 1 **31** पुनर्वसु
शुक्र FRIDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 4 **4** जल सेना दिवस पुनर्वसु	मार्गशीर्ष कृष्ण 11 **11** उत्पन्ना एकादशी चित्रा	मार्गशीर्ष शुक्ल 4 **18** अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस, गुरु घासीदास जयन्ती श्रवण	मार्गशीर्ष शुक्ल 11 **25** मोक्षदा एकादशी, क्रिसमस दिवस, अटल बिहारी वाजपेयी जन्मदिवस अश्विनी गीता जयन्ती	**शासकीय अवकाश** 18 गुरुघासीदास जयंती 25 क्रिसमस दिवस **याददाश्त**
शनि SATURDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 5 **5** विश्व संरक्षण दिवस, मृदा दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय स्वयं सेवक दिवस पुष्य	मार्गशीर्ष कृष्ण 12/13 **12** प्रदोष व्रत विशाखा	मार्गशीर्ष शुक्ल 5 **19** विवाह पञ्चमी, गोवा मुक्ति दिवस घनिष्ठा	मार्गशीर्ष शुक्ल 12 **26** भरणी	
रवि SUNDAY	मार्गशीर्ष कृष्ण 6 **6** डॉ. अम्बेडकर पुण्यतिथि अश्लेषा	मार्गशीर्ष कृष्ण 14 **13** अनुराधा	मार्गशीर्ष शुक्ल 6 **20** अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस शतभिषा	मार्गशीर्ष शुक्ल 13 **27** प्रदोष व्रत कृत्तिका	

समस्त स्वजातिय बंधुओं को 2021 नव वर्ष की अग्रिम शुभकामनाएँ ...

कूर्मि श्रीमती शारदा देवी वर्मा
अध्यक्ष, जिला पंचायत रायपुर (छ.ग.)
मो. : 9977020418

खुले शौच मुक्त ग्राम पंचायत पुरस्कार से पुरस्कृत

कूर्मि सुकदेव सिंगरौल
सरपंच
ग्राम पंचायत चितावर
विकास खण्ड-तखतपुर, जिला-बिलासपुर
मो. नं. 8889846887, 8770078893

समस्त स्वजातिय बन्धुओं का सादर नमन ...

कूर्मि ईश्वरी लाल चन्द्राकर
बिलासपुर नगर सचिव (युवा प्रकोष्ठ)
मो. 9977376298
कूर्मि मोरध्वज चन्द्राकर
9977376197
'ए' क्लास विद्युत ठेकेदार
नागेन्द्र इन्टरप्राईजेस नेहरु नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
हमारे यहाँ ट्रांसफार्मर, 11 के. व्ही. लाईन/33 के.व्ही., एच टी / एलटी लाईन, जनरेटर सेट, लिफ्ट एवं सभी प्रकार के बिजली का कार्य किया जाता है
मो. 9977376198, 9977376197

कूर्मि मनोज चन्द्राकर
कूर्मि अमिता चन्द्राकर
आध्या चन्द्राकर
कूर्मि माधवनाथ-श्रीमती शांता चन्द्राकर
जिला-अध्यक्ष, छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच जिला बिलासपुर (छ.ग.), मो. 9827105969
संचालक : फुलवारी लोक रंग, बिलासपुर

कूर्मि एकीकरण में संलग्न स्वजातियों का हार्दिक अभिनंदन

कूर्मि ओम (ओमिशा) वर्मा
मो. : 8962799526
वर्मा फोटोकॉपी एवं कम्प्यूटर सेन्टर
हाई कोर्ट, बिलासपुर (छ.ग.)

कूर्मि बी. आर. वर्मा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 8085427356

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरु चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 6 (2020)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

दिसम्बर - 2020

सम्पादकीय एवं प्रकाशन विवरण

अपनों से अपनी बात

आत्मीय स्वजन,

नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ सादर अभिवादन...

आप अवगत ही हैं कि **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** के माध्यम से समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा महान विभूतियों की जानकारी देते हुए आत्मगौरव का बोध कराया जाता है। इसके माध्यम से समाज में व्याप्त रूढ़िवादी, उदासीनता, भ्रम तथा शंकाओं का तार्किक एवं वैज्ञानिक समाधान की जानकारी प्रकाशित करते हुए समाज में जागृति व नव चेतना का संचार किया जा रहा है।

वर्तमान पीढ़ी कम्प्यूटर व मोबाईल के घेरे में दिन-प्रतिदिन घिरते जा रहा है, ऐसी परिस्थिति में अपनी मूल संस्कृति व महापुरुषों तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से उन्हें अवगत कराने का कार्य, वर्तमान के लिए कठिन व चिंता का विषय होता जा रहा है। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग** का षष्ठम अंक का प्रकाशन किया गया है। यह पञ्चाङ्ग न केवल वर्तमान पीढ़ी की शंका का समाधान करेगा, बल्कि नई पीढ़ी के व्यवहार परिवर्तन एवं उनकी जिज्ञासा को पूरा करने में भी सहयोग प्रदान करेगा।

इस पञ्चाङ्ग में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों की विस्तृत जानकारी के साथ-साथ दूरभाष नंबर भी दिया गया है, जिससे आवश्यकता अनुसार संपर्क व मेल मिलाप बढ़ाकर समाजिक एकीकरण की दशा में उन्मुख हो सकेंगे। इसमें राज्यवार कूर्मियों की जनसंख्या, निवासरत कूर्मियों की जानकारी भी समाहित किया गया है, ताकि अपने लोगों का चिन्हांकन आसानी से हो सके।

आशा है पञ्चाङ्ग का यह नया कलेवर समाज के लिए उपयोगी साबित होगा और समाज विकास की कड़ी में सहायक होगा। अपने व्यस्ततम बहुमूल्य समय में से कुछ पल इसे पढ़ने हेतु अवश्य निकालें और हाँ! सुझाव देने में कृपणता नहीं बरतेंगे, ऐसा आग्रह है । सदैव की भांति समाज हित में आपका सहयोग विनम्रता पूर्वक अपेक्षित है ।

पुनः नव वर्ष की मंगल कामनाओं के साथ...

-संपादक मंडल

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष मार्गदर्शन -

कूर्मि एल. पी. पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि डॉ. व्ही.एस. निरंजन (राष्ट्रीय महासचिव-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि लताऋषि चंद्राकर(महिला, राष्ट्रीय अध्यक्षा-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि डी.एम.कटियार (युवा, राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा)
कूर्मि विजय बघेल, सांसद (प्रदेशाध्यक्ष-छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज)
समस्त फिरका प्रमुख, सर्व कूर्मि-क्षत्रिय समाज, छत्तीसगढ़।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष संरक्षण -

कूर्मि लक्ष्मी चन्द्राकर, (पूर्व प्रांताध्यक्ष छ.ग.कू.-क्ष. मंच) कूर्मि जगदीश कौशिक (पूर्व प्रांताध्यक्ष छ.ग.कू.-क्ष. मंच), कूर्मि ललित बघेल (राष्ट्रीय महामंत्री-अ.भा.कू.क्ष महासभा), कूर्मि आलोक चंद्रवंशी।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2020 संपादक मंडल :-

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक, प्रबंध संपादक (प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच) **कूर्मि बी. आर. कौशिक (प्रधान संपादक)** 7000992193, कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार (उप प्रधान संपादक) 9300851771
कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल - 9425522629 (संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2020)
सम्पादक मण्डल सदस्य : कूर्मि भारत लाल वर्मा, कोमल पाटनवार , कूर्मि श्रीमती भगवती चन्द्राकर, कूर्मि चन्द्रशेखर चकोर, कूर्मि अनिल चंद्राकर - 9329111036
प्रकाशन वित्तीय एवं मार्केटिंग प्रबंधन दल - कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक, कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई, कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर, कूर्मि प्रदीप कौशिक, कूर्मि सुखनंदन कौशिक (प्रदेश कोषाध्यक्ष-छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच) कूर्मि विश्वनाथ कश्यप, कूर्मि देवी चन्द्राकर, कूर्मि तोखन चन्द्राकर।

अपील

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के माध्यम से अपने व्यापार, नाम को समाज के घर-घर पहुँचावें..

कूर्मि समाज एक श्रमजीवी समाज है। समाज में एकीकरण से शिक्षा, व्यवसाय, राजनैतिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत को नई दिशा व ऊँचाई प्राप्त होगा। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए कूर्मि समाज के इतिहास, संस्कृति, पर्व तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा प्रतिवर्ष कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग का प्रकाशन किया जाता है।

आगामी अंक कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2021 में भारत भर में निवासरत कूर्मियों के इतिहास, संस्कृति, गोत्रावली, उपजाति फिरका की जानकारी, प्रमुख त्यौहार, महापुरुषों की जानकारी से भरपूर कलेवर समाहित किया जावेगा। यह पञ्चाङ्ग न केवल हमारी जानकारी बढ़ाएगा बल्कि हमारी नई पीढ़ियों की जागृति व व्यवहार परिवर्तन में सहायक होगा। प्रस्तावित पञ्चाङ्ग को एक बेहतरीन कलेवर के रूप में प्रस्तुति के लिए आपका सहयोग व विचार आमंत्रित है।

नोट -रु.6000, रु.10,000, रु.15,000, रु.20,000, रु.25,000 का सीमित प्रकाशन सहयोग आमंत्रित है... सहयोग राशि ऑनलाइन जमा करने हेतु खाता क्र.

Chhattisgarh Kurmi Kshatriya Chetana Manch
S.B.I. A/C No.63028610257, IFS Code SBIN0030243
Telephone Exchange Branch-Bilaspur (Chhattisgarh) 495001

राशि जमा कर पावती के साथ सूचित करें, जिससे संगठन के खाते से मिलान किया जा सके।

आपका अपना ही

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9826165881
ईमेल - kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव
मो. 09425522629
ईमेल - jkumar001@gmail.com

टीप : पञ्चाङ्ग प्रकाशन का मूल उद्देश्य कूर्मि समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परम्परा, गलत मान्यता को दूर कर लोगों में वैज्ञानिक व तथ्यपरक जानकारी देना है । इस मूल भावना को ध्यान में रखते हुए पञ्चाङ्ग प्रकाशन दल द्वारा विषय वस्तु तैयार करते समय विशेष सावधानी रखी गई है फिर भी किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर कृपया अवगत करावें ।

पञ्चाङ्ग के गणित, तिथि, नक्षत्र, लग्न, योग, पंचक, मुहूर्त, व्रत, जयंती व दिवस इत्यादि का संकलन व प्रुफ रीडिंग तथा सम्पादन इत्यादि में पूर्ण सावधानी रखने का प्रयास किया गया है; फिर भी यत्र-तत्र त्रुटि होने पर उसे सुधारकर पढ़ा जावे।

इस पंचांग में समाहित सभी मुहुर्त, व्रत एवं त्यौहार पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही पुरानी मान्यताएँ हैं, यदि आप इन्हें अंधविश्वास समझते हैं तो इनका पालन करने अथवा न करने के लिए स्वतंत्र हैं । प्रकाशन के संबंध में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति पर न्यायलीन क्षेत्र बिलासपुर (छ.ग.) होगा ।

पञ्चाङ्ग मिलने हेतु संपर्क सूत्र-

रायपुर	कूर्मि अनिल चंद्राकर	9329111036
महासमुंद	कूर्मि श्रीमती तारा चंद्राकार	9926158130
बलौदाबाजार	कूर्मि टेसुलाल धुरंधर	9425520852
धमतरी	कूर्मि छत्रपाल बैस	9424239090
बिलासपुर	कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक	9827157927
मुंगेली	कूर्मि सुरेश कौशिक	9589033432
जांजगीर-चांपा	कूर्मि व्यास नारायण कश्यप	9425220316
कोरबा	कूर्मि अनिरुद्ध चंद्रा	9300842510
दुर्ग, भिलाई	कूर्मि मोरध्वज चंद्राकर	9827112661
कवर्धा	कूर्मि दौलत कश्यप	9893182264
अंबिकापुर	कूर्मि देव प्रताप सिंह	9406133419
बलरामपुर	कूर्मि गिरीश पटेल	9926167334
मध्यप्रदेश		
भोपाल	कूर्मि ममता पटेल	9229683301
	कूर्मि वीणा वर्मा	9425096276
उज्जैन	कूर्मि रमेश चन्द्र नायक (पाटीदार)	9926790652
ग्वालियर	कूर्मि हीरालाल पटेल	9893908393
शाजापुर	कूर्मि संजीव कुमार पाटिल	9755119889
जबलपुर	कूर्मि रामसिंह	9300247612
मंडला	कूर्मि प्रदीप पटेल	9340161821
इंदौर	कूर्मि प्रशांत पटेल	9617066669
छिंदवाड़ा	कूर्मि झाम सिंह सनोडिया	9425848800
नरसिंहपुर	कूर्मि मनिष पटेल	9993475439
महाराष्ट्र		
मुंबई	कूर्मि गणपित	9324620022
अम्रावती	कूर्मि डॉ मंगेश देशमुख	9404952808
पूणे	कूर्मि धीरेन्द्र कूर्मि	9993778935
ठाणे	कूर्मि संजय पाटिल	7745048505
उत्तरप्रदेश		
प्रयागराज	कूर्मि हिंछ लाल सिंगरौर	9839354563
उरई झांसी	कूर्मि डॉ. वीरेन्द्र सिंह निरंजन	9415459641
लखनऊ	कूर्मि डॉ. मंजू वर्मा	9450693942
दिल्ली	कूर्मि अनिल कुमार राय	9999030941
बैंगलुरू	कूर्मि श्री कार्तिक	9972883296
	कूर्मि श्री सतिश कौशिक	9886110433
हैदराबाद	कूर्मि श्री राज नारायण पटेल	9394543910
कलकत्ता	कूर्मि श्री राज वर्मा	9433003267
तन्जौर	कूर्मि श्री राजू पटेल	9786205369
भूबनेश्वर	कूर्मि श्री रामचंद मोहन्ता	9438323680
जयपुर	कूर्मि श्री राजेश गंगवार	9414049758
हजारीबाग	कूर्मि श्री कुमेश्वर महतो	9934105586
गुड़गांव	कूर्मि श्री सुन्दर लाल गंगवार	8802763702
कर्नाटक	कूर्मि श्री अजय वर्मा	9341235998
विजयनगरम्	कूर्मि श्री रविन्द्र वेंकट रेड्डी	9392223200
पटना	कूर्मि श्री सुनीता साक्षी	9801874098
आसाम	कूर्मि श्री सुमेश महतो	9613968247
गोवा	कूर्मि श्री मधु एन. गांवकर	9822194547
देहरादून	कूर्मि श्री अनिरुद्ध सिंह	9410395787
अहमदाबाद	कूर्मि श्री एम.ए. पटेल	9825020211
मेहसाड़ा	कूर्मि श्री एस.एन. पटेल,	7600774551
गंगटोक	कूर्मि श्री रूपेश कुमार	9434022637

कूर्मि चेतना पंचांग के संबंध में अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-
कूर्मि बी.आर. कौशिक-94241-53582, कूर्मि सिद्धेश्वर-9300851771

सौजन्य से :-